परिवर्तन

शेक्सपियर का नाटक



हिंदी: डॉ. रांगेय राघव

1958

मूल्य	:	दो रुपये
प्रथम संस्करण	:	जुलाई, १९५८
आवरण	:	नरेन्द्र श्रीवास्तव
प्रकाशक	:	राजपाल एण्ड सन्ज़, दिल्ली
मुद्रक	:	हिन्दी प्रिंटिंग प्रेस, दिल्ली

शेक्सपियर विश्व-साहित्य के गौरव, अंग्रेजी भाषा के अद्वितीय नाटककार शेक्सपियर का जन्म २६ अप्रैल, १५६४ ई० में स्ट्रैटफोर्ड-आन्-ऐवोन नामक स्थान मे हुआ। उसकी बाल्यावस्था के विषय मे बहुत कम ज्ञात है। उसका पिता एक किसान का पुत्र था, जिसने अपने पुत्र की शिक्षा का अच्छा प्रबन्ध भी नही किया। १५८२ ई० मे शेक्सपियर का विवाह अपने से आठ वर्ष बडी ऐनहैथवे से हुआ और सम्भवत उसका पारिवारिक जीवन सन्तोषजनक नही था। महारानी ऐलिजाबेथ के शासनकाल मे १५८७ ई० मे शेक्सपियर लन्दन जाकर नाटक कम्पनियो मे काम करने लगा। हमारे जायसी, सूर और तुलसी का प्राय. समकालीन यह कवि यही आकर यशस्वी हुआ और उसने अनेक नाटक लिखे, जिनसे उसने धन और यश दोनो कमाये। १६१२ ई० मे उसने लिखना छोड दिया और अपने जन्मस्थान को लौट गया और शेष जीवन उसने समृद्धि तथा सम्मान से बिताया। १६१६ ई० मे उसका स्वर्गवास हुआ।

इस महान् नाटककार ने जीवन के इतने पहलुओं को इतनी गहराई से चित्रित किया है कि वह विश्व-साहित्य मे अपना सानी सहज ही नही पाता। मारलो तथा बेन जानसन जैसे उसके समकालीन कवि उसका उपहास करते रहे, किन्तु वे तो लुप्तप्राय. हो गये, और यह कविकुल-दिवाकर आज भी देदीप्यमान है।

शेक्सपियर ने लगभग ३६ नाटक लिखे है, कविताए अलग।

उसके कुछ प्रसिद्ध नाटक है—जूलियस सीजर, ऑथेलो, मैकबैथ, हैमलेट, लियर, रोमियो जूलियट (दु खान्त), ग्रीष्म-मध्यरात्रि का स्वप्न, वेनिस का सौदागर, बारहवी रात, तिल का ताड़ (मच एड्‌ अबाउट नथिग), शीतकाल की कथा, तूफ़ान (सुखान्त)। इनके अतिरिक्त ऐतिहासिक नाटक है तथा प्रहसन भी है। प्राय' उसके सभी नाटक प्रसिद्ध है।

शेक्सपियर ने मानव-जीवन की शाश्वत भावनाओ को बडे ही कुशल कलाकार की भाँति चित्रित किया है। उसके पात्र आज भी जीवित दिखाई देते है। जिस भाषा मे शेक्सपियर के नाटको का अनुवाद नही है वह भाषाओं मे कभी नही गिनी जा सकती।

भूमिका

'परिवर्तन' शेक्सपियर का एक प्रारभकालीन नाटक है। कुछ आलोचको का मत है कि ऐसा एक नाटक पहले से था, और कुछ का मत है कि शेक्सपियर ने ही पहले इसे छोटा लिखा था। दोनों हालतो मे वाद में शेक्सपियर ने ही इसे वडा किया, यद्यपि इस विषय मे अभी कुछ निश्चय से नही कहा जा सकता। अभी तक के प्रमाणो से यही लगता है कि उसने इसे १५९४ से पहले ही लिखा होगा। पुरानी पुस्तक मे आपकी पुस्तक से न केवल पात्रो के नामों का परिवर्तन मिलता है, अपितु घटनाओ का भी उसमे भेद प्राप्त होता है। फिर समानता भी मिलती है। सोलहवी और सत्रहवी शती के कई ग्रथो मे शरावी ठठेरा आता है, जिसे इसी तरह वेवकूफ वनाया जाता है। आज के दृष्टिकोण से यह वहुत कठोर हृदयहीनता दिखाई देती है कि एक भिखारी से इस तरह का मजाक किया जाये, लेकिन उन दिनो इसको बड़ी फैशन की चीज माना जाता था। भिखारी को पहले बहुत वैभव मे रखकर सो जाने पर फिर वाहर छोड़ आया जाता था और तब उसके आश्चर्य को देखकर धनी लोग हँसा करते थे। शेक्सपियर की अतरात्मा सभवत इसे स्वीकार नही करती थी, इसलिये फैशन के नाते, उसने प्रारम्भिक भाग तो स्वीकार कर लिया, परतु आगे भिखारी का मजाक उडाया जाना उसकी पुस्तक में नही मिलता। इसलिये देखा जाये तो भिखारी की कथा व्यर्थ आती है। उसका आगे कोई सबध ही नही दिखाई

देता । इसीलिये मेरा विचार है कि शेक्सपियर को संभवत. यह मजाक ज्यादा पसद नही था ।

यहाँ कथा मे से कथा का सृजन होता है और उस कथा मे भी उसके पुराने तरीके से अतर्कथाए है । विधवा की कथा का वर्णन भी ऐसा ही वर्णन है । विधवा केवल एक तुलनात्मक रूप प्रस्तुत करती है जब कर्कशा की परीक्षा होती है, परंतु वैसे उसकी कोई विशेषता नही है ।

यद्यपि यह नाटक बहुत श्रेष्ठ नही है, मगर इसमे यह विशे-षता है कि शेक्सपियर ने इसमे पैट्रूशियो का पात्र खड़ा किया है, और यह बड़ा ही मजेदार पात्र है । वह खूब हँसाता है पाठक को, और कर्कशा की परेशानी भी देखने लायक बनती है । इस एक विशेषता के कारण ही यह नाटक टिक सका है, क्योकि बहुदर्शी नाटककार का एक और रूप हमे यहाँ दिखाई देता है।

प्रारम्भिक नाटकों मे जो शेक्सपियर मे दोष है कि वह भाषा-चातुर्य्य को बहुत प्रयोग मे लाता है, सो इसमे भी है । दो अर्थ के शब्द देकर नाटचगृह मे जनता को हँसाना ही ऐसे चातुर्य्य का उद्देश्य था । अनुवाद मे यह चातुर्य्य निस्सदेह दुखदायी रहा है, फिर भी हमने जहाँ तक हो सका है, उसे निबाहने की चेष्टा की है ।

इस नाटक को भी शेक्सपियर ने व्यर्थ नही लिखा । उसके सामने एक उद्देश्य अवश्य था । नाटक के अंत मे कर्कशा जब स्त्री-पुरुप के संबंधो के बारे मे बोलती है, तब शेक्सपियर स्वयं बोलता हुआ लगता है । शेक्सपियर का यह दृष्टिकोण हिंदुओं का-सा था । पातिव्रत, पतिसेवा पर उसने बहुत जोर दिया है,

और आधुनिक स्त्रियाँ अवश्य इसे मध्यकालीन विचारधारा कहेगी, इस पर ध्यान नही देगी। परंतु शेक्सपियर का युग आज का नही था, पुराना समय था। फिर भी शेक्सपियर ने अपनी ओर से नही कहा, पात्री द्वारा कहलाया है, यह पात्री विशेप पहले बहुत कर्कशा थी, फिर परेशान होगई, और ठीक होगई तो उसने अपने विचार प्रकट किये और बदली हुई परिस्थिति मे उसका इस प्रकार बोलना भी आश्चर्यजनक नही लगता।

बाकी पात्रो मे कोई खास बात नही मिलती, न कवि ने इस नाटक मे कोई विशेषता ला सकने मे सफलता ही पाई है। लेटिन आदि का प्रयोग भी भापा के चमत्कार के अन्तर्गत ही रखा जा सकता है। विद्वान् का मखौल खूब उड़ाया गया है। शेक्सपियर ने धनी वर्ग का चित्रण करते हुए यद्यपि मानवीय मूल्यों की ही ओर ध्यान दिया, किंतु यथार्थ के चित्रण मे वह बहुत निष्पक्ष रहा है, जैसे कि हर महान् कलाकार मे हमे दिखाई देता है। कार्लमार्क्स ने यही उसकी विशेपता स्वीकार की थी। यह तो गलत है, लेकिन यह भी उसका एक पक्ष है, वैसे शेक्स-पियर की मूल महानता उसके मानव मन की गहराइयो मे उतरने वाली शक्ति है। वह शक्ति इस नाटक मे कही मुखर तो नही हुई है, लेकिन उसका आभास हमे यहाँ भी मिल ही जाता है।

यद्यपि यह नाटक बहुत उच्चकोटि का नही है फिर भी इसका एक महत्त्व तो यह भी है कि इसे भी उस महान् कलाकार ने लिखा था, और उसकी परिपक्व रचनाओ को समझने के लिए इसको भी पढना आवश्यक ही है।

—रांगेय राघव

पात्र-परिचय

एक लॉर्ड क्रिस्टोफर स्लाइ, एक ठठेरा यजमान-दारा, अनुचर, अभिनेता, शिकारी तथा सेवक	प्रस्तावना के पात्र
बैप्टिस्टा	पैडुआ के एक धनी पुरुष
विन्सैंशियो	पीसा के एक वृद्ध पुरुष
ल्यूसैंशियो	बियाका से प्रेम करने वाला विन्सैंशियो का पुत्र
पैट्रूशियो	वेरोना के एक सज्जन जो कैथरिना के प्रेमी हैं।
ग्रेमियो होर्टैंशियो	बियाका के प्रेमी
ट्रेनियो बॉइंडैलो	ल्यूसैंशियो के सेवक
ग्रूमियो कर्टिस	पैट्रूशियो के सेवक

विद्वत्ता का ढोंग करने वाला एक ढोंगी जो विन्सैंशियो का प्रतिरूप धारण करता है।

कैथरिना बियांका	बैप्टिस्टा की पुत्रियाँ।

[विधवा, दर्जी, एक बिसाती तथा बैप्टिस्टा और पैट्रूशियो के सेवक]



प्रस्तावना

[भिखारी (क्रिस्टोफर स्लाइ) तथा यजमान-दारा का प्रवेश]

भिखारी : मार डालूँगा मै तुम्हे, सच कहता हूँ।

यजमान-दारा · तुझे तो मै कठघरे मे डलवाऊँगी, बदमाश !

भिखारी · बडी बद्तमीज और गुस्ताख औरत हो तुम, स्लाइ बदमाश नही होते। इतिहास उठाकर देख लो, हम वही है जो विजेता रिचार्ड के साथ यहाँ आये थे। इसलिये बस थोडी बात, मरने दो इस दुनिया को, क्या आफत है।

यजमान-दारा तो फिर क्या तुम उन गिलासो की कीमत नही दोगे जिन्हे तुमने तोड डाला है ?

भिखारी . नही, एक दीनार भी नही। चली जाओ एस० जिरोनिमी ![1] अपने ठण्डे बिस्तरे पर जाकर गर्म कर लो अपने आपको।

यजमान-दारा : इसका इलाज मै जानती हूँ। मुझे नगर-पालक को बुलाकर लाना पड़ेगा।

[प्रस्थान]

भिखारी : तीसरे, चौथे, पॉचवे किसी भी नगर-पालक को बुला लाओ। मै कानून के द्वारा उसको जवाब दूंगा। मै एक इच भी इधर-उधर नही हिलूंगा। आने दो उसे बड़े शौक से।

---

१. S Jeronimy · ऐलिजाबेथ-युग के एक नाटककार 'किड' की रचना 'दी स्पेनिश ट्रेजेडी' में Hieronimy, beware, Go by, Go by आता है, उसी का विकृत रूप S Jeronimy Go by है। इसका प्रयोग केवल हास्य के लिये किया गया है।

[सो जाता है ।]

[शृंगी बजती है। एक लॉर्ड अपने कुत्तों के साथ शिकार से लौटता है।]

लॉर्ड : शिकारी ! मेरी आज्ञा है कि मेरे इन कुत्तो की देख-भाल अच्छी तरह किया करो। यह 'मेरी मैन' तो इतना कमजोर है कि मुँह से झाग डालने लगता है और इस गहरे मुँह वाले कुत्ते के साथ 'क्लाउडर' जोडा भी। क्या तुमने नही देखा कि 'सिल्वर' ने उस झुरमुट के कोने पर किस तरह अति क्षीण सुगन्धि को भी जान लिया था। इस कुत्ते को तो मै बीस पाउन्ड के बदले भी अपने से अलग नही होने दूँगा ।

पहला शिकारी : लेकिन स्वामी ! बैलमैन भी तो उतना ही अच्छा है। वह तो पूरी तरह मिटी हुई सुगन्धि को जानकर ही पुकार उठा था और आज दो वार उसने अति क्षीण सुगन्धि की ओर सकेत किया था। सच मानिये, मै तो उसे ही अच्छा कुत्ता समझता हूँ।

लॉर्ड : मूर्ख हो तुम तो । अगर 'ईको' इतना ही तेज होता तो मै उसको ऐसे एक दर्जन कुत्तों के बराबर मानता लेकिन देखना, उनको अच्छी तरह खाना खिलाओ और सभी की अच्छी देख-भाल करो। कल फिर मै शिकार खेलने जाऊँगा।

पहला शिकारी : जो आज्ञा, स्वामी ।

लॉर्ड : यह क्या है यहाँ ? यह मर गया है या नशे मे पडा है ? देखना, क्या इसकी साँस चल रही है ?

दूसरा शिकारी : जीवित है मेरे स्वामी ! अगर इसमे शराब की गरमी नही होती, तो इतनी ठडी जगह पर यह इस गहरी नीद मे नही सो सकता था ।

लॉर्ड : डरावना जानवर है, कैसे सूअर की तरह पड़ा हुआ है ! भयानक मृत्यु ! तेरी भी आकृति कितनी बुरी और घृणित

होती है ! शिकारियो ! नशे मे पडे इस आदमी से एक खेल खेलना चाहता हूँ मैं। क्या विचार है तुम्हारा, अगर इसको बिस्तरे पर सुला दिया जाये। अच्छे-अच्छे कपडो से इसके शरीर को ढक दिया जाये और इसकी उँगलियों मे अँगूठियां पहना दी जाये। बिस्तरे की वगल मे ही अच्छे स्वादिष्ट भोजन का प्रवन्ध कर दिया जाये और जब वह जागे तो सेवक उसके पास खड़े हों तो क्या यह सब कुछ देखकर यह भिखमगा अपने आपको भूल नही जायेगा ?

पहला शिकारी . सच मानिये स्वामी ! बस यही होगा इसके साथ।

दूसरा शिकारी : जब वह जागेगा तो उसको सब कुछ बडा विचित्र-सा लगेगा।

लॉर्ड : या तो उसे यह कोई मधुर स्वप्न-सा लगेगा या व्यर्थ कल्पना-मात्र ही दिखाई देगी । अच्छा, तो ले जाओ इसको और ठीक-तरह से इस मजाक को जमाओ। मेरे सबसे सुन्दर कमरे मे ले जाओ इसको, धीरे-धीरे सावधानी से ले जाना। उस कमरे को चारो तरफ से सुन्दर वासनामय चित्रो से सजा देना। फिर उसके गन्दे सिर को साफ गरम पानी से धो देना और कमरे की वायु को सुगन्धित करने के लिये सुगन्धित लकडी जला देना। जैसे ही वह जागे, उसी समय अत्यत मधुर सगीत की तरगे चारों ओर बिखर जानी चाहिएँ और वह कुछ कहना चाहे तो अपना सिर झुकाकर अत्यत विनीत स्वर मे पूछना—श्रीमान् की क्या आज्ञा है ? एक आदमी तो चाँदी के 'बेसिन' को उठाना; उसमें गुलावजल होना चाहिये जिसमे फूल भी पड़े हुए हो। दूसरा आदमी लोटा (Jug) और तीसरा अपने हाथ मे तौलिया ले ले, फिर उससे कहना—'क्या श्रीमान् अपने हाथ ठडे करेंगे ?' एक

आदमी बेशकीमती पोशाक लेकर तैयार रहना और उससे पूछना---'श्रीमान् कौन-सी पोशाक पहनेंगे।' एक दूसरा आदमी उसको उसके कुत्तो और घोडे की याद दिलाये और साथ मे कहे---'श्रीमान्! आपकी रुग्णावस्था पर आपकी श्रीमती अत्यत शोकग्रस्त रहती है।' उसको किसी तरह यह विश्वास दिला देना कि वह अभी तक पागल था और जब वह इस चीज को मान ले तो कहना कि यह तो उसका स्वप्न है। वह तो एक गौरव-शाली लॉर्ड है। बस, शिकारियो, इस काम को बड़ी होशियारी से कर डालो। अगर यह काम अच्छी तरह हो गया तो देखना इससे बड़ा मजाक दूसरा नही होगा।

पहला शिकारी : स्वामी! हम आपको विश्वास दिलाते है कि हम ठीक तरह अपना काम करेंगे और अपनी चतुराई से उसको यहाँ तक अपने वश मे कर लेंगे कि वह अपने बारे मे वही सोचेगा और विश्वास करेगा जो कुछ हम उससे कहेंगे।

लॉर्ड : तो इसे सावधानी से उठाकर बिस्तरे पर ले चलो और जब इसकी नींद खुले तो हरएक अपने-अपने काम को पूरा करे।

[स्लाइ को उठाकर लाया जाता है। शहनाई बजती है।]

देखना, यह शहनाई की कैसी आवाज है, लगता है, कोई सम्मानित व्यक्ति जो किसी यात्रा पर जा रहे है, यहाँ विश्राम के लिये ठहरेंगे।

[एक सेवक का प्रवेश]

क्यों? कौन है यह?

सेवक : स्वामी! कुछ अभिनेता आपकी सेवा मे उपस्थित हुए है।

[अभिनेताओं का प्रवेश]

लॉर्ड : उनको यहाँ बुलाओ।

अभिनेताओ! तुम्हारा स्वागत है।

अभिनेता : हम श्रीमान् को धन्यवाद देते हैं।

लॉर्ड क्या आज रात तुम्हारा मेरे यहाँ ठहरने का विचार है?

अभिनेता . श्रीमान् हमारी सेवा स्वीकार करे।

लॉर्ड अपने पूरे हृदय से। इस अभिनेता की तो अभी तक मुझे याद है, क्योकि एक बार इसी ने किसान के सबसे बडे पुत्र का अभिनय किया था। याद है, जब तुमने उस स्त्री के साथ प्रेम किया था? तुम्हारा नाम मैं भूल गया हूँ लेकिन सच, वह अभिनय तो तुमने अत्यंत स्वाभाविक रूप से किया था, फिर वह था भी तुम्हारे योग्य।

अभिनेता · शायद, श्रीमान् का तात्पर्य 'सोटो' से है।

लॉर्ड : हाँ, हाँ, वही तो। बडा ही अच्छा अभिनय किया था तुमने। बडे अच्छे समय पर तुम लोग मेरे पास आये हो। मेरे पास तुम्हारे लिये एक योजना है जिसमे तुम्हारे कौशल से मेरा बड़ा काम बनेगा। एक लॉर्ड आज रात को तुम्हारा खेल देखेंगे लेकिन मुझे तुम्हारे सयम और शिष्टाचार के विषय मे सदेह है, क्योकि उन लॉर्ड ने कभी भी इस तरह के खेल नही देखे है इसलिये कही ऐसा न हो कि उनका विचित्र व्यवहार देखकर तुम हँसने लग जाओ और इस तरह उनको अप्रसन्न कर दो। मैं पहले ही तुम्हें बताये देता हूँ कि अगर तुम थोडा भी मुस्करा दिये तो वे एक साथ क्रुद्ध हो जायेगे।

अभिनेता : आप किसी तरह की चिन्ता न करिये श्रीमान्! अगर वे दुनिया के बड़े से बड़े विदूपक भी होते तो भी हम अपने आपको सयम मे रख सकते थे।

लॉर्ड : सेवक! जाओ, इनको मद्यगृह मे ले जाओ और मैत्रीभाव से

प्रत्येक का स्वागत करो । देखना, हमारे यहाँ इनको किसी प्रकार का अभाव नही रहना चाहिये ।

[अभिनेताओं के साथ एक सेवक का प्रस्थान]

सेवक ! तुम मेरे अनुचर बारथोलम्यू के पास जाओ और उससे कहो कि वह एक औरत की-सी वेशभूषा बना ले । यह सब कुछ होने के बाद उसको उस नशेबाज के कमरे मे ले आना और उसको श्रीमती कहकर उसकी आज्ञा का पालन करना । मेरी ओर से उससे कह देना कि जैसे उच्च परिवार की स्त्रियाँ अपने पतियों के प्रति व्यवहार करती है, उसी प्रकार इस नशेबाज के प्रति उसे करना चाहिये । यदि यह सारा कार्य उसने अच्छी तरह से सम्पन्न कर दिया तो अवश्य मेरे प्रेम का पात्र बनेगा। उसे अत्यंत नम्र और धीमे स्वर मे विनीत भाव से कहना चाहिये— प्राणनाथ की क्या आज्ञा है जिससे आपकी प्रिया अपना कर्तव्य-पालन करती हुई अपने प्रेम का प्रदर्शन कर सके ? फिर वह उसके सीने से लिपट जाये, उसको उत्तेजित करने के लिये चुम्बन ले और उसके सीने पर अपना सिर रख दे । उससे यह भी कह देना कि वह यह दिखाता हुआ आँसू बहाने लग जाय कि पिछले सात सालों से जो स्वामी एक घृणित और गरीब भिखमगे की तरह फिरते रहे, उनको पूरी तरह स्वस्थ देखकर उसके हृदय मे हर्ष समा नही पा रहा है। और अगर उस लड़के को जी चाहे कभी भी आँसू बहाने की स्त्रियोचित देन नही है तो फिर इस काम के लिये प्याज अच्छा रहेगा जिसको रुमाल मे बन्द करके यदि आँख के पास ले जाया गया तो आँख से पानी निकलने लगेगा । जितनी जल्दी हो सके उतनी ही जल्दी इस काम को कर डालो, फिर

मेरी पीठ ही कपड़े है, टाँगे ही मोजे है और पैर ही जूते है। यहाँ तक कि कभी-कभी तो पैर दो है तो जूता एक ही रह जाता है और फिर जूते होते भी है तो ऐसे जिनमे होकर मेरी उँगलियाँ और अँगूठे बाहर निकले रहते है।

लॉर्ड : परमात्मा श्रीमान् के पागलपन को दूर करे! ओह! खेद है कि उच्च कुल मे पैदा हुए, ऐसे श्रेष्ठ पुरुष जिनके पास समृद्धि और सम्मान दोनो है, ऐसे दूषित प्रभाव मे रहे।

भिखारी . क्या, क्या तुम मुझे सचमुच पागल करना चाहते हो? क्या मै बर्टनहीथ के वृद्ध स्लाइ का पुत्र क्रिस्टोफर स्लाइ नहीं हूँ जो जन्म से एक फेरी वाला, अपनी शिक्षा से कार्ड बनाने वाला, और बाद मे एक रीछ पालने वाला, लेकिन अब मेरा व्यवसाय एक ठठेरे का है। विकट की मोटी पत्नी मरियन हेकिट से पूछ लो कि वह मुझे जानती है या नही। अगर वह कहे कि मै वह नही हूँ जिसके ऊपर उसका शराब के सिलसिले मे चौदह पैस का कर्जा चढा हुआ है तो फिर पूरे ईसाई जगत् मे मुझसे बढकर झूठा धूर्त किसीको मत समझना। मै पागल नही हूँ। यहाँ—

तीसरा सेवक : ओह! इसी कारण तो श्रीमती शोकग्रस्त है।

दूसरा सेवक · ओह! इसी कारण तो आपके सभी सेवक चिन्ता के कारण शिथिल हो गये है।

लॉर्ड : इसका परिणाम यह होता है कि आपके साथी और सम्बन्धी आपका यह विचित्र पागलपन देखकर आपके घर नही आते। ओह श्रीमान्! कम से कम अपने जन्म और कुल के बारे मे तो विचार करिये। पागलपन के इन दूषित विचारो को हटाकर

अपने आपको स्वाभाविक स्थिति मे लाइये और खोये हुए अपने पुराने गौरव को जगाइये। देखिये तो, किस तरह आपके सेवक आपकी कोई भी इच्छा पूर्ण करने के लिये अपने-अपने कार्य मे सन्नद्ध होकर खडे है। क्या आप गाना सुनेगे ? सुनिये, काव्य और सगीत का देवता ऐपोलो ही गा रहा है।

[सगीत]

सुनिये, पिजडे मे बन्द बीस कोयलों ने अपनी मधुर तान छेड दी है। क्या आप सोना चाहते है ? चलिये हम आपको उस मुलायम और खुशबू से भरे बिस्तरे पर ले चलते है जो ऐसीरिया की महारानी सैमीरेमिस के लिये बनाए गए स्वत ही कामोत्तेजना जगाने वाले बिस्तरे से कही अच्छा है। अगर आप घूमना चाहे तो हम जमीन पर कालीन बिछा दे, या अगर आपकी घुडसवारी करने की इच्छा है तो आज्ञा दीजिये, अभी आपके घोड़ो की पीठ पर स्वर्ण और मोतियो से सुसज्जित जीन कस दी जायेगी और उनको हर प्रकार से सुन्दर वस्त्रो से सुसज्जित कर दिया जायेगा। यदि आप बाज उड़ाना चाहे तो आपके पास इस तरह के बाज़ भी है जो प्रभात के पपीहे (Lark) से भी कही ऊँचे आकाश मे उड़ जायेगे। फिर यदि आप शिकार खेलने की इच्छा करे, तो आपके पास ऐसे अच्छे-अच्छे कुत्ते है जो एक बार तो चिल्लाकर आकाश और इस खोखली पृथ्वी को प्रतिध्वनित कर सकते है।

पहला सेवक . श्रीमान्, आज्ञा दीजिये कि आप शिकार पर जायेगे। आपके भूरे शिकारी कुत्ते हिरन से भी कही अधिक तेज भागने वाले है। तेज भागने वाले बारहसिगे से इनकी चाल किसी तरह कम नही है।

दूसरा सेवक : क्या आप चित्र पसन्द करते है ? हम आपके पास

'ऐडोनिस' का ऐसा चित्र ला सकते है कि वह बहते सोते के पास है, इसके अलावा पूरी तरह घास के बीच छिपी हुई साइथीरिया का चित्र ला सकते है जिसमें आप देखेंगे कि उसकी साँस से वह घास हिलती हुई दिखाई देती है, यहाँ तक कि चित्र में आप हवा के साथ घास को हिलता हुआ देख सकते है ।

लॉर्ड : हम आपको इओ का उसकी कौमार्य अवस्था का चित्र दिखायेगे। देव जूपीटर ने किस तरह उससे प्रेम और छल किया, यह सभी कुछ आप अति सजीवता के साथ उसमे चित्रित पायेगे।

तीसरा सेवक : या आपके सामने ऐसा चित्र उपस्थित करे जिसमे आप डैफ्ने को झाडियो से भरे जगल मे फिरते हुए देखे। काँटों से छिलते उसके पैरों का तो ऐसा सजीव चित्रण हुआ है कि उन्हें देखकर कोई भी निश्चयपूर्वक कह सकता है कि उनमे से खून बह रहा है। उसके आँसू और खून दोनों को इस कौशल के साथ चित्रित किया गया है कि उस दृश्य को देखकर तो दुःखी ऐपोलो भी रोने लगेगा।

लॉर्ड : आप एक लॉर्ड है, इसके विषय मे किसी प्रकार की शंका मत करिये। आपकी एक पत्नी भी है जो इस ढलती उम्र की किसी भी स्त्री से कही अधिक सुन्दर है।

पहला सेवक : जब तक आपके विरह मे बहाये आँसुओं ने उनके सुन्दर मुख की कान्ति को मिटाया नही था तब तक तो संसार मे उनके समान सुन्दर कोई दूसरा प्राणी था ही नही, लेकिन फिर भी वे किसीसे सौन्दर्य मे कम नही है।

भिखारी : क्या मै एक लार्ड हूँ और क्या सचमुच मेरी एक पत्नी है ? या यह सब कुछ स्वप्न है ? या यह कहूँ कि इस स्थिति से पहले की स्थिति स्वप्नवत् थी ? मै सोया तो नहीं हूँ; सभी कुछ देख

रहा हूँ, सुन रहा हूँ और बोल भी रहा हूँ। यहाँ बिखरी हुई सुगन्धि का मुझे अनुभव हो रहा है, छूकर देखता हूँ तो मुलायम चीजो का अनुभव होता है। सच, मै निस्सदेह एक लॉर्ड हूँ। कौन कहता है कि मै क्रिस्टोफर स्लाइ नाम का ठठेरा हूँ। अच्छा तो अब हमारी पत्नी को हमारे पास लाओ, और फिर थोड़ी शराब हमे दे दो।

दूसरा सेवक : क्या श्रीमान् अपने हाथ धोयेंगे ? ओह ! आपको अपनी स्वाभाविक स्थिति मे पाकर हमे कितनी प्रसन्नता हो रही है ! इन पन्द्रह सालो तक आप एक स्वप्न-से मे डूबे रहे थे, उससे जब कभी भी आप जागे थे तो वह भी इस तरह जागे थे मानो सो ही रहे हो। आज आपने अपने आपको पहचान लिया है, सच इससे बढकर और प्रसन्नता की बात क्या होगी ?

भिखारी : सच, इन पन्द्रह सालो तक मै किसी गहरी नीद मे था लेकिन क्या मैं उस पूरे समय के भीतर कभी भी कुछ नही बोला था ?

पहला सेवक · अवश्य बोले थे स्वामी ! लेकिन कुछ बड़े निरर्थक-से शब्द ही आपके मुँह से निकले थे क्योकि यद्यपि आप इस शानदार कमरे मे विश्राम कर रहे थे लेकिन कहते थे कि आपको पीटकर दरवाजे से बाहर निकाल दिया गया था, और इसी बात पर आप गृहस्वामिनी से क्रोधावेश मे आकर कहते थे कि आप उनको न्यायालय के सामने उपस्थित करेगे क्योकि वे सीलबन्द बर्तन न लाकर कुछ पत्थर के लोटे ले आई थी। कभी-कभी आप सिसली हैकेट को पुकारने लगते थे।

भिखारी : हाँ, हाँ, वही जो इस घर की परिचारिका है।

तीसरा सेवक · लेकिन श्रीमान् ! आप न तो किसी घर को जानते है और न किसी ऐसी परिचारिका को और न ऐसे आदमियों को

जिनका नाम आपने लिया है जैसे स्टिफन स्लाइ, ग्रीस के वृद्ध जोन नैप्स, पीटर टर्फ, हेनरी पिम्परनैल आदि इसी तरह के बीसो नाम और है। श्रीमान्! आज तक कभी न तो किसीने इन आदमियो को देखा और न कभी इन लोगों ने इस पृथ्वी पर जन्म लिया।

भिखारी: परमात्मा को धन्यवाद है कि उसकी कृपा से मैं अपनी पूर्व स्वाभाविक स्थिति मे आ गया।

सभी: आमीन!

भिखारी: मैं इसके लिये तुम्हे धन्यवाद देता हूँ। इससे तुम्हारा लाभ ही होगा।

[गृह-स्वामिनी का परिचारिकाओं के साथ प्रवेश]

गृह-स्वामिनी: कैसे है आप, मेरे श्रेष्ठ स्वामी?

भिखारी: अच्छा हूँ क्योकि यहाँ चारो ओर प्रसन्नता की पर्याप्त सामग्री है। मेरी पत्नी कहाँ है?

गृह-स्वामिनी: यही तो हैं स्वामी! कहिये उसके लिये आपकी क्या आज्ञा है?

भिखारी: क्या तुम मेरी पत्नी हो? तो फिर मुझे पति कह कर क्यों नही पुकारती। स्वामी कहकर तो मेरे सेवक मुझे पुकारते है। मै तो तुम्हारा पति हूँ।

गृह-स्वामिनी: मेरे प्राणनाथ और मेरे स्वामी, मेरे स्वामी और पति, मै सदा आपकी आज्ञा मे रहने वाली आपकी पत्नी हूँ।

भिखारी: मै अच्छी तरह जानता हूँ। इन्हे क्या कहकर पुकारना चाहिये मुझे?

लॉर्ड: श्रीमती।

भिखारी: ऐल्सी श्रीमती या जोन श्रीमती।

लॉर्ड · श्रीमती के सिवाय और कुछ भी नही। इसी तरह लॉर्ड अपनी पत्नियो को सम्बोधित करते है।

भिखारी श्रीमती पत्नी ! सभी लोग कहते है कि मै पन्द्रह साल या इससे भी अधिक समय के बीच सोता हुआ स्वप्न देखता रहा था।

गृह-स्वामिनी ठीक है प्राणनाथ ! इस बीच आपके विरह मे ये पन्द्रह साल मुझे तीस साल के बराबर लगे थे।

भिखारी · बस काफी है, सेवको ! हमे अकेला छोडकर यहाँ से चले जाओ।

श्रीमती ! कपडे उतार कर आइये, मेरे बिस्तरे पर आराम कर लीजिये।

गृह-स्वामिनी · श्रेष्ठ स्वामी ! एक या दो रात के लिये अभी मुझे क्षमा कर दे, मैं आपसे तीन बार प्रार्थना करती हूँ। यदि आपको यह स्वीकार न हो तो सूर्यास्त तक तो मुझसे इस प्रकार का आग्रह मत करिये क्योकि आपके चिकित्सको ने इस डर से कि आपको फिर यह बीमारी न लग जाय, मुझे विशेष रूप से यह आज्ञा दी है कि मै अभी आपके साथ सहवास न करूं। मै आशा करती हूँ, मेरे मना करने के पीछे यह पर्याप्त कारण है।

भिखारी हाँ, हाँ, यह तो ठीक है, पर मै इतनी देर तक तो मुश्किल से ही ठहर पाऊँगा, लेकिन अवश्य ठहरूँगा मै, चाहे कितने भी वेग से कामोत्तेजना मेरे अन्दर जाग रही है, क्योकि मै फिर अपने उस पागलपन मे गिरना नही चाहता।

[एक सन्देशवाहक का प्रवेश]

सन्देशवाहक · श्रीमान् ! आपके अभिनेता आपकी स्वस्थ अवस्था के बारे मे सुनकर एक बडा ही अच्छा दिलचस्प सुखान्त नाटक खेलने के लिये आये है, क्योकि आपके चिकित्सको ने इसे आपके

लिये लाभदायक बताया है।

अपार दु.ख ने आपके रक्त तक को जमा दिया है, फिर दुःख तो पागलपन का और पोषण करता है इसीलिये उनका विचार है कि आपके लिये कोई नाटक देखना और उससे अपने हृदय को प्रसन्न करना इस परिस्थिति मे बड़ा ही अच्छा रहेगा। इससे हजारों तरह की व्याधियाँ दूर हो जाती हैं और आयु बढती है।

भिखारी : तो ठीक है, मैं उनका नाटक देखूँगा। लेकिन, यह कोई चौबोलेबाजी या किसी तरह का चक्करदार खेल या कोई वैसे ही क्रिसमस का मजाक तो नही है ?

गृह-स्वामिनी : जी नही, मेरे स्वामी ! यह तो बड़ी ही दिलचस्प चीज है।

भिखारी : क्या, घर-गिरस्ती की चीज ?[1]

गृह-स्वामिनी : एक तरह का इतिहास है यह।

भिखारी : अच्छा, हम अवश्य देखेंगे उसे।

श्रीमती पत्नी ! मेरे पास आकर बैठो न। मरने दो दुनिया को। आये मौके को कभी नही छोड़ना चाहिये।

---

१. Stuff : चीज; इस शब्द पर पन का प्रयोग किया गया है। गृह-स्वामिनी तो Pleasing stuff कहती है, लेकिन भिखारी उसे ही Household stuff कहकर हास्य का वातावरण पैदा करता है।

पहला अंक

दृश्य १

[तुरही बजती है। ल्यूसैंशियो का अपने सेवक ट्रैनियो के साथ प्रवेश]

ल्यूसैंशियो . ट्रैनियो ! विभिन्न कलाओ के पोपण करने वाले इस भव्य पैडुआ को देखने की मेरी उत्कट इच्छा थी, अब मैं इस महान् देश इटली की फलो से आच्छादित सुन्दर वाटिका लोम्बार्डी को देखने के लिये आ पहुँचा हूँ। इसके लिये मुझे पिता की आज्ञा प्राप्त है इसलिये उनकी सदिच्छा और स्नेह तथा तुम जैसे मेरे श्रेष्ठ और विश्वासपात्र सेवक का साथ भी मुझे प्राप्त है। आओ, यहाँ ठहरकर हम कुछ सीखे और उस ज्ञान का सचय करे जो मानवीय कलाओ में निहित होता है। वह पीसा जहाँ अधिकतर गम्भीर प्रवृत्ति के लोग रहते है, मेरी जन्मभूमि है। वही मेरे पिता ने ससार के एक समृद्ध व्यापारी की ख्याति प्राप्त की थी। मेरे पिता विंसैंशियो की जन्मभूमि बेंटीवोलिआई थी लेकिन मेरा पालन-पोषण फ्लोरेंस मे हुआ, अब मेरी सारी आशायें तभी पूरी हो सकती है जब मै पुण्य-कार्यो से अपने भाग्य को समृद्ध करूँ। इसीलिये ट्रैनियो ! जितने समय तक मै अध्ययन करूँगा, पुण्य और पवित्रता के उस दर्शन का प्रयोग करूँगा, जो मनुष्य के सुख से सम्बन्धित है, और विशेष रूप से जिसकी प्राप्ति पुण्य से ही हो सकती है। बताओ, तुम्हारा क्या विचार है क्योकि मैं पीसा को छोड़कर पैडुआ इस तरह आ गया हूँ जैसे एक व्यक्ति उथले दलदल से निकलकर गहरे पानी मे कूदने के

लिये आ जाय और तृप्ति से अपनी प्यास बुझाने की चेष्टा करे।

ट्रैनियो : मेरे श्रेष्ठ स्वामी! आपका जैसा विचार है वैसा ही मेरा है। मुझे प्रसन्नता है कि आप इस श्रेष्ठ दर्शन की श्रेष्ठताओ को आत्मसात करना चाहते है, लेकिन स्वामी, इतना अवश्य कहता हूँ कि जब हम किसी विशेष नैतिकता या गुण की प्रशसा करे तो हमको न तो बिलकुल वीतरागी हो जाना चाहिये और न अपनी विचारशक्ति पर प्रतिबन्ध लगाना चाहिये। ऐरिस्टौटिल के नैतिक प्रतिबन्धों के प्रति इस प्रकार का अन्ध विश्वास नही कर लेना चाहिये कि फिर प्रेम के गीत लिखने वाले ओविड को हम उपेक्षा की दृष्टि से देखने लगें। अपने प्रसन्नचित्त मित्रों पर अपने तर्क का प्रयोग करिये और साधारण बातचीतो मे अपनी वाक्पटुता दिखाइये। स्वय को प्रेरणा और स्फूर्ति देने के लिए सगीत और काव्य का प्रयोग करिये। गणित और अध्यात्म-विद्या की ओर तभी उन्मुख होइये जब आपका स्वास्थ्य आपका साथ दे। जिस वस्तु से कोई आनन्द प्राप्त नही होता, उससे किसी प्रकार का लाभ भी नही मिलता है। एक ही शब्द मे कह देता हूँ श्रीमान्! अध्ययन उस विषय का करिये जिसके प्रति आपकी सबसे अधिक रुचि हो।

ल्यूसेंशियो परमात्मा बचाये, ट्रैनियो! तुम ठीक सम्मति देते हो। अगर बॉइडैलो यहाँ आ जाता तो हमारे ठहरने के लिए किसी ऐसे अच्छे स्थान का प्रबन्ध हो जाता जहाँ हम अपने उन मित्रों का स्वागत करेंगे जो पैडुआ के हमारे निवास-काल मे पैदा होगे। ठहरो थोड़ा, ये कौन आ रहे है?

ट्रैनियो : स्वामी! इस नगर मे हमारा स्वागत करने का ही यह कोई आयोजन दीख पड़ता है।

[बैप्टिस्टा का अपनी दोनो पुत्रियो कैथरिना तथा बियाका के साथ प्रवेश । विदूषक ग्रेमियो तथा हौर्टेंशियो भी साथ है । ल्यूसेंशियो और ट्रेनियो हटकर खड़े हो जाते है ।]

बैप्टिस्टा श्रीमान् ! आप लोग अब मुझे अधिक दबाये नही क्योकि जो दृढ निश्चय मैने कर लिया है उससे आप सभी परिचित है। मेरा निश्चय है कि जब तक मेरी बड़ी लड़की के लिये कोई वर नही मिल जायेगा तब तक मै अपनी छोटी लडकी का हाथ किसी के हाथ मे नही दूंगा। मै आप दोनो को अच्छी तरह जानता हूँ और आपके प्रति मेरा स्नेह भी है, इसलिये कहता हूँ कि जो कोई आपमे से कैथरिना को प्यार करते हो, मै सहर्ष उसका विवाह आपके साथ करके आपकी इच्छा को पूर्ण करूँगा।

ग्रेमियो अरे उस चुडैल की तो पिटाई होनी चाहिये। मेरे लिये तो वह बहुत ही बुरी है।

हौर्टेंशियो ! सुनो, क्या तुम्हे किसी पत्नी की चाह है ?

केटे श्रीमान् ! क्या इन बेवकूफो[1] को फँसाने के लिये मुझे एक जाल के रूप मे प्रयुक्त करने की आपकी इच्छा है ?

हौर्टेंशियो . तुम्हारे लिये वर श्रीमती ! यह मतलब कैसे लगा लिया आपने ? जब तक आप इसी तरह कर्कशा बनी रहेगी तब तक कोई भी वर आपको नही मिल सकता।

केटे . ठीक कहते है आप श्रीमान् ! आपको इससे कभी भी भयभीत होने की आवश्यकता नही होगी। काश, ऐसा विचार कभी मेरे

---

१. Mates इस शब्द के दो अर्थ है। बेवकूफ यानी निम्न कोटि का व्यक्ति और दूसरा अर्थ है, वर। हौर्टेंशियो इसी शब्द पर पन का प्रयोग करता है और सफलतापूर्वक केटे की कठोर बात का उत्तर दे देता है। हमने भावार्थ की ओर ही विशेष ध्यान रखा है।

हृदय के पास तक न आये और कही अगर ऐसा हो गया तो इसमे किसी प्रकार का सन्देह मत करिये श्रीमान्, कि मै तिपाई से आपके सिर के बाल सँवारूँगी और आपके चेहरे को रगकर आपसे एक गधे की तरह काम लूँगी ।

हौर्टेंशियो परमात्मा ! ऐसी चुड़ैलो से मुझे बचाना ।

ग्रेमियो : और मुझे भी मेरे अच्छे परमात्मा ।

ट्रेनियो : यहाँ तो बड़े मनोरंजन की सामग्री उपस्थित है स्वामी ! वह देखिये, वह स्त्री पूरी तरह पागल मालूम देती है । बहुत अधिक चिड़चिड़े स्वभाव की लगती है ।

ल्यूसेंशियो . लेकिन दूसरी को शान्त देखकर मुझे लगता है कि वह अत्यत ही नम्र और गम्भीर प्रकृति की है । ठहरो ट्रेनियो !

ट्रेनियो : ठीक कहा आपने स्वामी ! अब शान्त रहकर, एक बार निगाह भरकर देख लीजिये आप उसे ।

बैप्टिस्टा : श्रीमान् ! जो निश्चय मैंने किया है उसको पूरा करने के लिये मै बियाका को आज्ञा देता हूँ कि वह अन्दर चली जाये ।

मेरी बेटी बियांका ! इसका बुरा न मानना क्योकि मेरा स्नेह तुम्हारे प्रति कभी कम थोड़े ही हो सकता है ।

केटे : खूब बहलाया । यह तो अच्छी तरह से आँख में उँगली करना हुआ और उस समय जबकि वह इसके कारण से परिचित थी ।

बियांका : बहिन, मेरा विक्षोभ देखकर स्वय सतोष कर लो । पिता ! मै आपकी आज्ञा का सहर्ष पालन करती हूँ । अब मेरी पुस्तके मेरी सहयोगिनी होंगी जिन्हें मै एकान्त मे पढा करूँगी और अपने वाद्ययन्त्रो को वजाकर अपना मन बहलाया करूँगी ।

ल्यूसेंशियो . सुनो ट्रेनियो ! काव्य और संगीत की देवी मिनर्वा के शब्दो को सुनो ।

हौर्टेशियो : श्रीमान् वैप्टिस्टा ! क्या आप ऐसा विचित्र व्यवहार भी कर सकते हैं ? मुझे वडा दु ख है कि हमारी सदिच्छा के रहते हुए वियाका को इतना दु.ख सहना पड रहा है।

ग्रेमियो . श्रीमान् वैप्टिस्टा ! क्या आप नरक की इस पिशाचिनी के पीछे उसको अन्दर वन्द करके इसकी कर्कश वाणी के लिये पश्चात्ताप करने को वाध्य करेंगे ?

बैप्टिस्टा : श्रीमान्, आप शान्त रहिये। मेरा ऐसा ही निश्चय है।

[वियांका का प्रस्थान]

वियाका ! अन्दर चली जाओ। मैं यह जानता हूँ कि मेरी वेटी सगीत तथा काव्य आदि मे विशेष रुचि रखती है इसलिये मैं अपने घर पर ही उसके लिये ऐसे अध्यापको की व्यवस्था कर दूंगा जो उसकी यौवनावस्था में उसको पढाने के योग्य होंगे। हौर्टेंशियो या आप ग्रेमियो, किसी ऐसे आदमी को जानते हों तो उसको यहाँ भेज दीजिये। चतुर आदमियो के प्रति मैं स्नेहपूर्ण व्यवहार रखूंगा और अपनी वच्चियो के प्रति उदार रहूँगा जिस से उनका अच्छा विकास हो।

अच्छा, विदा ! कैथरिना ! तुम यहाँ ठहर सकती हो क्योकि मुझे अभी वियाका से कुछ और कहना है।

[प्रस्थान]

केटे : क्यो, मेरा विश्वास है, मैं भी जा सकती हूँ। क्या नही जा सकती ? क्या मेरे साथ भी इसी तरह समय निश्चित किया जायेगा जैसे कि मानो मैं यह जानती न होऊँ कि क्या ले जाना है और क्या छोड़ जाना है ? हा—

[प्रस्थान]

ग्रेमियो : शैतान की माँ के पास जाओ तुम तो। तुम्हारे अन्दर इतने

गुण है कि यहाँ तो कोई भी तुम्हारे योग्य है नही।

हौर्टेशियो! जहाँ तक उसके प्रेम का प्रश्न है, उसको तो हमारी तनिक भी परवाह नही है लेकिन हम ही अपनी ओर से प्रयत्न करके अपने हृदय मे उत्साह और प्रेरणा भरते है। इस तरह हमारी रोटी तो दोनो ही तरफ से कच्ची है। अच्छा, विदा। फिर भी जो प्रेम मेरे हृदय मे मेरी प्यारी बियाका के लिए है, उसी के नाते यदि किसी तरह मुझे कोई ऐसा योग्य व्यक्ति मिल गया जो उसको उन कलाओ को सिखा सका जिनके प्रति उसकी रुचि है, तो मै अवश्य उसे उसके पिता के पास पहुँचाऊँगा।

हौटशियो. ऐसा ही मै करूँगा श्रीमान् ग्रेमियो! लेकिन एक बात सुनिये। यद्यपि हमने अपनी पारस्परिक स्पर्धा के सम्बन्ध मे कभी भी आपस मे बाते नही की है फिर भी आप यह समझ लीजिये कि यह झगडा हम दोनों से सम्बन्ध रखता है। हो सकता है फिर हमे अपनी प्यारी बियाका के पास आने का अवसर प्राप्त हो, उस समय हम एक दूसरे के प्रतिरोधी होकर बियाका के प्रेम को जीतने की चेष्टा करेगे, लेकिन उसके साथ एक बात का ध्यान पहले रखना चाहिये।

ग्रेमियो : वह क्या?

हौर्टेशियो : यही कि उसकी बहिन के लिये हमे कोई वर ढूंढना चाहिये।

ग्रेमियो : कोई वर यानी कोई शैतान।

हौर्टेशियो : मै कहता हूँ, कोई वर।

ग्रेमियो : लेकिन मै कहता हूँ, शैतान।

हौर्टेशियो! यद्यपि उसका पिता धनी है लेकिन फिर भी क्या आप किसीको इतना मूर्ख समझते है कि वह इस नारकीय पिशाचिनी से विवाह करने को तैयार होगा?

हौर्टेशियो रहने दीजिये। यह ठीक है कि उसकी कर्कश वाणी और कटु बातो को हम अपना धैर्य रखकर नही सुन सकते लेकिन इस ससार मे ऐसे भी लोग है जो इसकी तरफ विशेष ध्यान न देकर उसके सभी दुर्गुणो के होते हुए भी पर्याप्त धन लेकर उसके साथ विवाह कर लेगे।

ग्रेमियो मै तो नही कह सकता लेकिन इसके साथ दिये जाने वाले सारे दहेज को मै तो एक ही शर्त पर ले सकता हूँ कि हरएक सुबह बड़े चौराहे पर इसके कोडे लगाये जाये।

हौर्टेशियो · ठीक है जैसा आप कहते है, लेकिन सड़े हुए सेबो में पसन्द करने की कम गुँजायश होती है। आओ, बियाका के पिता के दृढ निश्चय के रूप मे जो बाधा हमारे बीच मे आ गई है, उसने हमे आपस मे मित्र बना दिया है। आगे भी यह मित्रता इसी प्रकार चलती रहेगी। हम किसी भी तरह बैप्टिस्टा की बड़ी लडकी के लिये कोई पति ढूँढेगे और इस तरह बियाका के विवाह के मार्ग मे जो बाधा है, उसे दूर करके अपना प्रेम-व्यापार फिर आरम्भ करेगे।

प्यारी बियांका! सौभाग्यशाली व्यक्ति इस पुरस्कार को प्राप्त करे, वह व्यक्ति जो इस दौड मे सबसे तेज भागकर विवाह की अँगूठी को प्राप्त कर ले। आपका क्या विचार है श्रीमान् ग्रेमियो ?

ग्रेमियो . मुझे यह स्वीकार है। मै तो सच यह चाहता हूँ कि मै उस व्यक्ति को जो उसके साथ प्रेमालाप प्रारम्भ करके पूरी तरह उससे शादी कर ले और उसके साथ सहवास करके किसी तरह इस घर को उससे मुक्त कर दे, पैडुआ का अच्छे से अच्छा घोड़ा इनाम मे दूं।

[ग्रेमियो तथा हौर्टेशियो का प्रस्थान]

[ट्रैनियो और ल्यूसेंशियो वहीं रह जाते हैं।]

ट्रैनियो : मुझे बताइये श्रीमान्, क्या यह सम्भव है कि प्रेम एकाएक ही किसी पर अपना इतना अधिकार जमा ले ?

ल्यूसेंशियो : हाँ, अब जब मैंने इसको सच होता देख लिया है। इससे पहले तो मैंने भी कभी इसको सम्भव नही समझा ट्रैनियो ! लेकिन देखो, मै उसकी ओर देखता हुआ पूरी तरह निष्क्रिय बना खड़ा रहा, तभी इस निष्क्रियता मे मैंने प्रेम का प्रभाव देखा और अब मैं तुम्हारे सामने यह स्पष्ट रूप से स्वीकार करता हूँ ट्रैनियो, कि मै उसके विरह मे जल रहा हूँ, मेरी आत्मा तड़प रही है। यदि मै इस सुन्दरी और सुशील युवती को नही प्राप्त कर सका तो मेरा जीवन नष्ट हो जायेगा। ट्रैनियो ! मुझे कुछ सलाह दो इस सम्बन्ध मे क्योकि मै जानता हूँ, तुम दे सकते हो। मेरी सहायता करो ट्रैनियो, मुझे तुम्हारा भरोसा है। तुम मेरे उतने ही प्यारे और विश्वसनीय मित्र हो जितनी कार्थेज की रानी की ऐना[1] थी।

ट्रैनियो . स्वामी ! अब आपका विरोध करने का यह समय नही है, फिर विरोध करने या बुरा कहने से आप किसी के हृदय से इस प्रेम के प्रभाव को नहीं हटा सकते। अगर प्रेम ने आपको अपने वश मे कर लिया है तो यह समझ लीजिये कि कोई भी चीज सदा एक-सी स्थिति मे कभी नही रहती, इसलिए जितनी आसानी से हो सके अपने आपको इस बन्धन से मुक्त कर लीजिये।

ल्यूसेंशियो : परमात्मा बचाये ट्रैनियो ! आगे कहो, इससे मुझे सतोष

---

१. Anna : कार्थेज की रानी डीडो की बहिन जो उसके जीवन के गुप्त रहस्यों मे भाग लेती थी।

मिलता है, इसी तरह आगे की बात से भी मिलेगा क्योंकि तुम्हारी सलाह पूरी तरह ठोस है ।

ट्रेनियो : स्वामी ! आप काफी देर तक उस युवती की तरफ देखते रहे थे, शायद आपने सबसे अधिक महत्वपूर्ण बात को नही देखा ।

ल्यूसैंशियो : क्यो नही, मैने उसके चेहरे पर उस एजिनर की पुत्री का-सा अपूर्व सौन्दर्य देखा जिसके कारण स्वय देव जूपीटर को वृषभ का रूप धारण करके क्रीट की भूमि पर घुटनों के बल खडे होकर उस सुन्दरी की विनती करनी पडी थी ।

ट्रेनियो इसके अलावा आपने और कुछ नही देखा ? क्या आपने नही देखा कि किस तरह उसकी बहिन ने चिल्लाकर एक तूफान-सा मचा डाला था, जिसको साधारण मनुष्य के कान तो मुश्किल से ही बरदाश्त कर सकते है ?

ल्यूसैंशियो : ट्रेनियो ! मैने तो मूंगे जैसे उसके लाल ओठो को हिलते हुए देखा था । उसने अपनी श्वास से वायु को मधुर और सुगन्धित कर दिया था, यही सब कुछ मैने देखा था ।

ट्रेनियो : तब तो इस बेहोशी से आपको जगाने का यह उचित समय है । जागिये श्रीमान् ! अगर आप उस युवती से प्रेम करते है तो फिर अपने विचार और बुद्धि को सतुलित करके उसको प्राप्त करने का निश्चय कर लीजिये । मूल बात यह है कि उसकी बडी बहिन बडी ही कुटिल और दुष्टा है, इसलिये जब तक उसके पिता को उसके लिये वर नही मिल जायेगा तब तक श्रीमान् आपका प्रेम कँवारी कन्या की तरह अपने घर ही रहेगा । यही कारण है कि उसके पिता ने उसको अन्दर बन्द कर दिया है क्योंकि इस तरह नित आते प्रेमियो से उसका चित्त परेशान तो नही होगा ।

ल्यूसैंशियो : आह ट्रैनियो ! कैसा क्रूर है वह पिता ! लेकिन क्या तुमने यह नही सुना है कि उसका पिता उस युवती को कलाओं की शिक्षा देने के लिये किन्ही अध्यापकों की खोज मे है ?

ट्रैनियो : अवश्य श्रीमान् ! और इसके लिये मैने एक योजना तैयार की है ।

ल्यूसैंशियो : मैने भी की है ट्रैनियो !

ट्रैनियो : स्वामी ! मेरे विचार से आपकी और मेरी दोनो की योजनाएँ एक मे ही मिल जायेगी ।

ल्यूसैंशियो : अच्छा, तो पहले तुम अपनी योजना बताओ ।

ट्रैनियो : आप एक अध्यापक बनकर उस युवती को पढाने का काम अपने हाथ मे लेगे । यही आपकी योजना है न ?

ल्यूसैंशियो : यही है ट्रैनियो ! लेकिन काश, ऐसा हो !

ट्रैनियो : यह सम्भव नही है क्योकि यहाँ पैडुआ मे आपके स्थान पर विसैंशियो का पुत्र कौन बनेगा ? कौन उसी तरह घर रखकर आपकी तरह मित्रो का स्वागत करना, देशवासियो से मिलना, उनको दावत देना, यह सब कुछ कुशलतापूर्वक करेगा ?

ल्यूसैंशियो . बस, अब तुम धैर्य रखो क्योकि सारी योजना मेरे दिमाग मे बैठ गई है । अभी तक हम न तो किसीके घर गए है और न हमारी शक्ल-सूरत से कोई हमे पहचानता है कि कौन तो स्वामी है और कौन सेवक है। इसलिये अब योजना इस तरह बनी है— तुम तो मेरे स्थान पर स्वामी बन जाओगे और जिस प्रकार मै घर का स्वामी हूँ, अब तुम हो जाओगे, इसी तरह मेरे सेवकों पर तुम्हारा अधिकार होगा और तुम मेरी-सी ही वेशभूषा अपनी कर लोगे, मै अपना रूप बदल लूंगा । या तो मै कोई फ्लोरेंस निवासी हो जाऊँगा या नेपिल्स-निवासी या पीसा का निम्न वर्ग

का व्यक्ति बन जाऊँगा। बस इतने विचार के बाद यह योजना निकली, और अब यही होगा। ट्रेनियो! तुरन्त अपनी वेशभूषा बदल डालो। मेरा यह रगीन टोप और चोगा ले लो। जब बॉइडैलो आयेगा तो वह तुम्हारा परिचारक होगा लेकिन इससे पहले मुझे उसकी जबान थामनी पडेगी।

ट्रेनियो : इसकी तो आवश्यकता होगी। सक्षेप मे बात यह है श्रीमान्! कि जब आपकी यही इच्छा है तो मै तो सदा आपकी आज्ञा पालन करने की शपथ ले चुका हूँ। बिछुडते समय आपके पिता ने मुझे यही आज्ञा दी कि मै आपकी सेवा करूँ, यद्यपि उनका तात्पर्य कुछ दूसरा ही था। ठीक है। मै ल्यूसैंशियो बनने के लिये तैयार हूँ क्योकि ल्यूसैशियो के प्रति मेरे हृदय मे श्रद्धा और प्रेम है।

ल्यूसैशियो : ऐसा ही करो ट्रेनियो! क्योकि ल्यूसैशियो भी प्रेम करता है। उस सुन्दरी को प्राप्त करने के लिये जिसकी अकस्मात् दृष्टि ने मेरी दृष्टि को घायल करके अपना दास बना लिया है, मुझे एक निम्न दास बन जाने दो।

[बॉइंडैलो का प्रवेश]

वह बदमाश तो यहाँ आ पहुँचा। क्यो, अब तक कहाँ थे तुम?

बॉइंडैलो : कहाँ था मै? यह क्या, आप कहाॅ है? स्वामी! क्या इस ट्रेनियो ने आपके कपडे चुरा लिये है या आपने इसके चुरा लिये है, या दोनो ने ही एक-दूसरे के कपडे चुरा लिये है? बताइये, बात क्या है?

ल्यूसैशियो · सुनो मूर्ख! यह समय हँसी-मजाक करने का नही है, इसलिये समय के अनुसार अपना व्यवहार बदल लो। मेरी जीवन-रक्षा के लिये ही ट्रेनियो ने मेरी वेशभूषा धारण कर ली

है और किसी तरह बचकर निकल जाने के लिये मैने उसके वेश मे अपने आपको छिपा लिया है। यहाँ आने पर मेरा किसीसे झगड़ा हो गया था, उसमे मैने एक आदमी को मार दिया था। पकड़े जाने के डर से ही मैने यह सब कुछ किया है। इसीलिए मेरी आज्ञा मानकर तुम ट्रेनियो को ही अपना स्वामी समझकर उसकी आज्ञा का पालन करो और मै अपनी जान बचाने के लिये यहाँ से भागता हूँ। समझ गये न ?

बॉइंडैलो : रत्ती भर भी इधर से उधर नही होगा श्रीमान् !

ल्यूसैंशियो : जबान पर ट्रेनियो का नाम या जिक्र तनिक भी नही आना चाहिये क्योकि ट्रेनियो तो अब ल्यूसैशियो बन गया है।

बॉइंडैलो : और भी अच्छा है उसके लिए । काश ! मेरा भी ऐसा ही भाग्य होता !

ट्रेनियो : बॉइडैलो ! काश ! इसके बाद की भी इच्छा पूर्ण हो जाये कि ल्यूसैंशियो को वास्तव मे बैप्टिस्टा की छोटी पुत्री प्राप्त हो जाये। लेकिन तुम सुन लो, अपने लिए नही बल्कि अपने स्वामी के हित के लिये कहता हूँ कि परिस्थिति देखकर जैसा उचित हो उसी प्रकार का कुशल व्यवहार किया करो। जब मै अकेला हूँ तव तो मै ट्रेनियो ही हूँ, लेकिन दूसरों के सामने अन्य स्थानों पर तुम्हारा स्वामी ल्यूसैशियो हूँ।

ल्यूसैशियो : ट्रेनियो ! आओ चले। एक बात का और ध्यान रखना कि तुम्हे इन प्रेमियो के बीच एक प्रेमी बनना है। तुम पूछोगे क्यो ? तो इसके लिये इतना ही पर्याप्त है कि मै किसी ठोस और बडे कारण से ही तुमसे यह बात कह रहा हूँ।

[प्रस्थान]

[नाटक प्रस्तुतकर्ता ऊपर से बोलते है।]

पहला सेवक : स्वामी! आप सिर हिला रहे है । आपको यह नाटक अच्छा लगा न ?

भिखारी : सेन्ट ऐने की शपथ खाकर कहता हूँ, बडा अच्छा खेल है। क्या अभी और होगा ?

गृह-स्वामिनी : मेरे स्वामी ! अभी तो इसका प्रारम्भ हुआ है ।

भिखारी : श्रीमती पत्नी ! यह तो बड़ा ही अच्छा नाटक है। काश ! यह पूरा हो जाये !

[वे बैठकर देखते है ।]

दृश्य २

[पैंट्रूशियो तथा उसके सेवक ग्रूमियो का प्रवेश]

पैंट्रूशियो : वेरोना ! मैं तुझे छोडकर अपने मित्रो से मिलने पैडुआ को जाता हूँ । मेरा सबसे अधिक अभिन्न और प्रिय मित्र हौर्टेशियो है, सम्भवतया यही उसका घर है। ग्रूमियो ! जाकर खटखटाना।

ग्रूमियो : खटखटाना श्रीमान् ? किसको खटखटाऊँ? क्या किसी आदमी ने श्रीमान् को गाली दी है ?

पैंट्रूशियो : धूर्त, मै कहता हूँ कि यहाँ जोर से खटखटा ।

ग्रूमियो : क्या आपको खटखटाऊँ श्रीमान् ? क्यों ? मै कौन हूँ श्रीमान् जो आपको यहाँ खटखटाऊँ ?

पैंट्रूशियो : बदमाश, कमीने मै कहता हूँ मुझको इस दरवाजे पर खटखटाओ और जोर से शोर मचाते हुए खटखटाओ नही तो मैं फिर तुम्हारे सिर को खटखटाऊँगा धूर्त !

ग्रूमियो : मेरे स्वामी तो झगडा करने पर उतारू हो गए है । मै पहले आपको खटखटाऊँ, फिर बाद मे मै जानता हूँ कि सबसे बुरी हालत किसकी बनेगी ।

पैट्रूशियो : क्या तुम नही खटखटाओगे ? तो फिर मै अब तुम्हे बजाता हूँ। अब मै तुम्हे गवाऊँगा। गाओ।

[वह उसके दोनो कान पकड़ कर मरोड़ने लगता है।]

ग्रूमियो . बचाइये स्वामिनी ! बचाइये। स्वामी पागल हो गए है।

पैट्रूशियो अब खटखटाओ, मै आज्ञा देता हूँ। धूर्त, कमीने !

[हौर्टेंशियो का प्रवेश]

हौर्टेंशियो : कैसे, क्या बात है ? मेरा पुराना दोस्त ग्रूमियो और मेरे अच्छे दोस्त पैट्रूशियो ? आप दोनों वेरोना मे कैसे ?

पैट्रूशियो : श्रीमान् हौर्टेंशियो ! क्या आप बीच-बिचाव करने आये है ? सच, आपसे मिलकर बड़ी प्रसन्नता हो रही है।

हौर्टेंशियो : सम्माननीय श्रेष्ठ पैट्रूशियो ! मै अपने घर पर आपका स्वागत करता हूँ।[1]

उठो ग्रूमियो ! उठो ! हम इस झगड़े को तय कर देगे।

ग्रूमियो : जो कुछ आपने लैटिन मे कहा है, वह कोई बात नही है श्रीमान् ! अब आप ही देखिये कि क्या इनकी नौकरी छोड देने के मेरे पास पर्याप्त कारण नही है ? पहले इन्होंने मुझे आज्ञा दी कि मै इनको खटखटाऊँ, इतना ही नही जोर से पूरा शोर मचाकर खटखटाने की आज्ञा थी श्रीमान् ! अब आप ही तो देखिये कि क्या एक सेवक के लिए अपने स्वामी के प्रति इस प्रकार का व्यवहार करना उचित था ? क्या यह बहुत अधिक नही हो जाता ? अगर मै इनको पहले खटखटा देता तो भगवान् की सौगन्ध क्या इस ग्रूमियो की और भी अधिक दुर्गति नही हो जाती ?

पैट्रूशियो : निरा मूर्ख है धूर्त !

---

१. हौर्टेंशियो इस वाक्य को लेटिन भाषा में बोलता है।

श्रेष्ठ हौर्टेशियो ! मैंने इस बदमाश से आपका दरवाजा खटखटाने के लिये कहा था और सच, कितना भी कहने पर इस धूर्त ने वह काम नही किया।

ग्रूमियो : दरवाजा खटखटाने के लिए कहा था ? ओ परमात्मा ! क्या आपने केवल यही नही कहा था कि ग्रूमियो, मुझको यहाँ खट-खटा दो। जोर से खटखटाना। अच्छी तरह शोर मचाकर खट-खटाना और अब दरवाजा खटखटाने की बात कह रहे है ?

पैट्रूशियो बस बातें मत बना बदमाश ! चला जा यहाँ से।

हौर्टेशियो : शान्त रहिये पैट्रूशियो ! मै ग्रूमियो का दोस्त हूँ। यह तो आपके तथा आपके पुरानें विश्वासपात्र और अच्छे सेवक ग्रूमियो के बीच बडी दुखद घटना घट गई। खैर, प्रिय साथी ! अब यह बताइये कि किस सुख की कल्पना करके आप वेरोना छोड़कर पैडुआ जा रहे है ?

पैट्रूशियो : उस सुख की कल्पना जो नवयुवको को अपने घर से दूर ससार मे अपने भाग्य की परीक्षा करने के लिये भटका देती है। घर पर रहकर तो कुछ ही लोग थोडा-सा अनुभव प्राप्त कर पाते हैं। श्रीमान् हौर्टेशियो ! मेरे पिता एन्टोनियो का स्वर्गवास हो चुका है और अब मैने अपने आपको इस परेशानी मे डाल लिया है कि विवाह करके जितना अधिक मुझसे हो सके अपने को समृद्ध बनाऊँ। मेरी जेब मे यहाँ मुद्राएँ हैं और घर पर मेरा माल हैं, इसीलिए अब मै घर से बाहर दुनिया को देखने के लिए आया हूँ।

हौर्टेशियो . पैट्रूशियो ! तो फिर क्या आपसे खुलकर कह दूँ ? क्या आप एक कुटिल कर्कशा से विवाह करना पसद करेगे ? मेरी इस सम्मति के लिये आप मुझे बहुत थोडा ही धन्यवाद देगे

लेकिन फिर भी मै यह आपसे पक्के तौर से कहता हूँ कि वह स्त्री बहुत धनवान है। लेकिन मित्र ! आप भी तो किसी तरह कम नही है इसलिए छोड़िये, मै नही चाहता कि आप उसके साथ विवाह करे।

पैट्रूशियो : श्रीमान् हौर्टेशियो ! हम जैसे मित्रो के बीच तो कुछ ही शब्द पर्याप्त है, इसीलिये अगर आप किसी ऐसी धनी स्त्री को जानते है जो पैट्रूशियो की पत्नी होने योग्य है, तो फिर यह शंका क्यो ? (धन तो मेरे विवाह के नृत्य का गीत है) वह चाहे फ्लोरेंटियस की प्रेमिका की तरह कुरूप क्यों न हो, सिबील की तरह वुड्ढी या सुकरात की पत्नी जैथीपे की तरह कुलटा और कर्कशा क्यो न हो, या इनसे भी बुरी हो, मेरे हृदय पर इस सबका कोई प्रभाव नही पड़ता और न इन सभी दोषों के कारण उसके प्रति मेरे हृदय का प्रेम कम हो सकता है, चाहे वह ज्वार मे उठते हुए ऐड्रियाटिक सागर की तरह उबड़-खाबड़ और भद्दी क्यों न हो। मै तो पैडुआ में किसी धनी स्त्री से विवाह करने आया हूँ, यदि ऐसा हो गया तो मै हर्ष के साथ पैडुआ मे रहूँगा।

ग्रूमियो : श्रीमान् सुन रहे है ? ये खुले रूप से आपके सामने अपने दिल की बात कह रहे है। इन्हें तो ढेर सारा सोना दे दीजिये, फिर चाहे किसी कठपुतली से या 'डबलैट' बाँधने के फीतों के सिरे पर लटकी हुई उस पीतल की मुनिया से इनका विवाह कर दीजिये, इतना ही नही, एक बार तो ये उस बुढिया से भी विवाह करने को तैयार हो जाएँगे जिसके मुँह मे एक भी दाँत नही होगा और बावन घोडों के शरीर मे जितनी बीमारियाँ होगी, वे चाहे सभी उसके शरीर मे हो। अगर धन मिल जाय तो फिर किसी

तरह का दोष रहता ही नही है।

हौर्टेंशियो . पैट्रूशियो ! चूँकि हम इस बात को लेकर काफी आगे तक बढ आये है, इसलिये मै कहूँगा कि मै तो यह सब मजाक कर रहा था। मै एक ऐसी स्त्री से अवश्य आपका विवाह करा सकता हूँ जो धनवान सुन्दरी और एक कुलीन युवती है लेकिन दोष उसमे सिर्फ इतना ही है, और वह काफी बडा दोष है कि वह कुटिल, कर्कशा और बड़े ही उत्तेजित स्वभाव की है। क्रुद्ध होती है तो कोई सीमा नही रहती। ऐसी स्त्री के साथ मै तो चाहे मेरी स्थिति इससे कही बहुत बुरी होती, सोने की एक पूरी खान के बदले भी विवाह करने को तैयार नही होता।

पैट्रूशियो : शान्त रहिये हौर्टेंशियो ! आप सोने का मूल्य नही जानते। आप उस स्त्री के पिता का नाम बता दीजिये, बस इतना ही काफी है। चाहे वह हेमन्त ऋतु मे गरजते बादलो की तरह क्यों न गरजने लगे लेकिन मै अवश्य उसके साथ विवाह करूँगा।

हौर्टेंशियो : उसके पिता का नाम बैप्टिस्टा मिनोला है। बड़ी ही सरल और उदार प्रकृति के मनुष्य है। उस लड़की का नाम कैथरिना मिनोला है। अपने कर्कश स्वर के लिए सारे पैडुआ में प्रसिद्ध है।

पैट्रूशियो : मै उसको तो नही जानता हूँ लेकिन उसके पिता से मेरी जानकारी है। वे मेरे पिता को अच्छी तरह जानते थे। हौर्टेंशियो ! अब तो जब तक उस स्त्री को देख न लूंगा तब तक नही सोऊँगा। इसलिए निस्सकोच होकर मै आपसे कहता हूँ कि अगर आप मेरे साथ उधर चलने के लिये तैयार नही है तो फिर मुझे विवश होकर आपसे इस पहली मुलाकात के समय विदा लेनी पड़ेगी।

ग्रूमियो : जब तक इनकी यह सनक चलकर खत्म न हो जाय, श्रीमान्,

आप कृपा करके इन्हे जाने भी दीजिये । सच मानिये, जिस अच्छी तरह से मै इनको जानता हूँ, वह भी पूरी तरह इनको पहचान गई तो यही सोचने लगेगी कि इनको झिडकने से उसको बहुत कम लाभ होगा । वह चाहे इनको बीस तरह का धूर्त कहकर क्यों न पुकारे, उससे कुछ भी नही होगा । अगर एक बार इन्होने शुरूआत कर दी तो ये ऐसे बदमाश है कि अगर इन्होने झिड़कना शुरू किया तो मै सच कहता हूँ श्रीमान्, टिकना मुश्किल हो जायेगा उसके लिए । मालूम है ये क्या करेंगे, मुँह पर एक हाथ मारेंगे तो सारी शक्ल बिगाड़ देगे । एक बिल्ली को छोडकर कुछ भी देखने के लिये आँखे नही बचेगी । आप नही जानते है इन्हे श्रीमान् !

हौर्टेंशियो : पैट्रूशियो ! ठहरिये, मै आपके साथ चलूँगा क्योकि मेरी निधि भी तो बैप्टिस्टा के पास है। उसके पास मेरे जीवन का रत्न है, वही उसकी छोटी पुत्री बियांका जिसको उसने मुझसे दूर रख रखा है। मेरे प्रतिद्वन्द्वी उसके अन्य भी प्रेमी है जो कैथरिना के उन दोषो के कारण जो मैने आपको बताये है, किसी के साथ उसका विवाह होना असम्भव मान चुके है, इसीलिए बैप्टिस्टा ने यह निश्चय कर लिया है कि जब तक उस कर्कशा और कुटिला कैथरिना को कोई वर नही मिल जायेगा तब तक कोई भी बियाका के पास तक नही पहुँच सकेगा ।

ग्रूमियो : कैथरिना कर्कशा और कुटिला ! सच, एक स्त्री के लिए इससे भी बुरे विशेषण और क्या हो सकते है ?

हौर्टेंशियो : तो क्या मेरे मित्र पैट्रूशियो मेरा इतना उपकार करेंगे कि अपनी वेशभूषा बदलकर सगीत मे पारगत एक अध्यापक बनकर बियांका को पढ़ाने के लिए उसके पिता वृद्ध बैप्टिस्टा के पास

जाये जिससे कम से कम मैं इस तरकीब से बियांका से मिलकर उससे अपना प्रेम तो प्रकट कर सकूं और फिर छिपे ही छिपे उसकी इच्छा को अपने वश में करके उसके साथ विवाह कर सकूं।

[ग्रेमियो तथा ल्यूसेंशियो का वेश बदले हुए प्रवेश]

ग्रूमियो : यहाँ तो कोई धूर्तता नही है। बुड्ढो को चक्कर मे डालने के लिये जवान लोग कैसे एक साथ मिलकर योजना बनाते है, देखा !

ओ, स्वामी ! देखिये आपके पास। कौन जा रहा है वहाँ ? हा।

हौर्टेंशियो : शान्त रहो ग्रूमियो। यह तो इस प्रेम मे मेरा प्रतिद्वन्द्वी है। पैट्रूशियो ! थोडा ठहरिये।

ग्रूमियो : यह तो प्रेम मे उलझा कोई नवयुवक है।

ग्रेमियो : बहुत अच्छा, मैने पुस्तको की सूची को देख लिया है और सुनिये श्रीमान् ! प्रेम की उन सारी पुस्तको को बँधवा भी अच्छी तरह दूंगा। कभी भी आप उनको देख सकते है, और सुनिये इनको छोड़कर और कोई भाषण उसको पढ़कर मत सुनाइये। समझ रहे है न आप मेरी बात ? जहाँ तक श्रीमान् बैप्टिस्टा की उदारता है वहाँ तक तो ठीक है, इसके अलावा मै रकम देकर भी यह काम बना सकता हूँ। अपना कागज भी ले लीजिये, लाइये मै इसे सुगन्धित कर दूं क्योकि जिसके पास यह जा रहा है वह इत्र से भी अधिक सुगन्धि से पूर्ण है। आप उसके सामने पढ़ेंगे क्या ?

ल्यूसेंशियो : मै कुछ भी उसके सामने पढूँ लेकिन आप विश्वास रखिये कि अपने सरक्षक की तरह आपके पक्ष को वहाँ दृढ करूँगा।

सम्भवतया आपसे अधिक कुशलता पूर्ण ढग से मै उससे इस तरह बाते करूँगा जैसे जब तक आप विद्वान् नहीं होते, कभी नहीं कर पाते। विश्वास रखिये, आपका सारा कार्य पूरी सफलता के साथ कर लूंगा।

ग्रेमियो : ओह यह विद्वत्ता ! यह भी कैसी चीज है !

ग्रूमियो : ओह यह बटेर, कैसा मूर्ख है यह !

पैट्रूशियो : चुप रहो।

हौर्टेंशियो : ग्रूमियो ! चुप रहो ! परमात्मा आपको बचाये ग्रेमियो।

ग्रेमियो : अरे, श्रीमान् हौर्टेंशियो ! आप अच्छे मिले ! क्या आप जानते है कि मै किधर जा रहा हूँ ? मै बैप्टिस्टा मिनोला के पास जा रहा हूँ। मैने सुन्दरी बियांका के लिए एक अध्यापक खोजने का वायदा किया था, सौभाग्य से मुझे यह नवयुवक मिल गया है। अपनी विद्वत्ता और व्यवहार के कारण यह उस सुन्दरी को पढ़ाने के लिये सर्वथा उपयुक्त है। काव्य सम्बन्धी तथा अन्य अच्छे-अच्छे ग्रन्थ इसने पढ़े है।

हौर्टेंशियो : यह ठीक रहा । मुझे भी एक सज्जन ऐसे मिल गए है जिन्होंने मुझसे मेरी मदद करने का वायदा कर लिया है। हमारी प्रिया को वे सगीत सिखायेगे, इस तरह मै भी अपनी प्यारी उस सुन्दरी बियाँका के प्रति अपना कर्त्तव्य पालन करने मे तनिक भी पीछे नही रहूँगा।

ग्रेमियो : प्यारी तो वह मेरी है। इसको मेरे कार्य सिद्ध कर देगे।

ग्रूमियो : इनका धन सिद्ध करेगा उसे तो।

हौर्टेंशियो . ग्रेमियो ! अपने प्रेम का प्रदर्शन करने का यह समय नही है। सुनिये, अगर आप मुझे निष्पक्ष और सच्चा माने तो मै आपसे ऐसी बात कहूँ जिसमे हम दोनो का भला है। अकस्मात्

ही मुझे एक ऐसे सज्जन मिल गए है जो उस कर्कशा कैथरिना से इस शर्त पर विवाह करने को तैयार है कि इनका मनपसंद दहेज उन्हे मिलना चाहिये। यह वायदा मैने इनसे कर दिया था।

ग्रेमियो : इधर कह दिया और उसी तरह काम हो गया, यह तो ठीक है लेकिन हौर्टेशियो ! क्या आपने उनको उस कर्कशा के सारे दोषो को भी बता दिया है ?

पैट्रूशियो : मै जानता हूँ कि वह कुछ चिड-चिडी, झगडालू किस्म की बकबक करने वाली स्त्री है। ठीक है श्रीमान् ! अगर यही दुर्गुण उसमे है तो मुझे उससे विवाह करने मे किसी प्रकार की हानि नही है।

ग्रेमियो : क्या कह रहे है, कोई हानि नही है ? किस देश के निवासी है मेरे मित्र ?

पैट्रूशियो वेरोना मे मेरा जन्म हुआ था। वृद्ध ऐन्टोनियो का पुत्र हूँ। मेरे पिता का स्वर्गवास हो चुका है लेकिन फिर भी मेरा भाग्य मेरे साथ है। मेरा विश्वास है कि अच्छे दिन आयेगे और बहुत दिनो तक रहेगे।

ग्रेमियो : ओह श्रीमान्, ऐसी पत्नी के साथ तो जीवन बडा विचित्र होगा लेकिन परमात्मा के नाम पर अगर आपने इसका इरादा ही कर लिया है तो अवश्य मै आपकी हर तरह से सहायता करूँगा। लेकिन, क्या आप इस जगली बिल्ली से शादी करेगे ?

पैट्रूशियो क्या मै जीवित रहूँगा ?

ग्रूमियो . क्या ये उस कर्कशा से शादी करेगे ? अवश्य, नही तो मै इसे फाँसी पर लटका दूँगा।

पैट्रूशियो · मै इधर उसी इरादे से ही तो आया हूँ। क्या आप सोचते है कि थोडा शोरगुल मेरे कानो को डरा देगा ? क्या मैने अपने समय

मे शेरों को गरजते हुए नहीं सुना है ? मैंने तो तूफानी हवाओं के बीच क्रोध से भरे हुए जंगली सुअर की तरह समुद्र को भयानक आवाज करते हुए सुना है। युद्ध-भूमि मे मैंने तोपों की भीषण गर्जना सुनी है और यह तो क्या, कौंधती बिजली और फटते हुए बादलों का भीषण भयावह नाद मैंने सुना है। आप मुझसे एक औरत की आवाज की बात कह रहे है, श्रीमान् ! मैंने युद्ध के बीच भेरी और नक्कारों के तुमुल नाद के साथ अश्वों को भीषण वेग से हिनहिनाते सुना है, और ऐसा तीव्र और भीषण स्वर मेरे कानों से आकर टकराया है कि इस औरत की आवाज़ तो उसके आधे से भी कम ऐसी होगी जैसे किसान की आग में अखरोट चटकता है।

छोड़िये यह सब कुछ, भूतों की कहानी सुनाकर तो बच्चों को डराइये।

ग्रूमियो : क्योंकि इनको किसी से डर नही लगता है।

ग्रेमियो : हौटेंशियो ! सुनिये, इन सज्जन का यहाँ आना बड़ा अच्छा रहा। इसमें इनका और हमारा दोनों का भला है।

हौटेंशियो : मैंने इनसे यह वायदा कर लिया है कि हम सब मिलकर जो कुछ भी इनके विवाह मे खर्च होगा, उसको जुटा देंगे।

ग्रेमियो : हमे स्वीकार है बशर्ते ये उसके साथ शादी कर पाये।

ग्रूमियो : कैसा अच्छा हो कि एक शानदार दावत की बात पक्की हो जाये !

[स्वामी क रूप में ट्रेनियो और उसके साथ बॉइंडेलो का प्रवेश]

ट्रेनियो : श्रीमान्, परमात्मा आपकी रक्षा करे। क्या मैं यह पूछने का साहस कर सकता हूँ कि श्रीमान् बैप्टिस्टा मिनोला के घर को सीधा रास्ता कौन-सा है ?

बॉइंडेलो . वे ही सज्जन जिनकी दो पुत्रियाँ है, उन्ही से मतलब है न आपका ?

ट्रैनियो : हाँ, वे ही बॉइडैलो !

ग्रेमियो . सुनिये श्रीमान् ! आपका मतलव उस लड़की से---

ट्रैनियो · जी हाँ, मेरा मतलब उस लड़की और उसके पिता दोनो से है। आपको क्या मतलब इस सबसे ?

पैट्रूशियो : कृपा करके यह तो बताइये कि आपका मतलब उस लड़की से तो नही है जो सदा दूसरो को डॉटती फटकारती है ?

ट्रैनियो : झगड़ालू मनुष्यो के प्रति मेरा कोई आकर्पण नही है श्रीमान् ! बॉइडैलो ! चलो यहाँ से ।

ल्यूसैंशियो . अच्छी शुरुआत की ट्रैनियो ।

हौर्टेशियो : श्रीमान् ! जाने से पहले मेरी एक बात सुन जाइये । क्या आप जिस लडकी के बारे मे बाते कर रहे है, उसके प्रेमी है ? बताइये है या नही ?

ट्रैनियो : और अगर मै होऊँ तो श्रीमान् ! क्या यह किसी तरह का अपराध है ?

ग्रेमियो : जी नही। अब आप बिना कुछ आगे बोले यहाँ से चले जाइये ।

ट्रैनियो : क्यो श्रीमान् ? क्या इन रास्तो पर आपका और मेरा समान अधिकार नही है ?

ग्रेमियो : लेकिन उस लड़की पर तो समान अधिकार नही है।

ट्रैनियो : किस कारण से ? कृपा करके बताइये तो ।

ग्रेमियो : अगर आप जानना ही चाहते है तो इस कारण से कि वह ग्रेमियो की प्रिया है।

हौर्टेंशियो : इस कारण से कि वह हौर्टेंशियो की प्रिया है।

ट्रैनियो : जरा ठहरिये श्रीमान् ! कुछ मुझे भी कहने की आज्ञा दीजिये और धैर्य से मेरी बात सुनिये। बैप्टिस्टा एक श्रेष्ठ और उदार वृत्ति के मनुष्य हैं। मेरे पिता से उनका परिचय था। अगर उनकी पुत्री इससे भी अधिक जैसी वह है, सुन्दरी होती तो चाहे उसके कितने भी प्रेमी होते लेकिन मैं भी उसका एक प्रेमी होता। लीडा की उस सुन्दरी पुत्री हैलिन के एक सहस्र प्रेमी थे, तो फिर बियाँका का एक प्रेमी और बढ जाय तो इसमे हानि क्या है। वह इसको स्वीकार कर लेगी। अब चाहे पैरिस अकेले अपनी ही सफलता की आशा में क्यो न आये, लेकिन ल्यूसेंशियो उस सुन्दरी का एक प्रेमी बनकर रहेगा।

ग्रेमियो : अरे, इस तरह बातो मे तो ये सज्जन हम सबको चुप करा देगे।

ल्यूसेंशियो : श्रीमान्, इनकी बात सुन लीजिये। मैं जानता हूँ, थोडी ही देर मे ये अपने आपको उस घोडे जैसा साबित करेगे जो बहुत जल्दी थक जाता है।

पैट्रूशियो : श्रीमान्, क्या मै यह पूछने का साहस कर सकता हूँ कि आपने कभी बैप्टिस्टा की पुत्री को देखा है ?

ट्रैनियो : जी नही, लेकिन सुना है कि उनके दो पुत्रियाँ है। एक तो कर्कशा के नाम से चारों तरफ प्रसिद्ध है और दूसरी अपने शील और सौन्दर्य के लिए प्रसिद्ध है।

पैट्रूशियो : श्रीमान्, वह पहली तो मेरे लिए है, उसे तो मेरे लिए छोड़ दीजिये।

ग्रेमियो : श्रीमान् ! इस काम को तो महान् हरक्यूलीज के लिए छोड़

दीजिये और ऐलिसडीज की बारहों से भी अधिक रखिये इसे।

पेट्रूशियो : श्रीमान्! मेरी इस बात का पूरा विश्वास करिये कि बैप्टिस्टा की छोटी लडकी के पास, जिससे आप प्रेम करते है, आप कभी नही पहुंच सकते क्योकि उसके पिता ने उसको अन्दर बन्द करके रखा है और तब तक वह किसी प्रेमी को उसके पास नही जाने देगा जब तक उसकी बड़ी लडकी का पहले विवाह न हो जाय। इसके बाद फिर छोटी मुक्त हो जायेगी।

ट्रैनियो : श्रीमान्, फिर तो अगर आप ही वे व्यक्ति है जो अन्य प्रेमियो के साथ मुझको भी लाभ पहुँचाने आये है तो फिर इस कठिनाई को समाप्त करिये और बड़ी लड़की से विवाह कर लीजिये। इस तरह आपके कारण ही छोटी लड़की हमारे लिए मुक्त हो जायेगी, फिर जो भी इतना सौभाग्यशाली होगा कि उसे प्राप्त करे, वह कभी भी आपके प्रति कृतघ्न नही होगा।

हौर्टेंशियो : श्रीमान्! आप ठीक कहते है और मन मे कल्पना भी अच्छी करते है। जब आप स्वय ही एक प्रेमी बनते है तो फिर अवश्य आप भी एक रहेगे लेकिन पहले हमारी तरह इन महाशय को सतुष्ट कर दीजिये जिनके ऊपर हम सबका दारोमदार है।

ट्रैनियो : ठीक है श्रीमान्! मै इसमे किसी भी तरह पीछे नही रहूँगा। आज दुपहर के बाद बैठकर अगर आप चाहे, तो यह सारा कार्य सम्पन्न करा दे और फिर अपनी प्रिया के स्वास्थ्य के लिए खुल-कर पिये और जैसे वैध रूप से प्रतिद्वन्द्वी करते है, अपनी पूरी शक्ति लगाकर अपने लिए प्रयत्न करे लेकिन फिर भी परस्पर मित्रो की तरह खाये-पिये और मस्त रहे।

ग्रूमियो
बॉइंडैलो } : वाह ! क्या ही अच्छी बात है ! अच्छा तो अब चलना चाहिए ।

हौर्टेंशियो : बात तो वाकइ अच्छी है, और काश ! यह पूरी भी हो जाये ।

पैट्रूशियो ! मै तो आपका स्वागत करने के लिए रहूँगा ।

[प्रस्थान]

दूसरा अंक

दृश्य १

[कैथरिना तथा बियांका का प्रवेश]

बियांका : मेरी अच्छी बहिन ! अपने और मेरे प्रति ऐसा अन्याय मत करो कि तुम मुझे एक दासी बनाकर यहाँ रखो। मुझे इससे घृणा है। मेरे इन चमकीले दिखावटी कपड़ो को छोड़ दो, मै स्वयं ही इन्हे उतारकर फेक दूंगी। पेटीकोट तक सब कुछ उतार दूंगी और जैसा भी तुम कहोगी वैसा ही मै करूँगी क्योकि मै बड़ो के प्रति अपने कर्तव्य को भली-भाँति जानती हूँ लेकिन मेरे हाथ खोल दो बहिन !

केटे : जितने भी तुम्हारे प्रेमी है, उनमे से किसको तुम सबसे अधिक चाहती हो, यह तो बताओ। धोखा मत देना, समझे।

बियांका : विश्वास करो मेरी बहिन ! इन प्राणियो मे से कोई भी ऐसा नही है जिससे मै प्रेम कर सकूं।

केटे : बहिन ! झूठ बोलती हो तुम। क्या होर्टेंशियो के प्रति तुम आकर्षित नही हो ?

बियांका : अगर तुम उसके प्रति आकर्षित हो बहिन, तो सच मानो मै तुम्हारे लिए उससे जाकर वकालत करूँगी और इससे अवश्य ही वह तुम्हे मिल जायेगा।

केटे : अच्छा, तो तुम्हारा आकर्षण धन के प्रति अधिक है। तुम तो अपने इस सौन्दर्य को बनाये रखने के लिए ग्रेमियो से विवाह करोगी।

बियांका : तो क्या उसी के लिए तुम मुझसे ईर्ष्या करती हो ? तो फिर अब मुझे मालूम हुआ कि इतनी देर तक तुम सिर्फ मजाक कर रही थी मुझसे ।

बहिन मै प्रार्थना करती हूँ, मेरे हाथ खोल दो ।

केटे : अगर यही मजाक है तो वह सब कुछ भी मजाक था ।

[उसको पीटती है ।]

[बैप्टिस्टा का प्रवेश]

बैप्टिस्टा : क्यों, क्यो केटे ! यह क्या धृष्टता है ? बियाका ! अलग खड़ी हो जाओ ! मेरी सीधी बच्ची रो रही है । जाओ अपना काम करो, इससे कुछ मत कहो । जो तुम्हारा कुछ नही बिगाड़ती है उसको तुम क्यो तग करती हो । शरम आनी चाहिये तुम्हें शैतान की बच्ची ! इसने तुमसे कब कोई बुरी बात कही ?

केटे . इसकी चुप्पी मेरी हँसी-सी उड़ा रही है । मै इसका बदला लेकर रहूँगी ?

[बियांका के पीछे भागती है ।]

बैप्टिस्टा : क्या ! मेरी आँखो के सामने ? बियाका ! अन्दर चली जाओ ।

[प्रस्थान]

केटे : आप मेरे साथ क्या कसर छोड़ रहे हैं । ठीक है, अब मैं अच्छी तरह जान गई हूँ कि बियांका ही आपकी एकमात्र निधि है, और उसी के लिए आप पति खोजेंगे और मै उसकी शादी के उत्सव

मे नगे पैरो नाचूंगी[1]। और चूंकि आप उससे प्रेम करते है इसलिये मरने के बाद नरक मे जाकर बन्दर नचाऊँगी।[2] मुझसे अब मत बोलिये, जब तक मुझे बदला चुकाने का मौका नही मिल जायेगा तब तक मै बैठकर रोऊँगी।

[प्रस्थान]

बैप्टिस्टा : क्या कभी भी किसी आदमी का हृदय इतना दुखी हुआ होगा जितना मेरा हो रहा है ?
अरे, यह कौन आ रहा है यहाँ ?

[ग्रेमियो और उसके साथ निम्न वर्ग के मनुष्य का-सा वेश बनाये ल्यूसैंशियो, तथा पैट्रूशियो के साथ एक संगीतज्ञ बनकर हॉर्टेंशियो का प्रवेश। ट्रैनियो के साथ बॉइंडैलो आता है जिसके पास पुस्तकें और एक ल्यूट है।]

ग्रेमियो : श्रीमान्, बैप्टिस्टा को हमारा अभिवादन है।

बैप्टिस्टा : श्रीमान् ग्रेमियो ! मेरा भी अभिवादन स्वीकार करिये। परमात्मा आपको प्रसन्न रखे श्रीमान् !

पैट्रूशियो . आपको भी हमारी यही शुभ-कामना है श्रीमान् ! कृपा करके यह बताइये कि क्या कैथरिना नाम की आपकी कोई सुन्दर और गुणशील पुत्री है ?

बैप्टिस्टा जी श्रीमान् ! कैथरिना नाम की मेरी ही पुत्री है।

ग्रेमियो . बड़े असभ्य है आप ! ठीक तरह से बाते करिये।

---

१. जब बड़ी बहिन कँवारी रहती थी और उससे पहले छोटी की शादी हो जाती थी तो उसकी शादी के समय बड़ी को नंगे पैरो नाचना पड़ता था। पश्चिम की यह एक बहुत पुरानी रीति थी।

२. पश्चिम का यह भी विश्वास था कि अविवाहित स्त्रियो को मरने के बाद नरक में ही स्थान मिलता है।

पैट्रूशियो . श्रीमान् ग्रेमियो ! आप मेरे साथ अन्याय करते है। चले जाइये यहाँ से।

मै वैरोना का श्रेष्ठ पुरुष हूँ श्रीमान्, जो उसके सौन्दर्य, वाक्-कौशल, सरलता, शील-स्वभाव, नम्र व्यवहार आदि उसके अद्भुत गुणो की प्रशसा सुनकर निस्संकोच रूप से एक अतिथि बनकर आपके यहाँ आया हूँ। जिस स्त्री के विषय मे मैंने इतनी प्रशंसा सुनी है, उसे मै स्वयं देखकर इसका निश्चय कर लेना चाहता हूँ। अपने उसके पास आसानी से पहुँचने के लिए मै अपना आदमी आपको देता हूँ जो संगीत और गणित मे पारगत है और इन विषयों की उनको पूरी शिक्षा दे सकेगा। मेरे अनुमान से वह इन विषयो से पूरी तरह अनभिज्ञ है। आप उसको स्वीकार कर लीजिये श्रीमान्, नही तो आप मेरे प्रति अन्याय करेंगे। उसका नाम लीसियो है, मेटुआ मे उसका जन्म हुआ है।

बैप्टिस्टा : स्वागत है आपका श्रीमान्, और आपके लिए उनका भी लेकिन यह मै जानता हूँ कि मेरी पुत्री कैथरिना से आप विवाह नही कर सकेंगे, यह और भी मेरे हृदय को दु.खी कर रहा है।

पैट्रूशियो : तो क्या आप अपनी पुत्री को अपने से अलग करना नही चाहते या आपको मेरा-उसका साथ पसन्द नही है ?

बैप्टिस्टा : मुझे गलत मत समझिये। जो कुछ मै देखता हूँ वही मैं कहता हूँ। यह बताइये, आप कहाँ से आये है ? किस नाम से मै आपको पुकारूँ ?

पैट्रूशियो : पैट्रूशियो कहते है मुझको। सारी इटली जानती है मेरा नाम। मेरे पिता का नाम एन्टोनियो है।

बैप्टिस्टा : मै उन्हे अच्छी तरह जानता हूँ। उनके लिये आपका स्वागत है श्रीमान् यहाँ।

ग्रेमियो : अपनी बात रोककर पैट्रूशियो ! अब हमे भी कुछ बोलने दो जो अत्यत दीन प्रार्थी है । बस अब । आप तो, सच, बहुत ही निस्सकोच है ।

पैट्रूशियो : ओह, क्षमा करिये श्रीमान् ग्रेमियो ! आपकी बात बड़ी खुशी से मानूंगा मैं ।

ग्रेमियो : मुझे इसमे सदेह नही है श्रीमान् । लेकिन इस विवाह के लिए आप स्वयं को अभिशप्त कहेगे ।

श्रीमान् ! मुझे विश्वास है कि जो चीज मैं आपको दे रहा हूँ उसके लिये आप मेरा अहसान मानेगे । जितने भी और है उनकी अपेक्षा मैंने ही आपकी अधिक सहायता की है । मै आपके पास इन विद्वान् युवक को लाया हूँ जो रहीम्स मे बहुत समय तक अध्ययन कर चुके है और जो ग्रीक, लैटिन तथा अन्य भाषाओ मे उतने ही पारंगत है जितने दूसरे सगीत और गणित मे है। इनका शुभ नाम केम्बियो है। कृपा करके इनको अपने यहाँ रख लीजिये ।

बैप्टिस्टा : हजार बार आपको धन्यवाद है श्रीमान् ग्रेमियो, श्रेष्ठ केम्बियो ! आपका भी मै स्वागत करता हूँ । मेरे विचार से आप परदेसी है । क्या मै आपके यहाँ आने का कारण आपसे पूछने का साहस कर सकता हूँ ?

ट्रेनियो . क्षमा करिये श्रीमान् ! साहस करके तो मै एक परदेसी होते हुए भी इस शहर मे आया हूँ । मेरे आने का कारण उस सुन्दरी और गुणवती बियाका का प्रेमी बनना है । इस सम्बन्ध में मै आपके दृढ निश्चय की बात भी जानता हूँ कि आप पहले बड़ी लड़की की शादी करना चाहते है । मै तो आपसे केवल इतना ही चाहता हूँ कि मेरे वश और कुल के बारे मे जानकर आप

मुझे भी बियांका से विवाह करने के लिये लालायित प्रेमियों के बीच सम्मिलित कर लीजिये। जिस तरह अन्य बियांका से प्रेम करने के लिए उसके पास आ-जा सकते हैं, वही स्वतन्त्रता मुझे भी प्रदान कर दीजिये। आपकी लड़कियों की पढ़ाई के लिये मैं आपको यह छोटा-सा एक वाद्य-यन्त्र और ग्रीक तथा लैटिन की पुस्तकों का यह एक पैकिट देता हूँ। अगर आप इन्हे स्वीकार कर ले तो इनका मूल्य बहुत है।

बैप्टिस्टा : आपका नाम ल्यूसेंशियो है। अच्छा, तो कृपया बताइये तो कहाँ से आये है आप ?

ट्रेनियो . मै विसेंशियो का पुत्र हूँ और पीसा का निवासी हूँ।

बैप्टिस्टा : वे तो पीसा के बड़े जबरदस्त आदमी है, मैंने उनके बारे मे यही सुना है और मै उनको अच्छी तरह जानता भी हूँ। आपका बहुत स्वागत है श्रीमान्। आप यह 'ल्यूट' ले लीजिये और आप इन पुस्तको को। चलिये अभी अपनी शिष्याओं को चलकर देख लीजिये।

कोई है अन्दर ?

[एक सेवक का प्रवेश]

देखो, इन सज्जनो को मेरी पुत्रियो के पास ले जाओ और कहना उनसे कि ये उनके शिक्षक है। इनके साथ अच्छा व्यवहार करें वे, कह देना उनसे।

[हौर्टेंशियो, ल्यूसेंशियो और बॉइडेलो के साथ सेवक का प्रस्थान]

चलिये हम थोडा बाग की तरफ चले, इसके बाद खाना खायेगे। आपका यहाँ पूरा स्वागत है, लेकिन मै यह प्रार्थना आप सभी से अवश्य करता हूँ कि अपने बारे में आप स्वय अच्छी तरह सोच ले।

पैट्रूशियो · श्रीमान् बैप्टिस्टा ! मुझे किसी कार्यवश जल्दी है और इसीलिए मैं हर एक दिन आपके पास इस सम्बन्ध मे नही आ सकता। आप मेरे पिता को अच्छी तरह जानते थे और उनके द्वारा आप मुझे भी जान गए। अब उनकी उस सारी सम्पत्ति का एकमात्र उत्तराधिकारी मै ही रह गया हूँ जिसको मैने बढाया अवश्य है, किसी तरह कम नही किया है। अब आप मुझे बताइये कि अगर मै आपकी पुत्री के साथ विवाह करूँ तो आप उसके साथ क्या दहेज देंगे ?

बैप्टिस्टा . मेरी मृत्यु के पश्चात् जितनी भी मेरी भूमि है उसका आधा भाग और साथ मे बीस हजार 'क्राउन्स'।

पैट्रूशियो · उस दहेज के बदले मे भी, अगर मैं ही उससे पहले इस ससार से उठ गया, उसकी विधवावस्था के लिए यह विश्वास दिलाता हूँ कि मेरी सारी सम्पत्ति पर उसका अधिकार होगा। इसलिये अब विस्तार से हमारे आपस का समझौता लिख लिया जाय और एक दूसरे के हाथ मे वह रहे।

बैप्टिस्टा लेकिन यह तो तभी की बात है जब आप खास चीज यानी उसका प्रेम प्राप्त कर ले क्योकि वही तो सब कुछ है।

पैट्रूशियो : वह कोई बात नही है। पिता ! मै आपसे सच कहता हूँ, जितना उसका दिमाग चढा हुआ है उतने ही बिगड़े दिमाग का मै हूँ और जहाँ दो आग की लपटे आकर मिलती है वहाँ जो भी उनके बीच आकर उनकी भूख मिटाता है, जलकर खाक हो जाता है। यद्यपि थोड़ी ही हवा से थोड़ी आग काफी भड़क उठती है लेकिन जब तूफान चलेगा तो वह आग और सभी कुछ को उड़ाकर ले जायेगा। आप देखना, जैसे ही मै उसके पास पहुँचा नही कि वह मुझे आत्मसमर्पण कर जायेगी, क्योकि मै बड़ा अजीब

बिगड़ा हुआ आदमी हूँ और बच्चे की तरह शादी करना नही जानता हूँ।

बैप्टिस्टा : ईश्वर करे कि आप इस कार्य मे सफल हों और किसी तरह की कठिनाई आपके सामने न आये ! लेकिन एक बार कुछ कटु शब्दों के लिए तो तैयार हो ही जाइये।

पैट्रूशियो : श्रीमान् ! जैसे बड़े से बड़े झंझावात पर्वतों को नही हिला सकते उसी तरह कोई भी कटु शब्द मुझे विचलित नही कर सकते।

[**हौर्टेंशियो अपना फूटा सिर लिये हुए आता है।**]

बैप्टिस्टा : क्यो मित्र ! आप इतने पीले कैसे दिखाई दे रहे है ?

हौर्टेंशियो : अगर मै पीला दिखाई देता हूँ, तो सच उसका कारण डर है।

बैप्टिस्टा : तो क्या मेरी पुत्री अच्छी सगीतज्ञ बन जायगी ?

हौर्टेंशियो : मेरे विचार से तो वह इससे पहले एक सैनिक बनेगी। लोहे का और उसका साथ हो सकता है लेकिन ल्यूट का कभी नही।

बैप्टिस्टा : तो क्या आप उसको अपनी ल्यूट की तरफ नही झुका पाये ?

हौर्टेंशियो · जी नही। उसने ही मेरे ऊपर ल्यूट को झुका दिया है। मैने तो उससे सिर्फ इतना ही कहा था कि गलत तरीके से तारो को उसने पकड रखा था और फिर मैने उसके हाथ को पकड़कर ठीक तरह उँगली रखना बताया था तो वह बिलकुल शैतान की तरह बिगड़ कर कहने लगी—तुम इनको तैश[1] कहते हो ? आग

---

१. Frets : यहाँ पन का प्रयोग हुआ है। इस शब्द के दो अर्थ हैं—वाद्ययन्त्र के तार और तैश यानी क्रोधावेश। अंग्रेजी में एक ही शब्द द्वारा संवाद के सौन्दर्य को निभा लिया गया है, हमे तार की जगह तैश लाकर निभाना पड़ा है, इसमें कारण हमारी भाषा की सीमा है।

लगा दूंगी मै इनमे और वस उसी के साथ उसने ल्यूट को मेरे सिर पर दे मारा जिससे ल्यूट टूटकर मेरे सिर मे फँस गया। कुछ समय के लिए तो मै बिलकुल आश्चर्य मे ऐसे खड़ा रहा जैसे किसी लकडी के ढाँचे मे कोई आदमी फँसा हुआ खडा रहता है और ल्यूट के आरपार देखता रहा जबकि यह मुझे वदमाश, बाजे वाला, अनाडी और इसी तरह की वीसों गालियाँ देने लगी। मेरे साथ दुर्व्यवहार करने के लिए जितनी भी बुरी सेबुरी गालियाँ उसे याद थी, सब उसने दे डाली।

पैट्रूशियो : सच, यह तो बडी मजेदार औरत है। अब तो पहले की अपेक्षा उसके प्रति मेरा आकर्षण दस गुना और वढ गया है। ओह! अब तो उससे वाते करने की लालसा हो रही है मेरे मन मे।

बैप्टिस्टा : चलिये मेरे साथ और इतने निराश मत होइये। मेरी छोटी बच्ची को सिखाते रहिये। वह तो वडे ही कृतज्ञ स्वभाव की है और सीखने मे भी तत्पर है।

श्रीमान् पैट्रूशियो! क्या आप भी हमारे साथ चलेगे या मै केटे को ही आपके पास भेज दूं?

[प्रस्थान। पैट्रूशियो रुक जाता है।]

पैट्रूशियो : अवश्य, कृपया यही करिये। मै यही उससे मिलूंगा और जब वह आयेगी तो पूरे जोश के साथ अपना प्रेम उनको प्रदर्शित करूँगा। कहते हैं कि वह आकर ही मुझपर गालियों की बौछार लगाना शुरू कर देगी, उस समय मै उससे कहूँगा कि वह तो कोयल की तरह मधुर स्वर से गाती है। यह भी कहते है कि वह अपनी आँखे क्रोध से लाल-पीली कर लेती है, उस समय मै

कहूँगा कि वह तो ऐसी सुन्दर लग रही है जैसे गुलाब के फूल ओस से धुलकर प्रातःकाल लगते हैं।

अगर वह आकर चुप रहेगी और एक भी शब्द नही बोलेगी तो मै यह कहकर कि उसका स्वर तो बड़ा प्रभावशाली है, उसको बोलने के लिए प्रेरित करूँगा। अगर उसने मुझसे भाग जाने के लिए कहा तो इसके लिये मै उसको धन्यवाद दूंगा जैसे कि मानो उसने मुझे अपने साथ एक हफ्ते रहने का निमत्रण दिया है। अगर वह शादी करने को मना करेगी तो मै उस दिन तक प्रतीक्षा करूँगा जबकि इसकी मुनादी कराकर मै उसके साथ शादी न कर सकूँ। लेकिन वह तो यही आ रही है और पैट्रूशियो! अब बोलो।

[कैथरिना का प्रवेश]

नमस्ते केटे! आपका शायद यही नाम है? मैने यही सुना है।

केटे: ठीक सुना है आपने लेकिन आप कुछ बहरे मालूम देते है। जो मेरे बारे मे बाते करते है, वे मुझे कैथरिना कहते हैं।

पैट्रूशियो: यह तो आप झूठ बोलती है। सच, आपको तो सिर्फ केटे कहकर ही पुकारा जाता है। कभी तो सुन्दरी केटे और कभी कर्कशा और कुटिला केटे, लेकिन ईसाई-जगत् की सबसे अधिक सुन्दरी केटे! मेरी सवसे मजेदार केटे! क्योकि सभी मजेदार चीजें केटे[1] होती है, केटे-हॉल की केटे! मेरे सुख की रानी केटे! यह मेरी ओर से स्वीकार करिये। प्रत्येक शहर में मैंने आपके नम्र व्यवहार की प्रशसा सुनी है। आपके गुणो की औरं सौन्दर्य की

---

१ Cates: यहाँ पन (द्व्यर्थक शब्द) का प्रयोग हुआ है। केटे एक बार तो कैथरिना के लिए आया है दूसरी वार मजेदार चीजो के लिए आता है। 'स्पैलिंग' में अन्तर है लेकिन ध्वनि एक है। इसी आधार पर पैट्रूशियो यह मजाक कर लेता है।

जो प्रशसा मैंने सुनी है, उससे तो कही अधिक ही आप में मैंने पाया है, इसीलिए आपके साथ विवाह करना चाहता हूँ। मेरा दिल आपकी ओर खिंचा हुआ है।

केटे : अच्छे वक्त मे खिचकर आ गए। जो आपको खीचकर यहाँ तक लाया है, वही आपको यहाँ से हटा ले जायेगा। मै पहली बार ही आपके बारे मे यह जान पाई कि आप इस तरह खीचकर इधर-उधर हटाये जाने लायक है।

पैट्रूशियो : खीचकर हटाई जाने वाली क्या चीज होती है ?

केटे : एक वह स्टूल जिस पर मिस्त्री काम करता है।

पैट्रूशियो : यह बाजी तो आपने मार ली। आइये मेरे ऊपर बैठ जाइये।

केटे : गधे लादते हैं बोझा, वही तुम हो।

पैट्रूशियो : बोझा तो औरतो को लादना पडता है जिसको बच्चे को जन्म देकर ही वे उतार पाती है, और वही तो आप है।

केटे : अगर मुझसे तुम्हारा मतलब है, तो मै तुम्हारी जैसी तो बुड्ढी नही हूँ।

पैट्रूशियो खेद है अच्छी केटे ! मै आपके ऊपर यह जानकर बोझा नही डालूँगा कि आप बडी हलकी-फुलकी युवती है।

केटे : तुम जैसे गँवार प्रेमी की पकड़ मे आने के लिए तो बहुत हलकी हूँ और भारी उतनी हूँ जितना मेरा वजन होना चाहिये।

पैट्रूशियो . होगा, होगा ! बजाती रहो अपना राग।

केटे : बहुत अच्छे, और एक बेवकूफ की तरह।

पैट्रूशियो · ओ धीमे उडने वाली कबूतरी ! क्या एक बाज तुझे झपट-कर ले जायेगा ?

केटे : कबूतरी जो कि भुनगे[1] को पकड़ लेती है ?

पैट्रूशियो : आओ बैठो, तुम तो वाकई भनभनाने लगी। बहुत नाराज मालूम देती हो।

केटे : अगर मैं भनभनाती हूँ तो फिर मेरे डंक से बचते रहना।

पैट्रूशियो : मेरे पास तो उसका इलाज है। तोड़ डालूँगा इस डंक को।

केटे : तभी न जब कि तुम जैसे बेवकूफ को उसका पता लग जायेगा कि वह कहाँ है।

पैट्रूशियो : बर्र का डंक कहाँ होता है, यह कौन नही जानता है। उसके पीछे होता है।

केटे : उसकी जबान में है वह।

पैट्रूशियो : किसकी जबान ?

केटे : तुम्हारी, अगर तुम पीछे की बाते करते हो तो। अच्छा, विदा।

पैट्रूशियो : क्या ! तुम्हारी पूँछ मे मेरी जबान। न, न, फिर समझो केटे ! मै एक शरीफ आदमी हूँ।

केटे : जॉच करूँगी मै इसकी।

[वह उसको पीटने लगती है।]

पैट्रूशियो : मै सौगन्ध खाकर कहता हूँ, अगर तुमने फिर हाथ उठाया तो फिर मेरी मार झेलना ?

केटे : इस तरह तो तुम्हें अपनी शराफत से हाथ धोना पडेगा और

---

१. Buzzard : इस शब्द को लेकर पन (द्वयर्थक शब्द) का प्रयोग किया गया है। इसके तीन अर्थ हैं—(१) बेवकूफ (२) बाज (३) भुनगे। हमने भावार्थ देकर ही संवाद को बढ़ाया है। इसी प्रकार आगे tail, tale आदि को लेकर पन चलता है, उसका भी भावार्थ देकर अपनी सीमाओ के भीतर हमने संवाद की गति को सुस्थिर रखने का प्रयत्न किया है।

शराफत के सबूत मे तुम जो यह कोट पहनते हो, वह भी तुम्हे उतारना पड़ेगा क्योकि अगर तुमने मुझपर हाथ उठाया तो तुम एक शरीफ आदमी नही कहलाओगे और इस हालत मे वह कोट भी तुम्हारे हाथ नही रहेगा।

पैट्रूशियो . तुम तो केटे ! एक मुनादी पीटने वाली हो। मेरा भी नाम अपनी किताबो मे दर्ज कर लो।

केटे : तुम्हारे सिर का ताज कौन-सा है, अवारा औरत के पति का?

पैट्रूशियो : बिना ताज का मुर्गा हूँ, इसीलिये केटे मेरी मुर्गी बनेगी।

केटे · मेरा कोई मुर्गा नही है। तुम तो एक डरपोक मुर्गे की तरह बोलते हो।

पैट्रूशियो . आओ केटे ! इतना आवेश और कटुता तुम्हारे चेहरे पर नही होनी चाहिये।

केटे : जब मैं किसी बिगडे स्वभाव के आदमी को देखती हूँ तो ऐसा हो जाना तो मेरे लिए स्वाभाविक है।

पैट्रूशियो यहाँ तो कोई ऐसा आदमी नही है, फिर तुम ऐसी कठोर मुद्रा मे क्यो हो?

केटे : क्यो नही है? ऐसा आदमी यहाँ है।

पैट्रूशियो : फिर दिखाओ उसको।

केटे . अगर मेरे पास शीशा होता तो दिखाती।

पैट्रूशियो : क्या, क्या तुम्हारा मतलब मेरे चेहरे से है?

केटे : खूब निशाना मारा ऐसे नवयुवक के।

पैट्रूशियो . सेन्ट जॉर्ज की सौगन्ध खाकर कहता हूँ कि मै तुम्हारे लिए तो बहुत छोटा हूँ।

केटे . लेकिन फिर भी अभी से तुम्हारे शरीर पर झुर्रियाँ पड़ने लगी।

पैट्रूशियो : ये तो चिन्ताओ के कारण है।

केटे : मै तो चिन्ता नही करती।

पैट्रूशियो : सुन लो केटे ! सच कहता हूँ, तुम इस तरह बचकर मुझसे नही निकल सकती।

केटे : अगर मुझे यहाँ ठहरना पड़ा, तो फिर तुम मेरा गुस्सा देखोगे। जाने दो मुझे।

पैट्रूशियो : नहीं, बिलकुल नही, मै देखता हूँ कि तुम तो बहुत ही अधिक नम्र स्वभाव की हो। मुझसे लोगो ने कहा था कि तुम बडी ही चिड़चिड़ी, अजीब ऊबड़खाबड़ स्वभाव की घृणित स्त्री हो, लेकिन अब मुझे वह सब कुछ निरा झूठ लगता है। तुम तो बडी विनीत और अच्छे खुले स्वभाव की हो लेकिन बोलती कम हो। वैसे वसत ऋतु के फूलों की तरह तुम मधुर हो। तुम तो कभी न किसी पर क्रुद्ध हो सकती हो और न किसी की ओर सदेह-भरी दृष्टि से देख सकती हो और न कभी इस तरह अपना ओठ काट सकती हो जैसे क्रोधावेश मे आकर औरते करती है। बातचीत में भी तुम कभी बीच मे टोककर विरोध नही करती बल्कि तुम इतनी सुशील और नम्र हृदय की हो कि अपने प्रेमियो का स्वागत करती हो, उनके प्रति प्रेम और सहृदयता का व्यवहार करती हो। ऐसे सरल और सीधे स्वभाव की केटे के लिए दुनिया वाले क्यो कहते है कि वह लँगडाती है ? ओह, झूठी अफवाह उड़ाने वाली यह कमीनी दुनिया। केटे तो ताड़ की टहनी की तरह सीधी और पतली है और सुपारी का-सा भूरा रग है और फलों से भी अधिक मधुर है। ओह, एक बार मुझे चलकर तो दिखा दो, तुम तो बीच में रुकती नही हो।

के : चला जा बेवकूफ ! किस पर हुक्म चला रहा है तू ?

पैट्रूशियो क्या पवित्रता की देवी डायना से एक कुंज कभी भी इतना सुशोभित हुआ जितना केटे की शानदार वेशभूषा के कारण यह घर शोभा दे रहा है। तुम डायना बन जाओ और उसे केटे बन जाने दो, तब केटे तो बिल्कुल पवित्र बनकर रहे और डायना खेलने कूदने वाली।

केटे इतनी अच्छी बोलचाल तुमने कहाँ से सीखी है ?

पैट्रूशियो : इस धारा-प्रवाह की जननी तो मेरी बुद्धि है।

केटे : बुद्धिमान् जननी है, नही तो पुत्र पूरा बेवकूफ निकलता।

पैट्रूशियो · क्या मै बुद्धिमान् नही हूँ ?

केटे : जरूर, गरमाये रखो अपने आपको इससे।

पैट्रूशियो · मेरी प्यारी कैथरिना ! गरमाना तो मै तुम्हारे बिस्तर मे चाहता हूँ इसलिए इस सारी बातचीत को अलग हटाकर मै अब स्पष्ट रूप से कहता हूँ, सुनो, तुम्हारे पिता ने यह स्वीकार कर लिया है कि तुम मेरी पत्नी बनकर रहोगी। तुम्हारा दहेज भी तय हो गया है, इसलिए अब तुम हाँ करो या ना, मै तो तुम्हारे साथ शादी करके रहूँगा। तुम्हारे लिए मै ही पति निश्चित हुआ हूँ क्योकि इस प्रकाश मे जब मै तुम्हारे सौन्दर्य को देखता हूँ तो मेरा चित्त तुम्हारी ओर आकर्षित होता है। इसीलिए मुझे छोडकर तुम्हारी और किसीसे शादी नही हो सकती।

[बैप्टिस्टा, ग्रेमियो तथा ट्रैनियो का प्रवेश]

केटे ! मै तो तुम्हे पालकर सीधा करने के लिए पैदा ही हुआ हूँ। जैसे अन्य स्त्रियाँ होती है उन्ही की तरह मै तुम्हे कर्कशा से सुशील और नम्र बनाना चाहता हूँ। वह देखो, तुम्हारे पिता आ रहे है, अब शादी के लिये मना मत करना क्योकि मै तो कैथरिना को अपनी पत्नी बनाकर ही रहूँगा, यही मेरा दृढ निश्चय है।

बैप्टिस्टा : श्रीमान् पैट्रूशियो ! कहिये, मेरी पुत्री के साथ आपका कुछ समझौता हुआ ?

पैट्रूशियो : बहुत अच्छी तरह श्रीमान् ! बहुत अच्छी तरह । मेरा समझौता न होता, यह तो असम्भव-सी बात थी ।

बैप्टिस्टा : क्यों बेटी कैथरिना ! तुम कैसी हो ? क्या अभी भी अपने आवेश मे हो ?

केटे : तुम मुझे बेटी कहते हो ? सच कहती हूँ, अब तुमने इस सिरफिरे आधे पागल के साथ मेरी शादी की बात तय करके अपना सच्चा पितृ-प्रेम दरसाया है । एक बदमाश, लुच्चा पागल है जो बार-बार सौगन्ध खाकर मामले को साफ करने की कोशिश करता है ।

पैट्रूशियो : पिता ! बात सच यह है कि आपने और पूरी दुनिया ने जो इनके बारे मे बुरी-बुरी बाते कही थी, वे सब निराधार है । अगर कभी ये कर्कशा हो जाती है तो वह तो काम निकालने की इनकी सिर्फ एक चाल है । नही तो ये कभी भी इतनी चिड़चिडी नही हैं बल्कि सफेद कबूतर की तरह शान्त और मृदु स्वभाव की है । कौन कहता है कि ये उत्तेजित स्वभाव की है, ये तो प्रभात काल की तरह शान्त और गम्भीर है । जहाँ तक धैर्य का प्रश्न है, ये एक दूसरी ग्रिसेल[1] है और चरित्र की पवित्रता की दृष्टि से रोम की ल्यूक्रिसी से किसी तरह कम नही है । अन्त मे इस सबका निष्कर्ष यह है कि हमारे बीच पूरी तरह समझौता हो चुका है

१. Grissel : 'पेशेन्ट ग्रेसिला' की कहानी 'केन्टाबरी टेल्स' में आती है जिसे ऑक्सफोर्ड का क्लर्क कहता है। वह स्त्री बड़ी ही धैर्यवती थी। पति से अपमानित होती थी और हर समय उसकी उपेक्षा, तिरस्कार और क्रोधावेश को सहती रहती थी लेकिन कभी धैर्य नहीं खोती थी ।

और रविवार को हमारी शादी का दिन है।

केटे : इस रविवार को तो मै तुझे फाँसी के तख्ते पर लटका हुआ देखूंगी।

ग्रेमियो : सुनिये पैट्रूशियो ! ये तो पहले आपको फॉसी के तख्ते पर लटकायेगी।

ट्रेनियो : क्या यही आपका समझौता और आपकी सफलता है ? अच्छा तो फिर विदा।

पैट्रूशियो : धैर्य रखिये श्रीमान् ! शादी तो इससे मुझे करनी है और अगर हम दोनो राजी है तो फिर आपको इससे क्या है ? अकेले मे हम दोनो के बीच यह तय हो चुका है कि यह समुदाय के बीच तो अपना वही कर्कशा का रूप रखेगी। आप लोग विश्वास करे तो सच कहता हूँ, यह मुझसे बहुत प्यार करती है। ओह, मेरी केटे तो सबसे अधिक शीलवती है। मेरी गरदन से लिपट गई और एक पर एक चुम्बनो की लडी-सी लगाती हुई बारबार सौगन्ध खाने लगी। सच कहता हूँ एक क्षण मे ही इसने मुझे अपने वश मे कर लिया। आप सभी तो अभी इस मामले मे अबोध है। यह एक देखने की बात है कि अकेले मे किस तरह स्त्री-पुरुष एक दूसरे से हिलमिल जाते है। एक डरपोक बेवकूफ ही किसी औरत को कर्कशा और कुटिला बनाता है।

मुझे अपना हाथ दो केटे। शादी के लिए कपडे खरीदने वेनिस जा रहा हूँ मैं।

पिता ! आप दावत का इन्तजाम कर ले और सभी सज्जनो को निमन्त्रित कर दे। मुझे पूरा विश्वास है कि मेरी कैथरिना बहुत अच्छी हो जायगी।

बैप्टिस्टा : मैं नहीं जानता कि मैं क्या कहूँ इस समय। अपने हाथ मुझे

दो। परमात्मा तुम्हे प्रसन्न रखे पैट्रूशियो ! अच्छा जोड़ा है।

ग्रेमियो
ट्रैनियो } : हम भी अपनी शुभ कामनाये देते है। शादी के वक्त हम जरूर आयेंगे।

पैट्रूशियो : पिता, मेरी प्रिया और सभी सज्जनो से विदा लेता हूँ मै।

मै वेनिस जाता हूँ। रविवार निकट आ रहा है। अँगूठियाँ, अच्छे कपडे तथा अन्य सभी वस्तुएँ हमारे पास होंगी।

केटे ! एक बार मुझे प्यार तो करो। इसी रविवार को तो हमारी शादी हो जायगी।

[पैट्रूशियो और कैथरिना का प्रस्थान]

ग्रेमियो : कभी भी क्या इस तरह अकस्मात् ही कोई शादी तय हुई है ?

बैप्टिस्टा : श्रीमान् ! अब मै एक व्यापारी की हैसियत से साहस करके इस सौदे को करता हूँ।

ट्रैनियो : यह चीज तो आपके पास बेकार पडी थी, अब इस सौदे मे या तो इससे फायदा होगा या यह समुद्र मे नष्ट हो जायेगी।

बैप्टिस्टा : जिस फायदे की मुझे खोज है, वह तो इस जोड़े के मिलने से मुझे मिल गया।

ग्रेमियो : निस्सदेह ! लेकिन उसने भी बड़ी आसानी से काबू मे कर लिया उसे। अब बैप्टिस्टा ! अपनी छोटी पुत्री के बारे मे सोचिये। इसी दिन की तो आशा लगाये हम बैठे थे। मै आपका पड़ौसी हूँ और बियांका का सबसे पहला प्रेमी मै ही था।

ट्रैनियो : और मै बियाका से इतना प्रेम करता हू कि शब्द उसका वर्णन नही कर सकते। उसका अनुमान तो आप ही अपने मस्तिष्क मे लगा सकते है।

ग्रेमियो : लड़के ! जितना मैं प्यार करता हूँ उतना तुम नही कर सकते।

ट्रैनियो : बुड्ढे ! अब तेरा प्यार तो जम चुका।

ग्रेमियो : लेकिन तेरा अभी उबाल खा रहा है। पीछे हट बेवकूफ लड़के ! उम्र ही तो आदमी को पकाती है।

ट्रैनियो : लेकिन लड़कियों की आँखो मे तो लड़के ही जगह पाते है।

बैप्टिस्टा : शान्त रहिये श्रीमान् ! मै इस झगड़े को तय किये देता हूँ। कोई काम करने पर ही उसका इनाम मिलना चाहिये, इसलिए आप दोनो से मेरा कहना है कि जो भी मेरी पुत्री को सबसे अधिक दहेज का आश्वासन दे देगा वही उसके प्रेम का अधिकारी होगा।

कहिये श्रीमान् ग्रेमियो ! आप क्या दे सकते है ?

ग्रेमियो . पहले तो आप इस शहर के अन्दर मेरे मकान को जानते है जो सुवर्ण-पत्रों से सुसज्जित है और जहाँ सुन्दर बर्तनों का प्रबन्ध है जिनमे पानी डालकर वह अपने कोमल हाथों को धो सके। सभी पर्दो पर 'टायरियन' जरी का काम हो रहा है और मुद्राए रखने के लिए हाथी दाँत के सदूक है। साइप्रस के संदूको मे भी जड़ावट हो रही है। कीमती कपडे, तम्बू, बढ़िया लिनन, मोतियो से जड़े तुर्की गद्दे, चारो तरफ की गोट वेनिस के सोने से सजी हुई, पीतल और काँसे के बर्तन यानी घर के लिए जितनी भी चीजे आवश्यक होती है वे सभी कुछ मेरे घर मे है। इसके बाद खेत पर मेरी सौ गाये है जिनका कढ़ाव भर कर दूध होता है, एक सौ बीस मेरे मजबूत डील-डौल वाले बैल है जो खिरक मे खड़े रहते है, इनके अलावा और सभी आवश्यक वस्तुएँ है। मेरी उम्र कुछ अधिक हो गई है, यह मै

स्वीकार करता हूँ, इसीलिये कहता हूँ कि मान लो अगर कल मै इस दुनिया मे न रहूँ तो मेरा यह सब कुछ उसका होगा और जब तक मै जीवित हूँ तब तक वह सिर्फ मेरी बनकर रहेगी।

ट्रेनियो : यह अधिक कुछ नही, मेरी बात सुनिये श्रीमान्! मै अपने पिता का इकलौता पुत्र और उनकी सम्पत्ति का एकमात्र उत्तराधिकारी हूँ। अगर आप अपनी पुत्री का विवाह मेरे साथ कर दे तो मै पीसा के अन्दर ऐसे तीन या चार मकान उसके अधिकार में दे दूंगा जैसा वृद्ध ग्रेमियो का पैडुआ मे एक मकान है, और इनके अलावा उपजाऊ भूमि से दो हजार ड्यूकेट की वार्षिक आय होती है, वह भी मै इन्ही को दे दूंगा। मेरी मृत्यु के पश्चात् वे ही सबकी स्वामिनी बनेगी। कहिये श्रीमान् ग्रेमियो! क्या मैने यह कहकर आपका दिल दुखाया है?

ग्रेमियो : प्रति वर्ष दो हजार ड्यूकेट की आय भूमि से, मेरी भूमि तो पूरी मिलकर इतनी आय नही देती। उस पर तो उनका अधिकार होगा ही, इसके अलावा मेरा एक बड़ा जहाज है जो यार्सिलीज के बन्दरगाह पर ठहरा हुआ है, उस पर भी इनका अधिकार होगा। अब बताइये, क्या इस जहाज से मैने आपकी बोलती बन्द नही कर दी है?

ट्रेनियो : ग्रेमियो! यह सभी को पता है कि मेरे पिता के पास तीन बडे-बड़े जहाज है और उनके अलावा दो बहुत तेज चलने वाले जहाज है और बारह नावे है, इन सब को मै उन्हे देता हूँ और इसके बाद जो तुम देने का आश्वासन दोगे, उससे दूना मैं दूंगा।

ग्रेमियो : जो कुछ भी मेरे पास था, वह सभी कुछ देने का आश्वासन मैं दे चुका; बस, इसके अलावा मै और कुछ नही दे सकता। अगर आप चाहे तो बियाका का विवाह मेरे साथ कर दीजिये।

मेरी सारी सम्पत्ति की और मेरी स्वामिनी वनकर रहेगी वह।

ट्रेनियो : तब तो आपके दृढ निश्चय के अनुसार बियाका पर मेरा अधिकार है। ग्रेमियो तो बाजी हार गए।

बैप्टिस्टा · मै यह स्वीकार करता हूँ कि आपका आश्वासन ही सबसे ऊचा है और अगर आपके पिता भी इस बात को स्वीकार कर ले तो फिर बियॉका आपकी है नही तो मुझे क्षमा करे। अगर आप अपने पिता से पहले इस ससार से उठ गए तो फिर मेरी बेटी का दहेज कहाँ रहेगा ?

ट्रेनियो यह बेकार की-सी बात है। वे बुड्ढे है, मै जवान हूँ।

ग्रेमियो . तो क्या बुड्ढो की तरह जवान नही मरते है ?

बैप्टिस्टा . अच्छा श्रीमान्! तो अब मैने निश्चय कर लिया है। इस रविवार को तो आप जानते है मेरी बेटी कैथरिना की शादी होने जा रही है, फिर अगले रविवार को आपकी वियॉका के साथ शादी हो जायेगी, अगर आप यह पूरा विश्वास दिला देगे, नही तो फिर श्रीमान् ग्रेमियो ही मेरी बेटी के पति होगे। अच्छा, धन्यवाद आप दोनो को, विदा।

[प्रस्थान]

ग्रेमियो विदा श्रीमान् ! अब मुझे तुम्हारा डर नही है। लडके! अगर तुम्हारा पिता बेवकूफ होगा, तभी तुम्हे इस सारी सम्पत्ति का अधिकार देगा और फिर अपने बुढापे मे तुम्हारा मुहताज रहेगा। हटो, हटो, इटली का एक बूढा बाप इतना मेहरबान नही होता लडके!

[प्रस्थान]

ट्रेनियो : बुड्ढे! तुझसे तो बदला मैने चुका ही लिया लेकिन मै बाते बहुत बढ-चढकर बना गया हूँ। मै तो अपने स्वामी का हर तरह

से हित करने का निश्चय कर चुका हूँ, लेकिन जहाँ तक पिता का सवाल है, बनावटी ल्यूसेंशियो को कोई वनावटी विंसेंशियो ही पिता के रूप मे मिल सकता है, यही एक ताज्जुब है। प्राय. तो बाप शादी के लिए बेटों को तैयार करते है लेकिन यहाँ अगर मै अपनी चाल मे कामयाब हो गया तो एक बेटे को अपने बाप को तैयार करके लाना पड़ेगा।

[प्रस्थान]

तीसरा अंक

दृश्य १

[ल्यूसेंशियो, हौर्टेंशियो तथा बियांका का प्रवेश]

ल्यूसैंशियो : कलाकार ! तुम बहुत आगे बढ आये हो, बस अब काबू मे रखना अपने आपको। क्या तुम इतनी जल्दी भूल गए कि कैथरिना ने तुम्हारा किस तरह से स्वागत किया था ?

हौर्टेंशियो : लेकिन हल्ला मचाने वाले ज्ञानी महोदय ! हमारी सरक्षिका ने तो दिव्य सौन्दर्य पाया है, इसलिए मुझे यह अधिकार दो कि पहले जब मै एक घटे तक इनको गाना-बजाना सिखा लूँ, उसके बाद तुम आराम से अपना ज्ञान इनको देना।

ल्यूसैंशियो : तुम तो पूरे गधे हो जो यह तक नही जानते हो कि सगीत की आवश्यकता क्या है। क्या अध्ययन के पश्चात् जब मनुष्य का मस्तिष्क थक जाता है, उसको ताजा करके उसमे नव-स्फूर्ति जगाना ही सगीत का लक्ष्य नही है ? इसीलिए पहले मुझे दर्शन शास्त्र की शिक्षा दे लेने दो, फिर तुम्हारा अवसर आयेगा, इस बीच तुम अपने तार-वार मिलाकर पूरी तरह तैयार हो जाना।

हौर्टेंशियो : मै तुम्हारी इन बातों को बरदाश्त नही कर सकता।

बियांका : वाह, भले आदमी ! तुम तो मेरे साथ दूना अन्याय करते हो। एक तो उसी चीज के लिए प्रयत्न करते हो जिसकी मै अपने दिल मे इच्छा रखती हूँ। मै कोई ऐसी वैसी पडिता नही हूँ जैसे स्कूलो मे पिटने वाली होती है। मै वक्त के साथ नही बाँधी जा सकती और न मेरे पढाने का कोई निश्चित समय हो सकता है

बल्कि मेरे पाठ तो जैसे मैं चाहूँगी वैसे पढाने होंगे। इसलिए सारा झगडा यही खत्म करते हुए आओ बैठें। तुम अपना बाजा उठाओ और इसके तार मिलाकर इसे तैयार कर लो। बस इतनी ही देर मे, मैं पढ चुकूगी।

हौर्टेशियो : श्रीमती ! जब मैं बाजा मिला चुकूँ तो आप अपनी पढाई खत्म कर दीजिये।

ल्यूसैशियो : यह कभी नही होगा। हाँ हाँ, मिलाओ अपना बाजा।

बियांका . कहाँ पर छोडा था हमने पिछली बार ?

ल्यूसैशियो : यहाँ पर श्रीमती !

हिक इबैट सिमोइंज, हिक एस्ट सीजिया टैलस,
हिक स्टेटरैट प्रियामी रेगिया सेलसा सेनिस।'[1]

बियांका : इसका मतलब बताइये।

ल्यूसैशियो : 'हिक इबैट' का मतलब है—जैसा मैंने पहले आपसे कहा था। 'सियोइज' का मतलब है—मैं ल्यूसैशियो हूँ। 'हिक एस्ट' का मतलब है–पीसा के विसैशियो का पुत्र हूँ। 'सीजिया टैलस' का मतलब है–आपका प्रेम प्राप्त करने के लिए वेश बदलकर आया हूँ। 'हिक स्टेटरैट' का मतलब है–जो ल्यूसैशियो आपके पास अपना प्रेम प्रदर्शित करने आता है। 'प्रियामी' का मतलब

---

१. यह ओविड की ऐपिस्टोले का पद है। इसका अर्थ है : 'यहाँ सिमोइज नदी बहती थी। यह सीजिया का देश है। वृद्ध प्रियाम का ऊँचा प्रासाद यहाँ स्थित था।' हमने मूल लैटिन को देवनागरीलिपि में लिख दिया है, क्योंकि इन शब्दों का सही अर्थ पहले ही बियांका के सामने खुलने से तो घटनास्थल का सारा आनन्द चला जाता है और ल्यूसैशियो की चालाकी पर भी प्रकाश नहीं पड़ता है। ल्यूसैशियो बियांका का प्रेम जीतने के लिए उक्त पंक्ति का गलत अर्थ बताता है।

है—वह मेरा ही आदमी ट्रेनियो है। 'रेगिया' का मतलब है—वह मेरी ही वेश-भूषा धारण किये हुए है। 'सेल्सा सेनिस' का मतलब है—जिसमे हम इस बेवकूफ बुड्ढे को चक्कर मे डालकर बहका सके।

हौर्टेंशियो : श्रीमती ! मैने अपना बाजा मिला लिया है।

बियांका : सुनाओ तो। ओह दूर, दूर, तिगुना बेसुरा है।

ल्यूसैंशियो : लानत है, इस सधे मे थूको और फिर मिलाओ इसको।

बियांका : अच्छा तो अब मै देखती हूँ कि मै इसका मतलब लगा पाती हूँ या नही।

'हिक इबैंट सियोइज'—इसका मतलब है—मै आपको नहीं जानती।

'हिक एस्ट सीजिया टैलस'—इसका मतलब है—मै आपके ऊपर विश्वास नही करती।

'हिक स्टेटरैंट प्रियामी'—इसका मतलब है—ध्यान रखना कही वह हमारी बाते न सुन ले।

'रेगिया'—इसका मतलब है—पूरा भरोसा मत करिये।

'सेल्सा सेनिस'—इसका मतलब है—निराश मत होइये।

हौर्टेंशियो : श्रीमती ! अब बाजा अच्छी तरह मिल चुका है।

ल्यूसैंशियो : सब ठीक है, सिर्फ पहला स्वर ठीक नही है।

हौर्टेंशियो : पहला स्वर तो ठीक है, अब तो पहले दर्जे का धूर्त और कमीना[1] ही बेसुरा है। हमारे ज्ञानी पंडित भी कैसे उतावले और चालाक है। सच, यह धूर्त तो मेरी प्रिया को अपने वश मे करने का प्रयत्न कर रहा है। पडित अब मै और भी अच्छी तरह से

---

१. Base : इस शब्द को लेकर पन (द्व्यर्थक शब्द) का प्रयोग किया गया है। इसके दो अर्थ हैं : पहला स्वर यानी मलाधार का स्वर, दूसरा मतलब है कमीना।

तुम्हारे ऊपर निगरानी रखूँगा।

बियांका : हो सकता है, समय आने पर मै इस पर विश्वास कर लूँ लेकिन अब तो मुझे विश्वास नही होता।

ल्यूसैंशियो : अविश्वास मत करिये क्योकि यह निश्चय मानिये कि एजैक्स ही ईसाइडीज था जिसका नाम उसके पूर्वज के नाम पर पड़ा था।

बियांका : मेरे अध्यापक की बात को मुझे स्वीकार कर ही लेना चाहिये नही तो मै सच कहती हूँ, अभी भी मै इस बात पर शका और तर्क उठा सकती हूँ, लेकिन छोड़िये इसको। हॉ लीसियो ! अब आपकी बारी है। मेरे अच्छे मास्टर ! कृपया इस बात का बुरा न मानिये कि मैने आप दोनों के प्रति बराबर का सौहार्द्र दिखाया है।

हौर्टेंशियो : अब आप जा सकते है क्योकि मेरा संगीत तीन अलग-अलग तरह की आवाजों के लिये नही है।

ल्यूसैंशियो : अच्छा श्रीमान् ! इतनी तरतीब वाले आदमी है तो फिर मुझे यहॉ रुककर सब कुछ देखना चाहिये नही तो अवश्य मेरे साथ धोखा हो जायेगा। हमारे संगीतज्ञ महाशय तो पूरे प्रेमी बन रहे है।

हौर्टेंशियो : श्रीमती ! इससे पहले कि आप इस साज पर उँगली रखना सीखे मै आपको कला की मूल बाते समझाना चाहता हूँ। पहले तो थोड़े मे ही आपको पूरी सरगम बताता हूँ। मुझसे अच्छी तरह और कोई सगीतज्ञ आपको नही बता सकता। देखिये, बडी खूबसूरती से वह लिखी हुई है।

बियांका : लेकिन मै तो यह सरगम वगैरह बहुत पहले ही सीख चुकी हूँ।

हौर्टेंशियो : लेकिन अब आप हौर्टेंशियो की सरगम सीखिये।

बियांका : सरगम तो मै हूँ। सभी स्वरो का आधार मै ही हूँ। हाँ, 'ए रे' यानी हौर्टेंशियो के प्रेम के लिये प्रार्थना करना।

'बी नी'—बियाका ! उसे अपना पति मान लो।

'सी घा उट'—जो अपने हृदय का सारा प्रेम तुम्हे देता है।

'डी सोल रे'—एक तान, दो स्वर है मेरे पास।

'ई ला मो'—या तो मेरे ऊपर रहम करो नही तो मै मरता हूँ।

क्या इसे ही आप सरगम कहते है ?

हिश ! मुझे यह पसद नही है। मुझे तो पुराने कायदे ही सबसे अच्छे लगते है। मै इतनी अच्छी तो नही हूँ कि इन बेहूदी नई इजादो के पीछे सच्चे कायदो को बदल दूँ।

[एक सदेशवाहक का प्रवेश]

सेवक : श्रीमती ! आपके पिता का सदेश है कि आप अपनी पुस्तके छोडकर अपनी बहिन के कमरे को सजाने मे मदद करिये, क्योकि आप तो जानती ही हैं कल शादी का दिन है।

बियांका : अच्छा, मेरे अच्छे अध्यापको ! मै आप लोगों से विदा चाहती हूँ।

[बियाका तथा सेवक का प्रस्थान]

ल्यूसेंशियो : अच्छा तो श्रीमती ! फिर यहाँ ठहरने की मुझे भी क्या आवश्यकता है।

[प्रस्थान]

हौर्टेंशियो : लेकिन मुझे तो इस ढोगी पडित की अच्छी तरह जाँच करने की आवश्यकता है। मेरे विचार से तो इसको देखने से लगता है कि यह प्यार मे डूबा हुआ है। लेकिन फिर भी बियाका यदि तू इतनी विनम्र है कि हर एक मामूली से आदमी पर भी

तेरी दृष्टि ठहर जाती है तो फिर उसकी चिन्ता कर कि अगर मैंने तुझे कही इधर-उधर फिरते देखा तो फिर हौर्टेंशियो तुझे लेकर यहाँ से लापता हो जायेगा।

[प्रस्थान]

दृश्य २

[बैप्टिस्टा, ग्रेमियो, ट्रैनियो, कैथरिना, बियांका, ल्यूसैंशियो तथा अन्य सेवकों का प्रवेश]

बैप्टिस्टा : श्रीमान् ल्यूसैंशियो ! कैथरिना और पैट्रूशियो की शादी के लिये आज का ही दिन निश्चित है लेकिन अभी तक हमारे दामाद का कहीं पता नही है। अब क्या कहेगे लोग, क्या-क्या व्यंग्य नही कसे जायेगे ? पादरी तो शादी कराने के लिये तैयार खड़ा है लेकिन वर अभी तक आया ही नही है, ओह ! ल्यूसैंशियो ! अब कहो क्या कहते हो ? कितनी बदनामी होगी हमारी।

केटे : इसमे बदनामी तो सिर्फ मेरी है। मेरी शादी मेरी मर्जी के खिलाफ एक ऐसे आदमी के साथ की जा रही है जो कि सिरफिरा बदमाश है, जिसने मुझसे प्यार दिखाकर शादी की बात तो जल्दी से तय कर ली और अब शादी अपने आराम से करना चाहता है। बड़े ही गुस्से से भरा हुआ है वह। मैंने पहले ही आपसे कहा था कि वह पक्का धूर्त है जो अपने दिखावटी खुले व्यवहार के नीचे अपनी कुटिलता को छिपाये हुए है और अपने आपको एक बहुत ही खुशदिल आदमी बताना चाहता है। वह हजारो से प्रेम करके शादी का दिन तय कर जायेगा, दोस्तों को निमन्त्रित करेगा और चारों तरफ इसकी खबर फैला देगा, लेकिन

शादी उस औरत से कभी नही करेगा जिससे उसने प्रेम किया होगा। अब दुनिया इस अभागी कैथरिना की ओर उँगली उठायेगी और अगर उसने शादी कर ली तो यही कहेगी कि यह देखो उस सिरफिरे पैट्रूशियो की स्त्री।

ट्रेनियो : अच्छी कैथरिना ! धैर्य रखो। बैप्टिस्टा ! आप भी। मै पूरे विश्वास के साथ कहता हूँ कि पैट्रूशियो का ऐसा खराब इरादा नही है चाहे दुर्भाग्यवश वह इस समय अपने वचन को पूरा नही कर पाया है। यद्यपि वह कुछ खुले और रूखे व्यवहार का आदमी तो है लेकिन फिर भी यह मै जानता हूँ कि वडा बुद्धिमान है। यद्यपि वह पूरा मजाकिया है लेकिन फिर भी ईमानदार पूरा है।

केटे : जैसे कि कैथरिना ने तो उसे कभी देखा ही नही है।

[रोती हुई जाती है, पीछे से बियांका तथा अन्य सभी भी चले जाते हैं।]

बैप्टिस्टा : जा बेटी ! इस रोने के ऊपर मै तुझपर किसी तरह का दोष नही लगा सकता क्योकि इस तरह के आघात से तो एक साधु की आत्मा भी दुःखी होकर रो उठेगी, फिर तेरी जैसी कर्कशा और उत्तेजित स्वभाव की स्त्री तो और भी अधिक रोयेगी ही।

[बॉइंडैलो का प्रवेश]

बॉइंडैलो : स्वामी ! स्वामी ! समाचार, ऐसा समाचार जैसा आपने कभी नही सुना होगा।

बैप्टिस्टा : क्या यह नया और पुराना दोनो तरह का है ? यह कैसे हो सकता है ?

बॉइंडैलो : श्रीमान् ! क्या यह पैट्रूशियो के आने का समाचार नही है ?

बैप्टिस्टा : क्या वह आ गया है ?

बॉइंडैलो : जी नही, श्रीमान् !

बैप्टिस्टा : तो फिर ?

बॉइंडैलो : वे आ रहे हैं।

बैप्टिस्टा : तो कब तक आ जायेंगे वे ?

बॉइंडैलो : जबकि वे आकर वहाँ खड़े हो जायेंगे जहाँ मैं हूँ और आपको वहाँ देखने लगेंगे।

ट्रैनियो : लेकिन यह तो बताओ, तुम्हारे उस पुराने समाचार का क्या हुआ ?

बॉइंडैलो : पैट्रूशियो आ रहे हैं। नया तो उनका टोप है और पुरानी जर्किन है, तीन बार उलटी हुई पुरानी बिरजिस है, जूते हैं जोकि बिल्कुल बत्तियों के बचे हुए जले टुकड़े रखने के खोखे लगते हैं जिनमे एक मे तो बक्सुआ लगा हुआ है, तो दूसरा फीते से बँधा हुआ है, एक पुरानी जंग लगी तलवार है, जो शायद किसी पुराने शस्त्रागार से निकालकर लाई गई है जहाँ पर वक्त जरूरत के लिये ऐसी चीजे रखी रहती है। फिर उस तलवार की मूँठ भी टूटी हुई है और नीचे म्यान का फौलादी सिरा भी साफ है, दोनों धारे भी उसकी टूटी हुई है। उनके पास एक घोडा है जिस पर एक बहुत पुरानी दीमक चटी हुई जीन है और बुरी-सी रकाब है। इसके अलावा उसकी गरदन के नीचे का हिस्सा सूजा हुआ है, मुँह के अन्दर भी जैसे साँस लेते समय नथने उठते हैं वैसी सूजन है, शरीर भी सूजा हुआ है, पूँछ की तरफ भी कुछ बीमारी है, पीछे के पैरो के जोड़ पर भी सूजन है, पीलिया की बीमारी और है, फिर कानों के पीछे जो सूजन है उसका तो कोई इलाज ही नही है अब, और इसी कारण वह पूरी तरह परेशान है, पेट

मे कीड़े है उसके जो पीछे की तरफ जमे हुए है, कधे कुछ ऊबड़-खाबड़ है, आगे के पैरो के घुटने एक दूसरे से टकराते है, एक कमजोर-सी लगाम है और वह भी भेड़ की खाल की जो जब कभी घोड़े को लडखड़ाकर गिरने से बचाने के लिये खीची जाती है, फौरन टूट जाती है और फिर गाँठ लगाकर उसको जोडा जाता है। जीन कसने का फीता कोई छ. टुकडे जोडकर बनाया गया है और जीन को पूछ से बाँधने के लिये एक फीता है जैसा स्त्रियाँ अपने घोडो की जीनो के साथ लगाती है जिस पर उनके नाम के दो अक्षर लिखे रहते है। उस पर भी, धातु पर वे अक्षर लिखे हुए लगे है, फिर वह इतनी पुरानी चीज है कि इधर-उधर से तागो से उसे सीकर ही ठीक रखा गया है।

बैप्टिस्टा . उसके साथ कौन आ रहा है ?

बॉइंडैलो : श्रीमान्, उनका एक नौकर है उनके साथ, बिल्कुल घोड़े की तरह ही उसकी वेशभूषा है। एक पैर मे तो लिनन का मोजा है और दूसरे पैर मे बहुत ही मोटे और खराब कपडे का मोजा चढा हुआ है, फिर दोनो को दो अलग-अलग लाल और नीले फीतों से बाँध रखा है; एक पुराना टोप है, सच वह तो एक पूरा बहुरूपिया है जिसमें चालीस तरह की अजीब बेहूदगियाँ है, बस देखते ही पक्का बदमाश, अवारा लगता है । श्रीमान् ! वह किसी शरीफ आदमी के नौकर जैसा या कोई अच्छे ईसाई किस्म का नौकर जैसा तो लगता ही नही है ।

ट्रैनियो . ऐसा वेश बनाकर वह आया है, तो अवश्य उसके दिमाग मे कोई बडा फितूर है लेकिन फिर भी अक्सर वह इस तरह की गन्दी और भद्दी वेशभूषा बनाकर तो आता-जाता है ।

बैप्टिस्टा : मुझे तो इसी मे खुशी है कि चाहे जैसे भी आया, वह आया तो सही।

बॉइंडैलो : जी श्रीमान् ! वे तो नही आ रहे है।

बैप्टिस्टा : क्या तुमने अभी नही कहा था कि वह आ रहा है ?

बॉइंडैलो : किसके लिये कहा था ? क्या पैट्रूशियो के लिये ?

बैप्टिस्टा : हाँ पैट्रूशियो के लिये।

बॉइंडैलो : जी नही श्रीमान् वे नही, उनका घोड़ा, उसके साथ उसकी पीठ पर आ रहे है।

बैप्टिस्टा : हाँ, हाँ, वह एक ही है।

बॉइंडैलो : जी नही, मै सेन्ट जेमी की सौगन्ध खाकर शर्त बदता हूँ कि एक आदमी और एक घोड़ा मिलकर एक से ज्यादा होते है, फिर भी बहुत नही कह सकते उन्हे।

[पैट्रूशियो तथा ग्रूमियो का प्रवेश]

पैट्रूशियो : कहाँ है सब लोग ? कोई है घर पर ?

बैप्टिस्टा : आपका स्वागत है श्रीमान् !

पैट्रूशियो : लेकिन मेरा आगमन फिर भी शुभ नही रहा।

बैप्टिस्टा : फिर भी आप रुके तो नही रास्ते मे।

ट्रैनियो : जैसा मै चाहता था वैसे अच्छे कपड़े आप नही पहने हुए है।

पैट्रूशियो : अगर ये इनसे अच्छे होते तो मै इस तरह झपटता; लेकिन केटे कहाँ है ? मेरी प्रिया कहाँ है ? मेरे पिता कैसे है ? श्रीमान्, मुझे लगता है, आप लोग कुछ क्रुद्ध है और हमको आप इस तरह से देख रहे है जैसे मानो कोई अजनबी शिला-लेख हो या कोई पुच्छल तारा या कोई असाधारण दैत्य दिखाई दे रहा हो। क्या कारण है इसका ?

बैप्टिस्टा : श्रीमान्, आप तो यह जानते ही है कि आज आपकी शादी

का दिन है। पहले तो हमको यही सोचकर दुःख हुआ था कि आप नही आयेगे लेकिन अब इससे भी अधिक दुःख इस बात का है कि आप बिना किसी तरह की तैयारी के आये है। अपनी हालत पर आपको शर्म आनी चाहिये। उतार दीजिये इन कपडो को। इस खुशी के दिन यह क्या हृदय दुखाने वाला रूप आपने बनाया है ?

ट्रैनियो : यह बताइये कि ऐसा कौन-सा महत्वपूर्ण कार्य आपको लग गया था कि आप अभी तक नही आ पाये और फिर आये भी तो इस वेश मे जिसमे हमने आपको कभी नही देखा था ?

पैट्रूशियो : यह सब कुछ बताना कठिन कार्य है और फिर इतना असह्य है कि आप सुन भी नही पायेगे, बस अब तो इतना कहना ही पर्याप्त है कि मै अपने वचन का पालन करने के लिये आ पहुँचा हूँ, कुछ देरी मुझे अवश्य लगी लेकिन कभी आराम से बैठकर मै इसका कारण बताऊँगा जिससे आपको पूरा संतोष हो जायेगा लेकिन केटे कहाँ है ? बहुत देर हो गई, वह अभी तक नही आई। सुबह का समय निकला जा रहा है, इस समय तो हमको गिर्जा-घर पहुँच जाना चाहिये था।

ट्रैनियो : अपनी इस अजीब भद्दी पोशाक मे अपनी वधू से मत मिलिये, जाइये मेरे घर जाकर मेरे कपडे पहन आइये।

पैट्रूशियो : नही, मै ऐसा कभी नही करूँगा। इसी वेश मे मै उससे मिलूगा।

बैप्टिस्टा : लेकिन इस तरह से मै सोचता हूँ आप उसके साथ शादी नही कर पायेगे।

पैट्रूशियो : अच्छा तो आप ऐसी बाते करेगे, बस अब काफी हो चुका। उसकी शादी मुझसे होनी है न कि मेरे कपड़ों से। जैसे मै अपने

इन भद्दे कपड़ो को बदल सकता हूँ वैसे ही यदि जो कुछ भी कमी वह मुझमे कर देगी उसको मै पूरा कर सकू तो केटे के लिये तो अच्छा है ही, मेरे लिये और भी अच्छा है, लेकिन मै भी कैसा गधा हूँ कि उस वक्त आपसे बातें कर रहा हूँ जबकि मुझे जाकर अपनी पत्नी को नमस्ते करनी चाहिये और उसका प्यार लेकर इस सबको पक्का करना चाहिये।

[प्रस्थान]

[पैट्रूशियो, ग्रूमियो और बॉइंडेलो का प्रस्थान]

ट्रेनियो : इस पागलपन की पोशाक के पीछे भी इसका कोई रहस्य अवश्य है लेकिन फिर भी गिर्जाघर जाने से पहले हम पूरी कोशिश करेंगे कि यह अच्छे कपड़े पहन ले।

बैप्टिस्टा . मै इसके पीछे जाकर सारी बात देखता हूँ।

[प्रस्थान]

[सभी का प्रस्थान। केवल ट्रेनियो और ल्यूसैंशियो रह जाते है]

ट्रेनियो : लेकिन श्रीमान्! इस प्रेम की सफलता के लिये हमे उसके पिता को अवश्य सतुष्ट करना पड़ेगा और उसके लिये जैसा मैने आपसे पहले कहा था कि चाहे कही मिले मुझे एक ऐसा आदमी तलाश करना है जो पीसा का विंसैंशियो बनकर यहाँ पैडुआ मे उससे भी अधिक धन और सम्पत्ति का आश्वासन दे दे जितने का मैने वायदा किया है। इसमें कोई अधिक दिमाग-पच्ची की जरूरत नही होगी। हम उस आदमी को पढ़ा-लिखाकर मौके के लिये तैयार कर लेगे। इस तरह आप निश्चित होकर अपनी प्रेयसी बियाका से विवाह कर सकेगे जिसके लिये वह भी सहर्ष तैयार हो जायेगी।

ल्यूसैंशियो : अगर वह मेरा साथी अध्यापक बियाका के पीछे अपनी

निगाह नही लगाये होता तो मै तो छिपे तौर से उससे शादी कर लेता और एक बार जब शादी हो जाती तो फिर चाहे सारी दुनिया नही मानती मै तो दुनिया की परवाह न करते हुए अपनी बात पर जमा ही रहता ।

ट्रैनियो : उसके लिये हम सीढ़ी दर सीढी चलकर इसमे अपना फायदा देखते हुए बढना चाहते है । पहले तो बुड्ढे ग्रेमियो को, फिर उसके बाप मिनोला को जिसको कम दीखता है, और फिर उस प्रेम मे डूबे हुए विचित्र मूर्ख सगीतज्ञ को पीछे छोडकर मेरे स्वामी ल्यूसेंशियो के लिये आगे बढना पड़ेगा ।

[ग्रेमियो का प्रवेश]

श्रीमान ग्रेमियो ! क्या आप गिर्जाघर से वापस आये है ?

ग्रेमियो : जी हाँ, वही से तो ।

ट्रैनियो : क्या वर और वधू घर की ओर आ रहे है ?

ग्रेमियो : वर कहते है, आप उसको ? हाँ, हाँ, निस्संदेह, वर तो वह है, बहुत ही बड़बडाने वाला वर है, लड़की की उसके साथ शादी हो गई है ।

ट्रैनियो : क्या उससे भी अधिक सिरफिरा और बदमाश है ? नही, नही, यह तो असम्भव है ।

ग्रेमियो : अरे, पूरा धूर्त है, छटा हुआ बदमाश, बिलकुल पिशाच है ।

ट्रैनियो : लेकिन वह भी तो पूरी धूर्त, बदमाश और एक पिशाच की अम्मा है ।

ग्रेमियो : वह, वह तो उसके सामने एक मेमने जैसी है, छोटे सफेद कबूतर की तरह शान्त और सीधी है, सच ।उसके आगे तो वह बेवकूफ है । मै आपको बताता हूँ श्रीमान् ल्यूसेंशियो । जब पादरी ने यह पूछा कि क्या कैथरिना को अपनी पत्नी के रूप मे

वह स्वीकार करता है तो वह कहने लगा—सच, ईसामसीह की सौगन्ध। इतनी जोर से पुकारकर सौगन्ध खाई थी उसने कि एक साथ सभी लोग चौक पड़े, पादरी के हाथ से किताब गिर पड़ी और जब वह उसको उठाने के लिये नीचे झुका तो उस सिरफिरे वर ने उसको ऐसा थप्पड़ दिया कि किताब सहित बेचारा पादरी जमीन पर गिर पड़ा। इसके बाद कहने लगा कि अगर कोई चाहे तो इन्हे उठा ले।

ट्रेनियो : लेकिन उस लड़की ने उस समय क्या कहा जबकि वह उठकर फिर खड़ा हो गया था ?

ग्रेमियो : काँपने लगी थरथर। उस आदमी ने पहले तो अपना पैर उठाकर धमाके के साथ जमीन पर मारा, फिर उसने इस तरह सौगन्ध खाई जैसे मानो कि 'विकार' उसे किसी तरह धोखा देना चाहता हो लेकिन शादी की जब बहुत-सी रस्मे हो चुकी तो वह शराब माँगने लगा, कहने लगा—मेरी तन्दुरुस्ती की खुराक ! जैसे कि मानो वह बाहर इसी तरह हल्ला और तूफान मचाकर अपने दोस्तो के साथ शराब पीता रहा है। उस कीमती शराब को जो उसके लिये लाई गई थी, वह पी गया और फिर उस प्याले मे बचे 'केक' के टुकड़ो को उस पादरी के मुँह पर फेक दिया। उसका कोई दूसरा कारण नही था, सिर्फ यही था कि उसकी दाढ़ी पतली पड़ गई थी, जब वह शराब पी रहा था तो लगता था कि मानो वह भूखी दाढ़ी इन 'केक' के टुकड़ों को माँग रही थी। यह सब कुछ करने के बाद उसने अपनी दुल्हिन को गरदन पर से पकड़ा और उसके ओठों को इतनी जोर से चूमा कि उसकी आवाज पूरे गिर्जाघर मे गूंज गई। यह देखकर मै तो शरम के मारे वहाँ से चला आया और मेरे विचार से मेरे पीछे

सभी लोग आ रहे हैं। ऐसी अजीब बेहूदी शादी तो पहले कभी नही हुई। सुनिये, सुनिये, मुझे बाजो की आवाज सुनाई पड़ रही है।

[संगीत की ध्वनि उठती है।]

[पैट्रूशियो, केटे, बियांका, होर्टेंशियो, बैप्टिस्टा, ग्रूमियो और अन्य सभी का प्रवेश]

पैट्रूशियो : मित्रो और सज्जनो ! आपने जो कष्ट उठाया है उसके लिये मैं आपको धन्यवाद देता हूँ। मैं जानता हूँ, आप लोग आज मेरे साथ दावत खाना चाहते हैं और आप लोगो ने शादी के जलसे के लिये भी काफी तैयारी की है लेकिन यह होते हुए भी मुझे किसी कार्यवश यहाँ से शीघ्र जाना है अतः मैं आपसे आज्ञा चाहता हूँ।

बैप्टिस्टा . क्या यह कभी सम्भव हो सकता है कि आप आज रात को ही यहाँ से चले जाये ?

पैट्रूशियो : रात की कहते हैं ? श्रीमान् ! रात आने से पहले ही मुझे यहाँ से चले जाना चाहिये। आश्चर्य मत करिये। अगर आपको उस कार्य के बारे में पता होता जिसके लिये मुझे जाना है, तो यहाँ से रोकने की बजाय मुझसे जाने का आग्रह करते। अच्छा, मेरे अच्छे मित्रो ! आप सभी को धन्यवाद ! जिन्होंने मुझे अनुगृहीत किया है, वे कृपया मेरी गुणवती, सरल और मधुर व्यवहार वाली पत्नी के साथ मुझे जाने की आज्ञा प्रदान करें। मेरे पिता के साथ आप दावत खाइये और मेरी सेहत के लिये शराब का प्याला पीजिये। अब मैं चलता हूँ, विदा।

ट्रेनियो : हमारी प्रार्थना मानकर कृपया दावत तक तो रुक जाइये।

पैट्रूशियो : यह नही हो सकेगा।

ग्रेमियो : मेरी प्रार्थना ही स्वीकार करिये।

पैट्रूशियो : जी नही, यह किसी हालत मे नही हो सकता।

केटे : मै आपसे प्रार्थना करती हूँ।

पैट्रूशियो : मै अब राजी हूँ।

केटे : क्या आप यहाँ ठहरने के लिये राजी है ?

पैट्रूशियो : मै इसलिये राजी हूँ कि तुमने मुझसे ठहरने के लिये प्रार्थना की; लेकिन फिर भी तुम कितनी भी प्रार्थना करो ठहर नहीं सकता।

केटे : अच्छा, तो अब अगर आप मुझसे प्यार करते है तो ठहर जाइये।

पैट्रूशियो : ग्रूमियो ! मेरा घोड़ा।

ग्रूमियो : जी श्रीमान् ! सब तैयार है। घास ने घोड़े खा लिये है।

केटे ठीक है तो, जो आपसे किया जाय वह करिये मै आज यहाँ से नही जाऊँगी, न कल जाऊँगी, यानी अब तो मेरी मर्जी आयेगी तब जाऊँगी। आपके लिये दरवाजा खुला है और वह आपका रास्ता है, जब आपका जी चाहे चले जाइये। मै तब तक नही जाऊँगी जब तक मेरा जी नहीं चाहेगा। आप पहले पहल जिस तरह का बर्ताव कर रहे है, उससे लगता है आप खुशदिल और गुस्सैल दोनों तरह के आदमी निकलेगे।

पैट्रूशियो : ओ केटे ! इतनी नाराज मत होओ।

केटे : मै नाराज होऊँगी, आपको इससे क्या ?
पिता ! आप धैर्य रखिये, मै जब तक ठहरूँगी तब तक इनको यहाँ ठहरना पड़ेगा।

ग्रेमियो : हाँ हाँ, श्रीमान् ! अब तो इस नाराजगी ने अपना काम करना शुरू किया।

केटे : श्रीमान् आप सभी शादी की दावत मे भाग लेने के लिये चले। सच है, अगर स्त्री मे विरोध करने की सामर्थ्य नही होती है तो वह पुरुष के हाथों मूर्ख बन जाती है।

पैट्रूशियो : केटे ! वे तो तुम्हारे कहते ही चले जायेगे। हाँ, सज्जनो ! आप लोग दुल्हिन की आज्ञा का पालन करिये। दावत मे भाग लेने जाइये, खूब खुशी मनाइये और भर-भर प्याले शराब पीजिये, दुल्हिन की सेहत के लिये। इतनी खुशी मनाइये कि पी-पीकर पागल हो जाइये और फिर अपने गले मे फाँसी का फन्दा लगा लीजिये। लेकिन मेरी दुबली-पतली केटे तो मेरे साथ ही रहेगी।

हाँ-हाँ, घूरिये मत मुझको, गुस्सा मत होइये, जो मेरी अपनी चीज है, उसका तो मालिक मै ही हूँ। केटे मेरी चीज है, मेरी जायदाद है। वह मेरा घर है, मेरे घर का सारा सामान है। मेरे खेत, खलिहान, घोड़ा, बैल, गधा और जो कुछ भी मेरा है, सब वही है। यह खड़ी है, मेरी केटे। किसी की हिम्मत हो तो आगे बढकर उसके हाथ लगाये। बहादुर से बहादुर कोई भी आकर पैडुआ मे मेरा रास्ता रोकेगा तो फिर मै उसको मजा चखाऊँगा।

ग्रूमियो ! खीच ले अपना हथियार। हम चोरो के बीच घिर गये है। अगर तू एक मर्द है तो अपनी मालकिन को इनके बीच से छुडा ले जा। मेरी केटे ! डरो नही, कोई तुम्हे नही छू सकता। दस लाख आदमी भी आ जाये उनसे भी मै तुम्हारी रक्षा कर सकता हूँ।

[पैट्रूशियो, कैथरिना और ग्रूमियो का प्रस्थान]

बैप्टिस्टा : शान्तिपूर्ण प्राणियो के इस जोड़े को जाने भी दीजिये।

ग्रेमियो : अगर वे यहाँ से जल्दी नही गये तो सच मै तो हँसते-हँसते मर जाऊँगा।

ट्रैनियो : बड़े-बड़े सिरफिरों के जोड़े देखे लेकिन ऐसा तो शायद कही नही मिला।

बियांका : कि जिस तरह मेरी बहिन का सिर फिरा हुआ है, इसी तरह के सिरफिरे के साथ उसकी शादी हुई।

ग्रेमिओ : मै यह दावे के साथ कहता हूँ कि पैट्रूशियो पर भी केटे का असर पूरी तरह आ गया।

बैप्टिस्टा : मित्रो ! यद्यपि इस दावत मे दुल्हा और दुल्हिन अपने स्थान को सुशोभित करने के लिये उपस्थित नहीं है, लेकिन फिर भी किसी तरह के पदार्थो की कमी नही है।

ल्यूसैशियो ! आप तो दुल्हा का स्थान ग्रहण करेंगे और बियाका अपनी बहिन का रिक्त स्थान ग्रहण करेगी।

ट्रैनियो : क्या सुन्दरी बियांका दुल्हिन बनने का अभ्यास करेगी ?

बैप्टिस्टा : अवश्य ल्यूसैशियो ! आइये श्रीमान्, चले यहाँ से।

[प्रस्थान]

चौथा अंक

दृश्य १

[ग्रूमियो का प्रवेश]

ग्रूमियो : इन सभी विक्षिप्त प्राणियो पर, सिर-फिरे मालिको पर और तमाम तरह के गन्दे तरीको पर तो शैतान की मार पड़े। क्या कभी भी किसी आदमी को इस बुरी तरह पीटा गया है ? क्या कभी भी किसी पर इतनी धूल डाली गई है ? क्या कभी भी आदमी इतना परेशान हुआ है ? मुझे पहले आग जलाने के लिये भेजा गया है और वे पीछे से अपने आपको गरमाने के लिये आ रहे है। अब अगर मै एक छोटा-सा घडा नही होता जो जल्दी से गरम हो जाता है तो सच, मेरे ओठ मेरे दाँतो तक जम जाते, जीभ तालु से चिपक जाती, दिल पेट मे घुस जाता। कही आग के पास अपने आपको गरम करने के लिये आता उससे पहले तो यह सब कुछ हो लेता लेकिन अब मै आग मे फूंक देता हुआ अपने आपको गरम करूँगा। मौसम तो इतना खराब है कि अगर मुझसे भी कोई ताकतवर आदमी होता, उसको भी जुकाम हो गया होता। अरे, कर्टिस ! कहो।

[कर्टिस का प्रवेश]

कर्टिस · कौन है जो इतने ठडे तरीके से बोल रहा है ?

ग्रूमियो . एक बरफ का टुकड़ा है। अगर तुमको सन्देह हो तो मेरे कन्धे से एडी तक फिसल सकते हो, भागने की भी अधिक आवश्यकता नही है, सिर्फ मेरा सिर और गरदन है ?

दोस्त कर्टिस ! आग जलानी है ।

कर्टिस : क्या मेरे स्वामी और स्वामिनी आ रहे है ग्रूमियो ?

ग्रूमियो : हाँ हाँ, कर्टिस ! इसीलिये आग की आवश्यकता है । देखो पानी मत डालना ।

कर्टिस : क्या उस कर्कशा का मिजाज उतना ही गरम है जैसा उसके बारे मे कहा जाता है ?

ग्रूमियो : इस पाले पडने से पहले तो वह अच्छी थी लेकिन तुम जानते हो कर्टिस ! जाड़ा तो आदमी, औरत और जानवर सबको अपने काबू मे कर लेता है क्योकि इसने मेरे नये स्वामी, नई स्वामिनी और मुझ स्वयं को अपने वश मे कर लिया है ।

कर्टिस : दूर हट, तीन इची बेवकूफ ! मै कोई जानवर नही हूँ ।

ग्रूमियो : क्या मै बस तीन इंच का ही हूँ ? अरे तुम्हारा सीग ही एक फुट का होगा । बस उतना ही लम्बा तो कम से कम मै हूँ। लेकिन क्या तुम आग जला दोगे या स्वामिनी से तुम्हारी शिकायत करूँ जिनके हाथों का करारापन तुम्हे अभी पता चल जायेगा, बस वे पास आ ही गई है। अपने इस काम मे सुस्ती करने का नतीजा यही मिलेगा कि जाड़े मे इन करारे हाथो से थोड़ा आराम मिल जायगा ।

कर्टिस : दोस्त ग्रूमियो ! यह बताओ, दुनिया कैसे चल रही है ?

ग्रूमियो : कर्टिस ! बस सारी दुनिया ठडी पड़ी हुई है, गरम होने का काम तो तुम्हारा है इसलिये आग जला दो। जो तुम्हारा कर्त्तव्य है उसका पालन करो क्योकि स्वामी और स्वामिनी ठंड से बिलकुल मर गये होगे ।

कर्टिस : आग तैयार है, इसलिये दोस्त ग्रूमियो ! अब समाचार सुनाओ ।

ग्रूमियो : हाँ हाँ लडके ! तुम चाहोगे उतने समाचार बताऊँगा तुम्हे ।
कर्टिस : पूरे धूर्त हो तुम ।
ग्रूमियो · इसीलिये कहता हूँ, आग जलाओ, मुझे तो बड़ी ठड लग गई है । वह बावर्ची कहाँ है ? क्या खाना तैयार है ? क्या मकान की सफाई हो चुकी है ? क्या फर्शो पर नई हरियाली छाँट दी गई है ? क्या मकडियो के जाले निकाल दिये गये है ? सभी नौकर तो अपनी नई पोशाक मे है न ? क्या सफेद मोजे पहन रखे है उन्होने और क्या हरएक अधिकारी ने अपनी शादी के कपडे पहन लिये है ? और चमडे का बर्तन[1] अन्दर हो तो फिर पैक बाहर होना चाहिये । इनके अलावा क्या कालीन बिछ गये ? सभी चीजे तरतीब से है न ?
कर्टिस . सब ठीक है, इसलिये कृपा करके अब तो कोई समाचार सुना दो ।
ग्रूमियो पहले तो यह जान लो कि मेरा घोड़ा थक गया है । मेरे स्वामी और स्वामिनी दोनो उस पर से गिर चुके है ।
कर्टिस कैसे ?
ग्रूमियो अपनी जीनो पर से उछलकर धूल मे जा गिरे और उसका एक पूरा किस्सा है ।
कर्टिस सुनाओ दोस्त ।
ग्रूमियो अच्छा तो सुनो ।
कर्टिस : यहाँ !

---

१. Jacks & Jills : इन शब्दो के अर्थ है—Jacks—चमड़े का बर्तन, Jills—शराब नापने का पैक । इन पर पन (द्व्यर्थक शब्द) का प्रयोग किया गया है क्योकि इनसे लडके और लड़कियों का भी अर्थ लगता है ।

ग्रूमियो : वहाँ ।

कर्टिस : यह तो कोई कहानी सुनना नही है, उसका अनुभव करना है ।

ग्रूमियो इसीलिये इसको अक्लमंदी की कहानी कहा जाता है और यह झटका तो तुम्हारे कानों को हिलाकर तुम्हे सुनने के लिये प्रेरित करने को था । अब मै शुरू करता हूँ । पहले पहल तो हम एक ऊबड-खाबड बुरी पहाडी के नीचे आये, मेरे स्वामी स्वामिनी के पीछे घोडे पर चढ़े आ रहे थे ।

कर्टिस : दोनो एक ही घोडे पर ?

ग्रूमियो . तुम्हे क्या इससे ?

कर्टिस : एक घोड़ा क्यो ?

ग्रूमियो : अच्छा तो अब तुम कहो कहानी । अगर तुमने मुझे बीच मे टोका नही होता तो तुम सुनते कि किस तरह स्वामिनी का घोडा गिर पड़ा और वे उस घोड़े के नीचे आ गई । तुमने सुना होता कि वे कैसे दलदल मे गिरी थी जिससे वे पूरी तरह कीचड़ से सन गई और कैसे स्वामी उनको उसी तरह घोडे के नीचे दबे हुए ही छोड आये और फिर कैसे उन्होने मुझे मारा क्योकि स्वामिनी का घोड़ा लडखडाकर गिर पडा था और यह भी तुम सुनते कि कैसे स्वामिनी स्वय उस कीचड़ मे से उठकर मुझे स्वामी की मार से बचाने के लिये आई थी । तुम सुनते कि कैसे स्वामी ने सौगन्धे खाई और स्वामिनी ने भगवान् से प्रार्थना की जैसे पहले कभी नही की थी, फिर कैसे मै चिल्लाया, कैसे वे घोड़े भाग गये, कैसे स्वामिनी की लगाम टूट गई, कैसे जीन कसने की पेटी मुझ से खो गई, इसी तरह की बहुत-सी याद रखने योग्य बाते तुम

सुनते जो अब बिना किसी के सामने आये वैसे ही शून्य में नष्ट हो जायेगी और तुम मरोगे तब भी अनुभवहीन ही रहकर अपनी कब्र मे जाओगे।

कर्टिस इस हिसाब से तो स्वामी स्वामिनी से कही अधिक बिगड़े-दिल आदमी है।

ग्रूमियो बिलकुल, और इसका निश्चय तुम्हे और तुममे से ऊँचे से ऊँचे घमण्डी को उस समय हो जायगा जब वे यहाँ आ जायेंगे। लेकिन मै इसकी क्या बाते कर रहा हूँ? नैथेनियल, जोसफ, निकोलस, फिलिप, वॉल्टर, शुगरसोप और अन्य सभी को बुलाओ। उन सभी के बाल अच्छी तरह कढे होने चाहिएँ, नीले कोटो पर ब्रुश से सफाई होनी चाहिये और मोजो के फीते अच्छी तरह बँधे होने चाहिएँ और स्वागत में उन्हे अपने बाये पैर ही झुकाने चाहिएँ, और जब तक वे अपने हाथो को चूम न ले तब तक स्वामी के घोडे का एक बाल भी उन्हे नही छूना चाहिये। क्या वे सभी तैयार है?

कर्टिस . हाँ, सभी तैयार है।

ग्रूमियो . अच्छा तो बुलाओ उन्हे।

कर्टिस : अरे सुनते हो? स्वामिनी को सिर झुकाने के लिये तुम्हें स्वामी से मिलना चाहिये।

ग्रूमियो : स्वामिनी का तो अपना ही सिर है।

कर्टिस : इसे कौन नही जानता है?

ग्रूमियो : सम्भवतया तुम, जो उनके लिये अपने सिर झुकाने के सम्बन्ध मे इतने लोगो को वुला रहे हो।

कर्टिस : मै तो उनको स्वामिनी का स्वागत करने को बुला रहा हूँ।

[तीन या चार सेवकों का प्रवेश]

ग्रूमियो : लेकिन वे तो उनसे कुछ माँगने के लिये[1] नही आ रही है।

नैथनियल : कहो, ग्रूमियो ?

फिलिप : कहो, कैसे हो ग्रूमियो ?

जोसफ : क्या हालचाल है, ग्रूमियो ?

निकोलस : कहो दोस्त, ग्रूमियो।

नैथनियल : मेरे पुराने दोस्त ! बताओ अपनी बात ?

ग्रूमियो : तुम्हारा सभी का स्वागत है। कैसे हो सभी ? तुम बताओ, और हाँ तुम कैसे हो ? अच्छा, बस अब स्वागत और हालचाल पूछना सभी हो गया। अच्छा मेरे फुर्तीले और साफ-सुथरे साथियो ! क्या सभी कुछ तैयार है ? सभी चीजे ठीक तरह है न ?

नैथनियल : सभी चीजें ठीक है। यह बताओ, स्वामी कितने पास आ-गये है अब ?

ग्रूमियो : बिलकुल पास है, बस घोड़े से उतर गये है। देखो ऐसा नही करना—अरे भगवान् की सौगन्ध। चुप, चुप, स्वामी के आने की आवाज सुनाई दे रही है।

---

१ Credit और Borrow : कर्टिस और ग्रूमियो के बीच बातो का खेल चल रहा है। पहले Countenance शब्द को लेकर यही वाक्-कौशल चला था। इसका शाब्दिक अर्थ है सम्मान करना लेकिन सिर झुकाने का प्रयोग करके हमने सम्मान का भावार्थ भी दे दिया है और वाक्-कौशल को भी कुछ हद तक निभा दिया है। लेकिन आगे जब Credit और Debit में बातें चलने लगती है, यह कठिन हो जाता है। कर्टिस Credit शब्द का प्रयोग 'सम्मान' के लिये करता है लेकिन ग्रूमियो उसका 'कर्जा' मतलब लगाकर बाद में Borrow शब्द का प्रयोग करता है, जिसका मतलब है उधार माँगना। इस तरह यह बेतुका मजाक बढ़ता है।

(पैट्रूशियो और केटे का प्रवेश)

पैट्रूशियो : कहाँ है वे बदमाश ? मेरी रकाब थामने के लिये और घोडा लेने के लिये कोई भी दरवाजे पर नही है।

सभी सेवक . यहाँ है श्रीमान्, हम सभी यहाँ उपस्थित है आपकी सेवा मे।

पैट्रूशियो : यहाँ है, यहाँ है श्रीमान्, सभी सेवा मे उपस्थित है, बदमाश, जंगली, गधे कही के, यह क्या है ? दरवाजे पर कोई नही ! हमारा कोई सम्मान नही ! क्या तुम्हारा किसी तरह का फर्ज नही है ? कहाँ है वह बदमाश गधा जिसे मैने पहले ही यहाँ भेजा था ?

ग्रूमियो जी श्रीमान् ! जैसा गधा पहले था, वैसा ही अब हूँ।

पैट्रूशियो बदमाश ! धूर्त्त ! आटे की चक्की के घोड़े[1] ! क्या मैने तुझसे यह नही कहा था कि मुझसे बाग में मिलना और अपने साथ उन सभी बदमाशो को भी ले आना ?

ग्रूमियो : श्रीमान् ! उस समय तक नैथनियल का कोट पूरी तरह बनकर तैयार नही हुआ था और गैब्रियल के जूतो की एड़ियाँ अधूरी थी। पीटर के टोप पर रग करने के लिये मशाल[2] ही नही जली थी। वाल्टर की कटार पर धार नही रखी गई थी। कोई भी तो पूरी तरह तैयार नही था, सिर्फ ऐडम, रैल्फ और ग्रैगरी तैयार थे। बाकी के लोग बुरी भद्दी हालत मे थे लेकिन फिर भी जैसे भी वे है, यहाँ आपके पास आये है।

---

१. Melt horse : वह घोड़ा जो आटे पीसने की चक्की को चलाने के काम में लिया जाता है।

२. Link : मशाल जलाकर उसके धुंए से उस टोप को और भी काला किया जाता है जिसका रंग फीका हो जाता था।

पैट्रूशियो : जाओ बदमाशो ! मेरा खाना अन्दर ले आओ।

[सेवको का प्रस्थान]

कहाँ है वह आराम की जिन्दगी जो पहले मैंने गुजारी थी ? कहाँ है वे ? बैठ जाओ केटे ! स्वागत है तुम्हारा। साउड, साउड, साउड, साउड।

[सेवक खाना लेकर आते हैं]

कब कहा था मैंने ? प्यारी केटे ! अपने चित्त को प्रसन्न कर लो। मेरे जूते उतारो बदमाश कमीनो ! धूर्त्त कही के ! हाँ, कब ?

था पादरी पुराने मठ का
ज्यो ही चला पथ पर सहसा—

भाग जाओ बदमाश ! तू तो मेरे पैर को ही मोडता है। इसका मजा यह ले और अब अपनी गलती को ठीक कर ले। केटे ! अपना चित्त प्रसन्न कर लो। पानी है कुछ यहाँ ? ए, सुना।

[एक सेवक पानी लेकर आता है।]

मेरा ट्रॉयलस कुत्ता कहाँ है ? ए ! जाओ यहाँ से और मेरे चचेरे भाई फर्डिनैंड को भेज देना इधर। ऐसा आदमी है केटे ! जिसको एक बार तो तुम चूम लोगी और उससे जानकारी हासिल करना चाहोगी। मेरे सलीपर कहाँ है ? क्या मुझे कुछ पानी मिलेगा ? आओ केटे ! अपने हाथ-पैर धो लो और चित्त को प्रसन्न कर लो। अपने पूरे हृदय से इस स्थान से प्रेम करो। ए कमीने आवारा की औलाद, बदमाश कही के, क्या तू पानी नही डालेगा ?

केटे : बस अब शान्त रहिये। जो कुछ यह कुसूर हुआ वह बिना चाहे ही हुआ है।

पैट्रूशियो : बिलकुल आवारा औरत की औलाद है, लकड़ी तोड़ने

के हथौडे जैसा सिर है, और कानो पर ठाटा चढ़ा हुआ है धूर्त्त के।

आओ केटे बैठ जाओ, मुझे मालूम है, तुम्हे भूख लग रही है। प्यारी केटे! अब तुम इसके लिये धन्यवाद दोगी या फिर मै ही दूं? यह क्या है, गोश्त?

पहला सेवक · जी हाँ!

पेट्रूशियो : कौन लाया था इसे?

पहला सेवक . मै।

पेट्रूशियो : यह तो जला हुआ है और इसी तरह सभी गोश्त जला हुआ होगा। कैसे कुत्तो से पाला पडा है। वह बदमाश बावर्ची कहाँ है? बदमाशो! तुम्हारी इतनी हिम्मत कैसे हुई कि बावर्चीखाने मे से लाकर इस तरह वह चीज मेरे सामने रख दी जिससे मुझे नफरत है? ले जाओ इन सभी तश्तरी और प्यालों को उठाकर, लापरवाह गधे, बदमाश, बदतमीज, गुलाम कही के!

क्या तू मेरी तरफ गुर्रा रहा है? अब मै तुझे सीधा करूँगा।

केटे : नही, नही प्राणनाथ! इतने क्रुद्ध मत होइये। अगर आपकी तबियत ठीक होती तो गोश्त तो अच्छा था।

पेट्रूशियो : मै कहता हूँ केटे! वह पूरी तरह जला हुआ और सूखा था और ऐसे गोश्त को तो छूने तक के लिये डाक्टर ने मुझसे मना कर दिया था क्योकि इससे मेरे अन्दर आवेश एकदम बढ़ जाता है और फिर बडा गुस्सा आने लगता है इसलिये अब तो अच्छा यही है कि हम दोनो ही उपवास करे क्योकि वैसे भी हम दोनो का मिजाज गरम है, फिर इस जले हुए गोश्त

के खाने से तो पता नही क्या हो। अब धैर्य रखो, कल यह गलती ठीक कर ली जायेगी, इस रात को हम दोनों साथ रखने के लिये ही उपवास करे। आओ, मै तुम्हे तुम्हारे कमरे मे ले चलता हूँ।

[प्रस्थान]

[कई सेवको का प्रवेश]

नैथनियल : पीटर ! क्या तुमने कभी ऐसा देखा ?

पीटर . वह उसी की चाल से उस औरत को मारता है।

[कर्टिस का पवेश]

ग्रूमियो : कहाँ है वह ?

कर्टिस : अपनी पत्नी के कमरे मे है और उसको कामनिरोध की शिक्षा दे रहा है, और उस पर बुरी तरह से बिगड़ रहा है, पुकार-पुकारकर उसे डाँट रहा है जिससे वह बेचारी औरत ऐसी परेशानी मे पड़ गई है कि न तो उसे यह सुध है कि कहाँ बैठूं, क्या देखूँ, क्या बोलूँ, बिलकुल उसकी हालत तो वैसी ही हो गई है जैसे किसी ऐसे मनुष्य की होती है जो स्वप्न मे से सहसा उठकर आता है। अरे दूर चले जाओ, भागो, देखो वह इधर ही आ रहा है।

[प्रस्थान]

[पैट्रूशियो का प्रवेश]

पैट्रूशियो : इस तरह नम्रता से मैने अपना शासन जमाया है और मुझे आशा है कि मेरी योजना सफल हो जायेगी। मेरी बाज बहुत भूखी है इस समय, और जब तक वह झुके नही तब तक उसको भर पेट खाने को नही देना चाहिये क्योकि तब तो वह अपने शिकार की तरफ देखेगी ही नही। एक दूसरा रास्ता और है,

मै अभी अपने नौकर को भेजकर उसको बुलवा लेता हूँ और फिर उसको रातभर जागता हुआ रखूंगा, जैसे हम इन चीलो को रखते है जो अपने पख फड़फड़ाती है, उनको मारती है और हमारी मर्जी के मुताबिक नही करती। वह आज गोश्त नही खायेगी और न और कोई खायेगा। पिछली रात वह सो नही पाई थी तो आज रात को भी वह नही सोयेगी जैसे गोश्त के साथ मैने खराबी निकाल दी है वैसे ही बिस्तरे के साथ भी कोई न कोई निकालूंगा और इधर तो मै तकिये को फेकूंगा और उधर गद्दे को। फिर चादरो को और गिलाफो को और इस हल्ले-गुल्ले के बीच मेरा इरादा है कि यह सब कुछ करने मे दिखे यही कि यह उसी की खातिर किया जा रहा है और परिणाम यह हो कि पूरी रात भर वह जागती रहेगी। अगर उसकी पलके झपने लगी तो मै जोर से पुकारने और बड़बडाने लगूंगा और उसी शोरगुल से वह नही सो पायेगी। यह तरीका है औरत को अपनी अच्छाई की ज्यादती से मारने का और इसी से मै उसकी कुटिलता और कर्कशता को मिटा दूंगा। अब वह आदमी बोले जो एक कुलटा और कर्कशा को और भी अच्छे तरीके से काबू मे कर सकता है, बड़ी मेहरबानी होगी।

[प्रस्थान]

दृश्य २

[ट्रेनियो तथा होर्टेशियो का प्रवेश]

ट्रेनियो मित्र लीसियो! क्या यह सम्भव है कि बियाका ल्यूसेशियो को छोड़कर किसी दूसरे की ओर आकर्षित है। मै कहता हूँ श्रीमान्! वह मुझको भी झूठे वायदे करके धोखे मे रखती है।

हौर्टेशियो . श्रीमान् ! जो कुछ मैने कहा है उस पर विश्वास दिलाने के लिये मै कहता हूँ, जरा यहाँ खड़े हो जाइये और उसके पढ़ाने का ढग देखिये ।

[बियांका और ल्यूसैशियो का प्रवेश]

ल्यूसैशियो अच्छा श्रीमती ! क्या जो कुछ भी आपने पढा है, उससे आपको फायदा हुआ है ?

बियांका : श्रीमान् ! पहले तो आप मुझे यह निश्चित रूप से बताइये कि आप क्या पढते है ?

ल्यूसैशियो : मै 'प्रेम करने की कला'[१] पढता हूँ और तुम्हें पढाता हूँ।

बियांका श्रीमान् ! अपनी कला मे आप पारंगत सिद्ध हों। अपनी कला के अधिकारी।

ल्यूसैशियो : और तुम प्रिये ! मेरे हृदय की स्वामिनी वन जाओ।

हौर्टेशियो · तेजी के साथ आगे बढने वाले ही शादी कर लेते है, अब आप बताइये। आप ही तो बड़ी सौगन्ध खाया करते थे कि आपकी प्रिया बियांका ल्यूसैशियो को छोड़कर दुनियाँ मे किसी और से प्रेम करती ही नही है।

[प्रस्थान]

ट्रेनियो ओह घृणित और झूठे प्रेम ! ओ अस्थिर चित्त वाली स्त्री जाति ! लीसियो ! मै आपसे कहता हूँ, यह बडा ही आश्चर्य-जनक है।

हौर्टेशियो : बस, अब आप अपनी भूल को सुधार लीजिये। मैं लीसियो नही हूँ और जैसा दीख रहा हूँ वैसा सगीतज्ञ भी नही हूँ। मै तो वह हूँ जो अव एक ऐसे प्राणी के लिये जो एक अच्छे आदमी को छोड़कर एक ऐसे नीचे दर्जे के बदमाश को देवता

---

१. Art of Love . ओविड की एक पुस्तक।

समझे हुए है, अपने इस बदले हुए वेश मे रहने से नफरत करता हूँ।

आपको बताता हूँ श्रीमान्, मेरा नाम हौर्टेशियो है।

ट्रैनियो : श्रीमान् हौर्टेशियो ! मै प्राय: बियाका के प्रति आपके हार्दिक प्रेम की बात सुनता आया हूँ और अब चूंकि मेरी आँखो ने उसकी चरित्र-हीनता को देखा है, तो मै आपके साथ हूँ, अगर आपका यही विचार हो चुका है तो अब इस बियाका और उसके सारे प्रेम का सदा के लिये परित्याग कर देना चाहिये।

हौर्टेशियो : देखिये, वे किस तरह एक दूसरे से प्यार कर रहे है श्रीमान् ल्यूसेंशियो ! यह तो मेरा हाथ है और इसे उठाकर मै प्रतिज्ञा करता हूँ कि अब कभी भी उससे प्यार नही करूँगा और उसको, उस सारे प्रेम के जो मैने अभी तक उसके प्रति दिखाया है, सर्वथा अयोग्य समझकर सदा के लिये छोड़ दूंगा।

ट्रैनियो : और मै भी सच्ची सौगन्ध खाकर कहता हूँ कि चाहे वह कितनी भी प्रार्थना करे, मै उसके साथ कभी भी शादी नही करूँगा। अरे, शैतान खाये उसे, देखो तो कैसे आवेश मे आकर वह उससे प्यार कर रही है।

हौर्टेशियो : काश उसको छोडकर सारी दुनिया मेरे लिये इसी तरह उसको छोड़ने की प्रतिज्ञा कर ले जिससे मै अपनी प्रतिज्ञा का निश्चयपूर्वक पालन कर सकूँ। तीन दिन बीतने से पहले मेरी शादी एक मालदार विधवा से हो जायगी जो मुझे बहुत समय से चाहती थी और इतना ही जितना मैने इस घृणित सिरचढी बदसूरत औरत को चाहा था। अच्छा, विदा श्रीमान् ल्यूसेशियो। स्त्रियो का सुन्दर रूप अब मेरे प्रेम को नही जीत पायेगा बल्कि उनकी कोमलता और सहृदयता के प्रति ही मै आकर्षित हो

पाऊँगा, अच्छा अब आज्ञा दो ! जो भी प्रतिज्ञा मैने की है, उसका दृढता से पालन करूँगा।

[प्रस्थान]

ट्रैनियो : श्रीमती बियांका ! एक प्रेमी की प्रिया मे जो सौन्दर्य होता है, भगवान् तुम्हे वही दे। प्रिये ! मै पीछे से तुम्हारे पास आ गया हूँ और हौर्टेशियो के सामने मैने तुम्हें छोडने की प्रतिज्ञा कर ली है।

बियाका : तुम हँसी करते हो ट्रैनियो ! लेकिन क्या तुम दोनों ने ही मुझे छोड दिया है ?

ट्रैनियो : हाँ, हम दोनो ने ही यही सौगन्ध खा ली है।

ल्यूसेंशियो : तब तो हम उस लीसियो से छुट्टी पा गये।

ट्रैनियो . लेकिन सच मानिये, वह एक बड़ी अच्छी विधवा से शादी करने जा रहा है और वह शादी अभी एक दिन मे ही हो जायेगी।

बियांका · परमात्मा उसको सुखी रखे।

ट्रैनियो . हाँ, और वह उसको अपनी पालतू बना लेगा।

बियांका : वह ऐसा ही कहता है ट्रैनियो।

ट्रैनियो : सच, वह उस स्कूल में गया है जहाँ औरतो को पालतू बनाना सिखाया जाता है।

बियांका : कैसा स्कूल ? क्या ऐसी भी कोई जगह है ?

ट्रैनियो हाँ श्रीमती ! पैट्रूशियो वहाँ अध्यापक है; जो कितनी ही ऐसी तरकीबे सिखाता है जिनसे एक कुटिला और कर्कशा स्त्री को भी वश मे किया जा सकता है और साथ ही उसकी बड़बड़ाती जीभ पर जादू करना भी वह सिखाता है।

[बॉइंडैलो का प्रवेश]

बॉइडैलो · स्वामी ! स्वामी ! मैंने इतनी देर तक देखा कि मै तो

थक कर चूर हो गया लेकिन आखिरकार मुझे एक प्राचीन देवदूत पहाडी के नीचे आता दिखाई दिया, वह हमारा काम बना देगा।

ट्रैनियो : वह क्या है बॉइडैलो ?

बॉइंडैलो : एक व्यापारी है स्वामी ! या कोई ढोगी पंडित है। पता नही क्या है, लेकिन ठीक तरह के कपड़े पहने हुए है और शक्ल-सूरत और वेशभूषा से बिलकुल एक बाप जैसा ही लगता है।

ल्यूसैशियो : लेकिन ट्रैनियो ! उससे कैसे काम लिया जाय ?

ट्रैनियो . अगर वह शीघ्रता से बात पर विश्वास करने वाला हुआ तो वह मेरी बात पर विश्वास कर लेगा। मै उसको सहर्ष विंसैशियो बनने के लिये तैयार कर लूंगा और उससे बैप्टिस्टा मिनोला को पूरा आश्वासन दिलवा दूँगा। बस, मेरे प्रति अपना प्रेम बनाये रखिये और अब मुझे अकेला छोड दीजियें।

[एक ढोगी ज्ञानी का प्रवेश]

ज्ञानी . परमात्मा आपकी रक्षा करे श्रीमान् !

ट्रैनियो : आपको भी परमात्मा सुखी रखे श्रीमान् ! स्वागत है आपका। आपको अभी और दूर तक यात्रा करनी है या अपनी यात्रा के छोर पर आप आ पहुँचे है ?

ज्ञानी . एक या दो हफ्ते के लिये तो श्रीमान् अब अपनी यात्रा के छोर पर ही हूँ लेकिन फिर इसके बाद आगे जाने का इरादा है। रोम तक जाऊँगा। फिर इसी तरह अगर भगवान् ने जिन्दगी दी तो आगे ट्रिपोली तक जाऊँगा।

ट्रैनियो · किस देश के वासी है आप ?

ज्ञानी · मैंटुआ का।

ट्रैनियो · मैंटुआ के है श्रीमान् ! और भगवान् बचाये अपने जीवन की

तनिक भी चिन्ता न करते हुए पैडुआ आये है ।

ज्ञानी : मेरा जीवन श्रीमान् ? इसके लिये मै कैसे भगवान् से प्रार्थना करूँ ? क्योकि बड़ी कठिनाई का जीवन है मेरा ।

ट्रैनियो · मैटुआ के किसी आदमी का पैडुआ मे आना उसकी मृत्यु को उसके साथ लाना है, क्या आप इसका कारण नही जानते ? आपके जहाज वेनिस मे ठहराये जाते है । हमारे और आपके ड्यूको के बीच कोई आपसी झगड़ा हो गया था, उसी कारण हमारे ड्यूक ने खुले रूप से यह आज्ञा प्रसारित करवा दी है। बड़े आश्चर्य की बात है ! आप नये-नये ही यहाँ आये है, नही तो आप स्वय ही इसकी घोषणा को सुन लेते ।

ज्ञानी : हाय ! यह तो मेरे लिये और भी बुरा है क्योंकि मै फ्लोरेंस से कुछ रकम के बिल लाया हूँ जिन्हें मुझे यहाँ देना है ।

ट्रैनियो : तो श्रीमान् ! वैसे शराफत के नाते इतना तो मै आपके लिये कर सकता हूँ और यह मैं आपको सलाह दूँगा । पहले तो आप मुझे यह बताइये कि क्या आप कभी पीसा गए है ?

ज्ञानी : जी हाँ, पीसा तो मै प्राय जाता रहता हूँ । वही पीसा जिसमे गम्भीर प्रवृत्ति के लोग रहते है ।

ट्रैनियो . उनमे से क्या आप एक विसैंशियो नाम के व्यक्ति को जानते है ?

ज्ञानी : मै उन्हे जानता तो नही लेकिन उनका नाम जरूर सुना है मैंने । बहुत धनी व्यापारी हैं ।

ट्रैनियो . वे मेरे पिता है और सच कहता हूँ श्रीमान् ! उनकी शक्ल से आपकी शक्ल बहुत कुछ मिलती-जुलती है ।

बॉइंडैलो . जैसे कि एक सेब से एक ऑयस्टर मछली की शक्ल मिलती-जुलती है ।

ट्रेनियो : इस आपत्ति से मै आपकी जान बचाऊँगा, इतना काम मै उनकी खातिर आपके लिए कर सकता हूँ और आप इसको अपना दुर्भाग्य मत मानिये कि आप श्रीमान् विसेंशियो से मिलते-जुलते है। उनका नाम और स्थान आपको अपना नाम और स्थान छिपाकर ग्रहण करना होगा और मेरे घर पर आपके ठहरने का प्रबन्ध होगा। यह ध्यान रखना कि इसका पूरी तरह अभिनय-सा आपको करना पडेगा, समझ गए आप श्रीमान्? इस तरह ही जब तक आपका काम इस शहर मे पूरा न हो जाय, आप ठहरिये। शराफत के नाते मैने आपके सामने यह प्रस्ताव रखा है, यदि आप चाहे तो इसको स्वीकार कर लीजिये।

ज्ञानी : ओह श्रीमान्! अवश्य। मै तो इसके लिए सदा आपको अपने जीवन का सरक्षक समझूंगा।

ट्रेनियो : अच्छा तो फिर इस सारे काम को ठीक करने के लिए मेरे साथ चलिये। यह बात वैसे चलते हुए मै आपको बताये देता हूँ कि यहाँ हर एक दिन मेरे पिता की प्रतीक्षा की जा रही है क्योकि बैप्टिस्टा की पुत्री और मेरे बीच जो शादी होने वाली है, उसमे दहेज देने का आश्वासन पिता ही दे सकते है। इस परिस्थिति के बीच मे आपसे कहूँगा कि मेरे साथ चलिये और कपडे बदलकर अपना दूसरा वेश धारण कर लीजिये।

[प्रस्थान]

दृश्य २

[कैथरिना और ग्रूमियो का प्रवेश]

ग्रूमियो : नही, नही, सच मेरी जान चली जाय; लेकिन मै इतना साहस नही कर सकता।

केटे : जितनी ज्यादा मेरी परेशानी बढती है उतना ही अधिक उसका उन्माद बढता जाता है । क्या वह मुझे इस तरह भूखा मारने के लिए लाया था ? भिखारी भी जब मेरे पिता के दरवाजे पर आकर बिनती करते है तो उनको उसी समय भीख मिल जाती है और अगर नही तो फिर दूसरी जगह वे पा जाते है, लेकिन मै, जिसने न तो कभी विनती की किसीसे और न इसकी कभी आवश्यकता समझी, अब गोश्त के लिए भूखी हूँ। और रात मे न सो पाने के कारण सिर मे चक्कर आ रहा है। सौगन्ध खा-खाकर मुझे जागते रखा गया और जोर से चिल्ला-चिल्लाकर आवाजो से मेरा पेट भरा गया और फिर इनके अलावा सबसे ज्यादा गुस्सा तो मुझे इस बात पर आ रहा है कि वह यह सब कुछ सच्चे प्रेम के नाम पर कर रहा है और कहता है कि अगर मै सोई या मैने कुछ खाया तो या तो कोई घातक रोग पकड लेगा या फिर फौरन दम निकल जायेगा। मै जाती हूँ और अपने लिए कुछ खाना लाती हूँ। यह मै चिन्ता नही करती कि क्या हो लेकिन अच्छा खाना होना चाहिये।

ग्रूमियो : बकरे की टाँग के बारे मे आपका क्या खयाल है ?

केटे . बहुत अच्छी, सच उसे ही ला दो मुझे ।

ग्रूमियो लेकिन मुझे डर है कि वह बहुत ही गरम गोश्त होता है। एक मोटी भेड़ का गोश्त जो बहुत अच्छे ढग से पकाया गया हो, उसके बारे मे क्या खयाल है ?

केटे मुझे बहुत पसन्द है। अच्छे ग्रूमियो ! ला दो उसे मुझको।

ग्रूमियो : मै नही कह सकता। मेरे ख़याल से वह गरम होता है। गोश्त और सरसो के बारे मे आपका क्या ख़याल है ?

केटे . एक तश्तरी ला दो। वह तो मै खाना बहुत पसन्द करती हूँ।

ग्रूमियो लेकिन सरसों कुछ ज्यादा गरम होती है।
केटे : अच्छा तो गोश्त ही सही, सरसों रहने दो।
ग्रूमियो न, मैं आपको नहीं दूँगा। आप सरसों जरूर लेंगी नहीं तो गोश्त नहीं मिलेगा आपको।
केटे . तो फिर दोनों या एक ही, जिस किसी को तुम चाहो।
ग्रूमियो तो फिर गोश्त नहीं, सिर्फ सरसों।
केटे जा चला जा बदमाश, धोखेबाज, झूठे! चला जा यहाँ से।

[उसको पीटती है]

तू गोश्त का नाम लेकर ही मेरा पेट भरना चाहता है। तुझ पर और तेरे साथ और सभी के ऊपर मुझे खेद है कि तुम मेरी परेशानी में अपनी जीत समझते हो। चला जा यहाँ से, मैं कहती हूँ।

[पैट्रूशियो और हौर्टेंशियो का गोश्त लिये हुए प्रवेश]

पैट्रूशियो : मेरी केटे कैसी है? क्या बहुत ज्यादा तकलीफ है?
हौर्टेंशियो : श्रीमती! क्या हाल-चाल है?
केटे बहुत खराब है, हद है।
पैट्रूशियो अपने दुःख को छोड़कर फिर से प्रसन्न हो जाओ केटे! अपने चेहरे पर प्रसन्नता लाओ। प्रिये! देखा, कितना मेहनती हूँ मैं कि खुद ही बनाकर मैं तुम्हारे पास इस गोश्त को लाया हूँ। प्यारी केटे! मुझे पूरा विश्वास है कि इसके लिए तो तुम मुझे अवश्य धन्यवाद दोगी। क्या, एक भी शब्द नहीं? अच्छा तो तुम को यह पसन्द नहीं आया और मेरी सारी मेहनत का कोई नतीजा नहीं निकला। सुनो, यह तश्तरी उठाकर ले जाओ।
केटे नहीं, नहीं, कृपा करके रहने दीजिये यहीं।

पैट्रूशियो : छोटे-से छोटा काम भी किया जाता है उसके लिये भी धन्यवाद मिलता है, इसी तरह तुम्हारे गोश्त के हाथ लगाने से पहले मुझे भी मिलना चाहिये था।

केटे : मैं आपको धन्यवाद देती हूँ।

हौर्टेंशियो : श्रीमान् पैट्रूशियो ! बुरी बात है, अब तो आप ही दोषी है। आइये श्रीमती केटे ! मैं आपके साथ रहूँगा।

पैट्रूशियो : हौर्टेंशियो ! अगर तुम मुझे चाहते हो तो इस सारे गोश्त को खा जाओ। तुम्हारा हृदय नम्र है इसलिये इतनी भलाई तो करो। केटे तो अलग खायेगी। अच्छा तो अब प्रिये ! हम तुम्हारे पिता के घर चलेंगे और इस अवसर को जितनी भी धूम-धाम से मनाया जाये मनाओ ! रेशमी कोट, टोपी, सोने की अँगूठियाँ, गुलूबन्द, दस्ताने और कपड़े को फैलाने वाली कोई चीज और स्कार्फ, पंखे आदि से सम्पन्न दूनी बहादुरी से। फिर ऐम्बर के कगन, माला और यह सभी तरह की धूर्तता। अरे क्या तुमने खाना खा लिया है ? दर्जी अपने चमकीले कपड़ों से तुम्हारे शरीर को सजाने के लिए तुम्हारा इन्तजार कर रहा है।

[दर्जी का प्रवेश]

आओ दर्जी ! हमें इन जेवरों को देखने दो।

[बिसाती का प्रवेश]

गाउन को सामने देखो। कहो, क्या समाचार है ?

बिसाती : यह टोपी है जिसके लिए आपने कहा था।

पैट्रूशियो यह तो किसी 'बेसिन' पर रखकर मोड़ी गई है, तभी मखमली तश्तरी बन गई। हटाओ दूर इसे, बुरी और भद्दी है यह गन्दी। यह कोकिल नाम का जीव है या वालनट पेड का

कोई खोखा है या कोई खिलौना, या चालाकी का खेल या बच्चे की टोपी। ले जाओ इसको। मुझे तो इससे बड़ी दो।

केटे : मुझे इससे बड़ी नही चाहिये। आजकल के फैशन मे यही ठीक है और सभी शरीफ औरतें इसी तरह की टोपी पहनती है।

पैट्रूशियो : जब तुम शरीफ हो जाओगी तो तुम भी एक इसी तरह की टोपी पहन लोगी लेकिन उससे पहले नही।

हौर्टेंशियो वह जल्दी नही हो सकता।

केटे : श्रीमान्! मुझे विश्वास है, आप मुझे कुछ बोलने की अनुमति देगे और बोलूंगी मै अवश्य। मै कोई दूध पीती बच्ची नही हूँ। आपसे अच्छे आदमियो ने मुझे अपनी बात कहने की पूरी आजादी दी है फिर अगर आप नही सुन सकते मेरी बात तो अपने कान बन्द कर लीजिये। मै अपने मुँह से अपने हृदय का क्रोध अवश्य उगलूंगी, नही तो यदि यह सब कुछ अन्दर दबा रहा तो मेरा हृदय फट जायेगा। इसके बजाय तो जो मै चाहूँगी खुल-कर बोलूगी।

पैट्रूशियो तुम ठीक कहती हो। यह बहुत ही बुरी टोपी है, बिलकुल बेहूदी चीज, किसी काम की नही। तुमको यह पसन्द नही आई, इसने तुम्हारे प्रति मेरे प्रेम को बढा दिया है।

केटे तुम मुझसे प्रेम करो या न करो लेकिन टोपी मुझे पसन्द है और इसे मै जरूर लूंगी। नही तो मै किसी और को कभी नही लूंगी।

[बिसाती का प्रस्थान]

पैट्रूशियो : अरे हाँ, तुम्हारा गाउन लाना। यहाँ आओ दर्जी, देखो तो इसे। भगवान् रहम करे, यह क्या फैन्सी ड्रैस शो का कपड़ा बना डाला है। यह क्या है? एक बाँह? यह तो एक बड़ी

भारी तोप के बराबर है। क्या, ऊपर और नीचे इस तरह कटी हुई जैसे किसी सेब को काटा जाता है ? यहाँ कटा हुआ है फिर दोनों हिस्सों को मिलाकर रख दिया गया है। यह कटनी-छटनी तो बिलकुल नाई की दुकान मे होती है वैसी है। बताओ दर्जी ! यह क्या चीज बनाई है तुमने ?

हौर्टेंशियो : वह न तो इस टोपी को पसन्द करती है और न इस गाउन को।

दर्जी : लेकिन आपने ही तो श्रीमान् ! कहा था कि मै इसको वक्त और फैशन के मुताबिक बनाऊँ।

पैट्रूशियो : हाँ हाँ, यही कहा था मैंने, लेकिन अगर तुम्हें याद हो तो मैंने तुमसे यह नही कहा था कि वक्त को देखकर तुम इसको बिगाड कर ले आओ। जाओ।

मै इसे नहीं लूँगा। जाओ, अच्छे से अच्छा बनाकर लाओ इसे।

केटे · मैंने तो इससे अच्छा, खूबसूरत और हर तरफ से तारीफ के काबिल ऐसा कोई दूसरा गाउन देखा नही । मुझे लगता है तुम मुझे एक कठपुतली बनाना चाहते हो।

पैट्रूशियो : बिलकुल ठीक, वह तुम्हें एक कठपुतली ही बनाना चाहता है।

दर्जी : उनका कहना है कि आप उनको एक कठपुतली बनाना चाहते हैं।

पैट्रूशियो : ओ इतनी धृष्टता ! झूठ बोलता है तू। तू तागे, उंगली के ढकने, गज, तीन चौथाई, आधा गज, चौथाई गज, नाखून ! तू कलीले, छोटे अंडे, घास पर रहने वाले कीड़े ! तूने एक तागे की गिट्टक के बल पर मेरे अपने घर मे इतनी धृष्टता दिखाने का साहस किया है ? भाग जा कमीने, नीच, नही तो मैं तुझे तेरे

ही गज से ऐसा ठीक कर दूगा कि तू जिन्दगी भर अपनी इस बेकार बेमतलब की बाते करने की आदत पर सोचेगा। मै कहता हूँ, मै कि तूने उसके गाउन को बिगाडकर रख दिया है।

दर्जी श्रीमान्, आप भ्रम मे है । गाउन तो ठीक वैसा बना है जैसा आपने बनाने को कहा था। ग्रूमियो ने मुझे पहले ही बता दिया था कि यह ऐसा बनना चाहिये और फिर इसके बनाने का हुक्म दिया था।

ग्रूमियो . मैने उसको कोई हुक्म नही दिया था। मैने तो सामान दिया था।

दर्जी लेकिन यह किस तरह बने, इसके बारे मे आपकी क्या इच्छा थी।

ग्रूमियो सुई और तागे से बने, यही तो।

दर्जी क्या आपने इसको काटने के लिये नही कहा था ?

ग्रूमियो : लेकिन तुमने तो पूरी तरह सामना किया[1] है।

दर्जी जी हां।

ग्रूमियो मेरा सामना मत करना। बहुतो का सामना किया होगा लेकिन मेरा मत करना। मै तुमसे कहे देता हूँ कि तू इस तरह मेरा सामना करके मेरा अपमान नही कर पायेगा। मैने तेरे मालिक से गाउन काटने के लिये जरूर कहा था लेकिन इसको टुकडे-टुकडे करने के लिये नही कहा था। तू बिलकुल झूठा है।

दर्जी . अच्छा तो इसकी सचाई जॉचने के लिये यह पढिये जिस फैशन

---

१. Faced . इस शब्द के दो अर्थ है (१) ऊपर की तरफ बहुत सजावट कर डालना। (२) सामना करना। ग्रूमियो इसका प्रयोग दूसरे अर्थ में करता हैं और दर्जी पहले अर्थ में समझकर 'जी हाँ' कह जाता है, इससे ग्रूमियो नाराज होकर आगे की बात कहने लग जाता है।

के बारे मे ये कह आये थे, वह सब लिखा है इस कागज मे।

पैट्रूशियो . पढो इसको।

इस कागज की तो यह झूठ बोलता है। अगर इसने यह कहा है कि मैने ऐसा कहा था।

दर्जी पहली बात तो यह है, कि एक ढीला गाउन होना चाहिये।

ग्रूमियो . स्वामी ! अगर ढीले गाउन के लिये कभी कहा हो तो मुझे उसके छोरो मे सी दीजिये और मटमैले तागे की गेंद से मुझे तब तक मारिये जब तक मै जान से न मार जाऊँ। मैने गाउन के लिये कहा था।

पैट्रूशियो : आगे कहो।

दर्जी : ऊपर वाली पट्टी जो कंधे पर आती है, वह छोटी।

ग्रूमियो : हाँ, इसको मानता हूँ।

दर्जी. लम्बी और चौड़ी बाँहे।

ग्रूमियो : मैने तो सिर्फ दो बाहो के लिये कहा था।

दर्जी : काफी लम्बी-चौडी कटी हुई बाहे।

पैट्रूशियो : बस यही तो बदमाशी है।

ग्रूमियो : मेरे ऊपर झूठ इलजाम लगाता है श्रीमान्।

बिलकुल झूठ इलजाम। मैने तो सिर्फ इससे यही कहा था कि बाहो को काटकर सी देना और वह मै साबित करूँगा चाहे तूने अपनी छिंगली मे सिलाई की एक टोपी लगा रखी है।

दर्जी : जो भी मै कह रहा हूँ, वह सब सच है। मै तुम्हें ऐसी जगह ले चलता हूँ जहाँ तुम उसकी सचाई जान जाओगे।

ग्रूमियो : मै सीधा तेरे साथ चल सकता हूँ। उठा अपने बिल को और मुझे अपना यह नापने का गज दे और फिर जो कुछ करना हो कर।

हौर्टेंशियो . परमात्मा भला करे ग्रूमियो ! फिर यह तुम्हारे खिलाफ एक लफ्ज भी नही बोलेगा ।

पैट्रूशियो . थोडे में बात यह है कि यह गाउन मेरे लिये नही है ।

ग्रूमियो : बिलकुल ठीक कहते है श्रीमान् आप । यह तो स्वामिनी के लिये बना है ।

पैट्रूशियो : ले जाओ इसे, तुम्हारा मालिक इसको अपने काम मे ले लेगा ।

ग्रूमियो बदमाश ! मेरी स्वामिनी के इस गाउन को अपने स्वामी के पास ले जा । वह इसको अपने काम मे ले लेगा ।

पैट्रूसियो लेकिन इसमे तुम्हारी क्या अक्लमंदी रही !

ग्रूमियो . श्रीमान् ! आप जितना सोचते है, उससे कही गहरी अक्लमंदी है---मेरी स्वामिनी का गाउन ले जाकर अपने स्वामी को दे देना । वह इसको अपने काम मे ले लेगा । ओ ! लानत है ! लानत है ।

पैट्रूसियो · हौर्टेंशियो ! इस दर्जी को इसका पूरा भुगतान कर देना । बस इतना ही करना—लो, इसे लेकर चलते बनो । बस एक भी लफ़्ज मुँह से नही निकलना चाहिये ।

हौर्टेंसियो : दर्जी ! मै कल तुम्हे तुम्हारे गाउन की कीमत दूंगा । उनकी इन आवेशपूर्ण बातो का बुरा न मानना । बस चले जाओ और अपने मालिक से मेरी तारीफ करना ।

[दर्जी का प्रस्थान]

पैट्रूसियो मेरी केटे ! आओ, हम तुम्हारे पिता के घर अपने इन्ही खराब कपड़ो को पहनकर चले । हमारे कपडे खराब होगे तो क्या हमारे बटुए तो रकम से भरे हुए है क्योकि तुम तो जानती हो, दिमाग ही तो होता है जो शरीर को सुन्दर बनाता है । जिस

तरह घिरे हुए काले बादलो के बीच सूर्य निकलकर अपना गौरव बिखेरता है इसी प्रकार इस मैली-कुचैली पोशाक के भीतर भी गौरव और सम्मान पलता है। चमकीले परो वाली 'जे' चिड़िया क्या पपीहे से अधिक कीमती और अच्छी होती है क्योकि उसके पर खूबसूरत होते है ? फिर क्या एक साँप एक ईल मछली से अच्छा होता है क्योकि उसकी रगीन चमकीली खाल आँखो को अच्छी लगती है ?

नही मेरी अच्छी केटे ! इस मैली-कुचैली पोशाक से तुम भी किसी तरह बुरी नही लगती हो। अगर तुम्हे इसमें शरम आती है तो इस सारी शरम को मेरे सिर पर डाल दो इसलिये अब खुश हो जाओ। अब हम यहाँ से तुम्हारे पिता के घर दावत खाने और मजे उड़ाने चलेगे। जाओ मेरे आदमियों को बुला लो और सीधे ही हम वहाँ के लिये रवाना हो जायेगे। घोड़ो को भी 'लौग लेन' (लम्बी गली) के छोर पर ले आना। वही से हम घोडो पर सवार होंगे। वहाँ तक हम पैदल चलेगे। देखना मेरे खयाल से तो अब करीब सात बज गये होगे और खाने के वक्त[1] तक तो हम वहाँ पहुँच ही जायेगे।

केटे : लेकिन श्रीमान् ! अब तो करीब दो बजे है, मै सच कहती हूँ और खाने का वक्त तो हमारे वहाँ पहुँचने से पहिले ही हो जायेगा।

पैट्रूशियो : घोड़े तक पहुँचने से पहले सात बज जायेगे। अब देख लो, जो कुछ मै बोलता हूँ या करता हूँ, या करने की सोचता हूँ, तुम फिर भी मुझे बीच मे टोककर सवाल करने लग जाती हो। श्रीमान् ! रहने दो। मै आज नही जाऊँगा और जाऊँगा तब जब

---

१. Dinner time : करीब दिन के ग्यारह बजे।

उससे पहले वही बज चुकेगा जो मैंने कहा है।

हॉर्टेंशियो : तो फिर यह शूरवीर तो सूरज पर भी अपनी हुकूमत चलाने लगा।

[प्रस्थान]

दृश्य ४

[ट्रैनियो के साथ विंसेंशियो की वेशभूषा बनाये ज्ञानी का प्रवेश]

ट्रैनियो : श्रीमान्! यही घर है। अब जैसा मैं कहूँ वैसे ही बने रहिये।

ज्ञानी और क्या, नही तो फिर मै परेशानी मे नही पड जाऊँगा। शायद बैप्टिस्टा को मेरी उस वक्त की याद आ जाये जब बीस साल पहले हम जेनोआ मे साथ-साथ ही पैगेसस मे रहते थे।

ट्रैनियो . यह ठीक है और यह ध्यान रखना कि जिस प्रकार एक पिता को गम्भीर रहना चाहिये उसी प्रकार आप भी हर तरह अपनी गम्भीरता बनाये रखिये।

[बाँइंडैलो का प्रवेश]

ज्ञानी मै आपको इसका विश्वास दिलाता हूँ लेकिन अरे यह तो आपका सेवक आ रहा है। अच्छा होता, अगर यह पढा-लिखा होता।

ट्रैनियो : आप इसके लिये मत डरिये। बाँइडैलो! मै कहता हूँ, अब अच्छी तरह अपना काम करो। इनको पूरी तरह से विंसेंशियो समझ लो।

बाँइंडैलो हाँ, हाँ, मेरी तरफ से मत डरिये।

ट्रैनियो . लेकिन क्या तुमने बैप्टिस्टा के पास इसकी सूचना पहुँचा दी है?

बॉइडैलो · मैने उनसे कह दिया था कि आपके पिता वेनिस मे है और आज आप उनके पैडुआ आने का इन्तजार कर रहे है।

ट्रैनियो तुम तो बडे अच्छे बहादुर आदमी हो। लो यह पियो। बैप्टिस्टा

आ रहे हैं। अपने आपको तैयार कर लीजिये श्रीमान्।

[बैप्टिस्टा और ल्यूसेंशियो का प्रवेश। ज्ञानी के पैरों में जूते है और सिर खुला हुआ है]

श्रीमान् बैप्टिस्टा! आप अच्छे मिल गये। ये है जिनके बारे मे मैने आपसे कहा था। पिता! कृपा करके अब मेरी बात का समर्थन कर दीजिये और जो मेरा पैतृक अधिकार है, आश्वासन देकर आप मुझे मेरी बियाँका को दे दीजिये।

ज्ञानी बस बेटा! श्रीमान्! मै पैडुआ मे कुछ अपने ऋणो को चुकाने के लिये आया था, तभी मेरे पुत्र ल्यूसेंशियो ने मुझे बताया कि वह आपकी पुत्री से प्रेम करता है। इस सम्बन्ध मे जो भी आपका विचार मुझे ज्ञात हुआ है और जो प्रेम मेरे पुत्र के हृदय मे आपकी पुत्री के लिये है, उसके लिये मै नही चाहता कि मेरे पुत्र को अधिक दिनो तक अपनी इच्छा-पूर्ति के लिये प्रतीक्षा करनी पड़े। इसलिये मै पिता के नाते आपको आश्वासन दिलाता हूँ कि इस सम्बन्ध मे मुझे प्रसन्नता है और अगर आप चाहे तो मै किसी लिखित समझौते के लिये भी तैयार हूँ जिसमें मै लिखित रूप से आपको आपकी पुत्री से मेरे पुत्र के विवाह के विषय में आश्वासन दिला दूंगा। लेकिन ऐसा मै चाहता नही क्योंकि श्रीमान्! मैने आपके बारे मे बहुत अच्छी तरह सुना है फिर मै लिखना-पढना अपके साथ नही करना चाहता।

बैप्टिस्टा: श्रीमान्! जो कुछ मै कहूँ, उसके लिये मुझे क्षमा करिये। आपकी सचाई और सफ़ाई देखकर मुझे बड़ी प्रसन्नता हुई है। यह सच है कि आपके पुत्र ल्यूसेंशियो मेरी पुत्री से प्रेम करते हैं। या मेरी पुत्री इनसे प्रेम करती है या दोनो अपनी भावनाओं और हृदय को धोखा देते है, इसीलिये अगर आप इतना ही कह

दे कि आप इस विवाह के अवसर पर मेरी पुत्री को अच्छा दहेज देंगे तो श्रीमान् विवाह पक्का हो गया और सारी चीज़े पक्की हो गई। मैं सहर्ष अपनी पुत्री का विवाह आपके पुत्र के साथ कर दूंगा।

ट्रेनियो : मैं आपको धन्यवाद देता हूँ श्रीमान्! लेकिन यह बताइये कि यह समझौता लिखित रूप में कहाँ होगा और कहाँ हमारे विवाह की बात पक्की होगी?

बैप्टिस्टा मेरे घर मे तो नही ल्यूसैंशियो। क्योकि तुम जानते हो, घडो के भी कान होते है और फिर उस बुड्ढे ग्रेमियो के अलावा जो भी सुन रहा है। यहाँ और भी बहुत से नौकर है, इससे अवश्य हमारे काम मे बाधा आ सकती है।

ट्रेनियो . तो फिर आपको पसन्द हो तो मेरे घर पर रखिये। वहीं मेरे पिता ठहरे हुए है और आज रात मे ही हम चुपचाप सारा काम कर लेंगे। अपना कोई नौकर भेजकर अपनी पुत्री को यहाँ बुला लीजिये। मेरा नौकर जाकर अर्ज़ीनवीस को बुला लायेगा अभी। सबसे बुरी बात तो यह है कि इतना कम समय मेरे पास बचा है कि घर पर आपके लिये बहुत अच्छी तरह की दावत की तैयारी नही हो सकेगी।

बैप्टिस्टा . नही, नही, ठीक है।

केम्बियो! जल्दी से घर जाकर बियांका को यहाँ ले आओ और अगर तुम कुछ कहो तो यही कहना कि ल्यूसैंशियो के पिता पैडुआ आ पहुँचे है। अब तो वह ल्यूसैंशियो की पत्नी बन जायेगी।

ल्यूसैंशियो . मै देवताओ मे इसकी अपने पूरे दिल से प्रार्थना करता हूँ।

[प्रस्थान]

ट्रेनियो : बस अब देवताओ से प्रार्थना करते हुए ही मत अटके रहो, जाओ यहाँ से ।

श्रीमान् बैप्टिस्टा ! मै आगे-आगे रास्ता बताता चलूंगा । एक तश्तरी तो आपको बहुत ही पसन्द आयेगी। आइये, पीसा मे और भी अच्छी मिलेगी ।

बैप्टिस्टा : मै आपके पीछे-पीछे चलता हूँ ।

[ट्रेनियो, ज्ञानी तथा बैप्टिस्टा का प्रस्थान]

बॉइंडैलो कोम्बियो ।

ल्यूसैंशियो : क्या कहते हो तुम बॉइडैलो ?

बाँइंडैलो · क्या तुमने मेरे स्वामी का आँख मिचकाना और तुम्हारे ऊपर हँसना देखा ?

ल्यूसैंशियो : लेकिन बॉइडैलो ! उससे क्या ?

बॉइंडैलो : कुछ भी नही लेकिन वे मुझे यहाँ पीछे इसीलिये छोड़ गये है कि मै उनके इन इशारों का मतलब निकालूं ।

ल्यूसैंशियो : हाँ हाँ, बताओ ।

बॉइंडैलो : अच्छा तो सुनो—बैप्टिस्टा तो झूठे बेटे के झूठे बाप से बाते करने मे लगा हुआ है, इसलिये, उससे तो कोई खतरा नही है।

ल्यूसैंशियो : उससे क्या ?

बॉइडैलो . उसकी पुत्री को तो खाने के लिये तुम ही बुलाकर लाओगे।

ल्यूसैंशियो · तब ।

बॉइंडैलो . सेन्ट लेक चर्च पर वह बुड्ढा पादरी हर वक्त तुम्हारे हुक्म के नीचे है ही ।

ल्यूसैंशियो : तो फिर इस सबसे क्या बनेगा ?

बॉइंडैलो इसके अलावा मै कुछ नही कह सकता कि जब तक वे उस

समझौते के मामले मे लगे हुए है उस बीच तुम अपने प्रति उसका आश्वासन ले लो। क्या ? यही कि उस पर एकमात्र तुम्हारा ही अधिकार होगा। पादरी को गिर्जाघर ले जाना और उसके साथ कुछ सच्चे गवाह और क्लर्क को ले जाना। अगर जो तुम चाहते हो, वह यह बात नही है तो फिर मुझे तुमसे कुछ नही कहना। सिर्फ इतना ही कहूँगा कि फिर वियाका से सदा के लिये विदा मॉग लेना।

ल्यूसैंशियो : सुनो बॉइडैलो !

बॉइंडैलो मै नही ठहर सकता। मै एक ऐसी औरत को जानता हूँ जिसने दोपहर के बाद उस वक्त शादी की जब वह बाग मे खरगोश को खिलाने के लिये हरी घास लेने गई थी। इसी तरह तुम कर सकते हो। बस विदा मेरे स्वामी ! मेरे दूसरे स्वामी ने मुझे सेन्ट लेक से पादरी को लाने के लिये भेजा है और तुम अपने साथ वह लाओ जिसकी तुमको आज्ञा मिली है।

[प्रस्थान]

ल्यूसैंशियो अगर वह इस तरह मान गई तो मै अवश्य ऐसा ही करूँगा। अगर वह इसको पसन्द करेगी तो फिर शका किस बात की है। होना है वह हो, मै बिना रोकटोक के सीधे उसके पास जाऊँगा ! अगर कैम्बियो उसके बिना गया तो अच्छा नही होगा।

[प्रस्थान]

दृश्य ५

[पैट्रूशियो, केटे, तथा हॉर्टेंशियो का प्रवेश]

पैट्रूशियो . चलो भगवान् के नाम पर फिर एक बार अपने पिता के

घर चले। अरे वाह ! चाँद किस अनुपम सुन्दरता के साथ चमक रहा है।

कैटे : चाँद ? सूरज है। इस समय चाँदनी नही खिल रही है।

पैट्रूशियो · मै कहता हूँ, यह चाँद है जो इतनी सुन्दरता के साथ चमक रहा है।

कैटे : मै जानती हूँ, यह सूरज है जो इतना तेज चमक रहा है।

पैट्रूशियो : अच्छा तो अब मै अपनी माँ के पुत्र या मेरी अपनी सौगन्ध खाकर कहता हूँ कि चाँद, तारा और तुम्हारे पिता के यहाँ जाने से पहले जो कुछ भी मै कहूँगा वही होगा। जाओ। हमारे घोड़ों को वापिस ले आओ। हमेशा बीच मे टोकना, टोककर सवालात पूछना, फिर टोकना इसके अलावा और कोई काम ही नही।

हौर्टेंशियो : जैसा ये कहें वैसा ही कहो। नही तो हम कभी भी नही जा पायेगे।

कैटे कृपा करके आगे तो चलिये, देखिये हम कितने आगे आ चुके है। ठीक है यह चाँद है, या आप कहे तो सूरज है और जो कुछ भी आप कहेंगे वही है। अगर आप इससे आगे इसे एक मोमबत्ती कहे तो, मै सौगन्ध खाकर कहती हूँ, मै भी इसे वही कहूँगी।

पैट्रूशियो : मै तो कहता हूँ, यह चाँद है।

कैटे मै जानती हूँ, यह चाँद है।

पैट्रूशियो : अच्छा तो फिर तुम इतना झूठ बोलती हो। देखती नही है, यह तो दिव्य सूर्य है।

कैटे : तो फिर परमात्मा को धन्यवाद है, यह दिव्य सूर्य ही है। लेकिन जब आप कहेंगे कि यह सूर्य नही है तब यह सूर्य नहीं होगा। जैसे ही आपका दिमाग बदल गया, वैसे ही चाँद बदल गया। आप

इसका जो भी नाम रखेंगे, चाहे वही जो यह है, कैथरिना उसी को मान लेगी।

हौर्टेंशियो : पैट्रूशियो ! अब अपने ठीक रास्ते पर चलिए। मैदान जीत लिया।

पैट्रूशियो . अच्छा तो आगे बढो, आगे बढो। इस तरह से गेंद लुढकनी चाहिये, लेकिन दुर्भाग्यवश झुके हुए तख्ते के विपरीत नही। अरे चुप रहना, ये कौन लोग आ रहे है यहाँ ?

[विसेंशियो का प्रवेश]

अहा, श्रीमती ! नमस्ते ! कहाँ चली ? प्रिये केटे ! तुम्ही बताओ और सच-सच बताना कि क्या तुमने कभी इनसे अधिक सुन्दर स्त्री को देखा है ? इनके गालो पर तो रक्तिम और श्वेत आभाओं का मानो सघर्ष चल रहा है। बताओ तो आकाश मे ऐसे कौन-से सुन्दर सितारे खिलते है, जैसी इनकी आँखे है जो इनकी दिव्य मुख-मुद्रा को शोभायमान करती है।

सुन्दरी ! एक बार फिर मेरी नमस्ते स्वीकार करिये।

प्रिये केटे ! इनकी सुन्दरता के लिए इनको अपने गले से तो लगा लो।

हौर्टेंशियो यह तो एक आदमी को औरत बनाकर इस तरह उसे पागल कर डालेगा।

केटे प्रिये, सुन्दरी, मधुर स्वभाव वाली कुमारी कन्या ! तुम किधर जा रही हो ? कहाँ है तुम्हारा घर ? सच, ऐसी सुन्दरी पुत्री को जन्म देने वाले माता-पिता कितने सुखी होगे और उनसे भी अधिक सुखी तो वह आदमी होगा, जो तुम्हे अपनी पत्नी के रूप मे पाने का सौभाग्यशाली होगा।

पैट्रूशियो . क्यो केटे ! क्या हुआ है तुम को ? मेरे खयाल से तुम पागल

तो नहीं हो गई हो ? यह तो बहुत बुड्ढा आदमी है जिसके चेहरे और शरीर पर झुर्रियाँ पड़ गई है। जैसा तुम कह रही हो, यह कोई कन्या नही है।

केटे : ओ ! वृद्ध पिता ! क्षमा करिये। सूरज की रोशनी में मेरी आँखों मे ऐसी चकाचौंध पैदा हो गई है कि अब जो कुछ दिखती है, हरियाली ही दिखती है। क्षमा करना मेरे इस दृष्टि-भ्रम के लिए। अब मै देख रही हूँ कि आप तो एक वृद्ध पिता है। क्षमा करना मेरी इस भूल के लिए।

पैट्रूशियो : क्षमा कर दीजिये वृद्ध श्रीमान् ! और हमें कृपया यह भी बता दीजिये कि आप किधर जा रहे हैं। अगर आप हमारे साथ रहे तो सच हमे इसके लिए बड़ी प्रसन्नता होगी।

विंसेंशियो : श्रीमान् और आप से भी कहता हूँ श्रीमती, जिन्होने मिलते ही अपने विचित्र ढग से मुझे आश्चर्य मे डाल दिया, कि मेरा नाम विंसेंशियो है। पीसा मेरा निवास-स्थान है और अब मै अपने उस पुत्र से मिलने जिससे बिछुड़े हुए मुझे बहुत दिन हो गए है, पेडुआ को जा रहा हूँ।

पैट्रूशियो : क्या नाम है उसका ?

विंसेंशियो : ल्यूसेंशियो, श्रीमान् !

पैट्रूशियो · बड़े अच्छे मिले और फिर आपके पुत्र के बारे मे जानकर तो और भी अधिक प्रसन्नता हुई। अब आपकी आयु की दृष्टि से भी और सामाजिक नियम की दृष्टि से भी मै आपको अपना पिता कह सकता हूँ क्योकि आपके पुत्र ने मेरी पत्नी की बहिन से विवाह किया है। आश्चर्य मत करिये और न किसी प्रकार से दु खी होइये। बड़े सम्मानित परिवार की लडकी है और फिर उसका दहेज भी बहुत है, श्रेष्ठ कुल मे जन्मी है, इस सबके

अलावा इतनी गुणवती है कि वह किसी भी श्रेष्ठ पुरुष की पत्नी होने योग्य है। आओ वृद्ध विंसेंशियो ! हम आपस में गले मिल ले और आपके उस श्रेष्ठ पुत्र की ओर चले, जो आपके आगमन से अत्यत प्रसन्न होगा।

विंसेंशियो . लेकिन क्या यह सारी बात सच है ? या मजाकिया मुसाफिरो की तरह आपका यह कोई मजाक है, जैसे आपकी शायद यह आदत हो कि जिससे भी मिले उसी से कुछ न कुछ मजाक करने लग जाये ?

हौर्टेशियो नही पिता ! मै आपको विश्वास दिलाता हूँ, यह सब सच है।

पैट्रूशियो आइये, हमारे साथ चलिये और स्वय इसकी सचाई को देख लीजिये। हमारे पहले मजाक ने आपको यह सदेह करने की ओर प्रेरित किया है।

[प्रस्थान]

हौर्टेशियो : अच्छा पैट्रूशियो ! इस चीज ने अब मुझ मे हिम्मत बँधा दी है। अगर मेरी विधवा भी इसी तरह कर्कशा निकली तो फिर तुमने हौर्टेशियो को भी बुरी तरह बिगड़ना सिखा दिया है।

[प्रस्थान]

पाँचवाँ अंक

दृश्य १

[बॉइडैलो, ल्यूसैंशिया और बियांका का प्रवेश। ग्रेमियो पहले से ही बाहर है]

बॉइंडैलो · शीघ्रता करिये श्रीमान्! पादरी तैयार बैठा है।

ल्यूसैंशियो : मै बस उड़ता हूँ यहाँ से बॉइडैलो! लेकिन शायद तुम्हारी वहाँ कोई जरूरत पडे, इसलिए तुम चले जाओ।

[ल्यूसैंशियो तथा बियांका का प्रस्थान]

बॉइंडैलो : नही! मै तुम्हारे पीछे गिर्जाघर अवश्य जाऊँगा और फिर जितनी जल्दी हो सकेगा उतनी जल्दी मै अपने स्वामी के पास लौटकर आऊँगा।

[प्रस्थान]

ग्रेमियो . मुझे आश्चर्य होता है, केम्बियो अभी तक नही आया है।

[पैट्रूशियो, केटे, विंसैंशियो तथा सेवकों का प्रवेश]

पैट्रूशियो . श्रीमान्! यह ल्यूसैंशियो के घर का दरवाजा है। मेरे पिता के सभी रीछ बाजार के अधिक निकट है इसलिए मै आपसे जाने की आज्ञा चाहता हूँ।

विंसैंशियो नही, नही; जाने से पहले थोड़ा पी तो जाइये। मेरे विचार से मै यहाँ आपका स्वागत कर पाऊँगा। ऐसा लगता है कि कुछ खुशी का शोरगुल इधर ही बढता चला आ रहा।

[दरवाजा खटखटाना]

ग्रेमियो : वे अन्दर किसी काम मे लगे हुए है। जोर से खटखटाइये।

[ज्ञानी खिड़की से बाहर देखता है]

ज्ञानी : कौन है जो इस तरह दरवाजे को खटखटा रहा है जैसे मानो इसको तोड़ ही डालेगा ?

विंसैंशियो : क्या ल्यूसैंशियो अन्दर है ?

ज्ञानी : अन्दर है श्रीमान्! लेकिन उनसे कोई बात नहीं कर सकता।

विंसैंशियो : लेकिन क्या उस समय भी नहीं जब कोई उसकी प्रसन्नता के लिए एक सौ या दो सौ पाउण्ड लाया हो ?

ज्ञानी : अपने इन एक सौ पाउड्स को अपने पास ही रखिये। जब तक मैं जीवित हूँ उसके लिए किसी की भी आवश्यकता नहीं है।

पैट्रूशियो : मैंने कहा नहीं था आपसे कि आपके पुत्र को पैडुआ में लोग बहुत प्यार करते हैं ? सुनिये श्रीमान्! यह सब मजाक और बेकार की बातें छोड़कर श्रीमान् ल्यूसैंशियो से कह दीजिये कि उनके पिता पीसा से आये हैं और दरवाज़े पर खड़े उनकी प्रतीक्षा कर रहे हैं।

ज्ञानी : तुम झूठ बोलते हो। उसके पिता तो पैडुआ से आये हैं और यहीं खिड़की से बाहर देख रहे हैं।

विंसैंशियो : क्या आप उसके पिता हैं ?

ज्ञानी : जी हाँ, अगर मैं उसकी माता की बात पर विश्वास करूँ तो वह यही कहती है।

पैट्रूशियो : यह क्या है श्रीमान् ? यह तो आपकी पूरी धूर्तता है कि आपने किसी दूसरे आदमी का नाम अपने नाम की जगह रख लिया है।

ज्ञानी : पकड़ लो इस बदमाश को। मुझे पूरा विश्वास है, यह मेरी शक्ल-सूरत बनाकर इस शहर में किसी आदमी को ठगने के लिए आया है।

[बॉइंडैलो का प्रवेश]

बॉइंडैलो : मैंने उनको गिर्जाघर में साथ-साथ देखा है। परमात्मा उनकी यात्रा सफल करे। लेकिन यहाँ कौन है ? मेरे वृद्ध स्वामी विसेंशियो ? अब हमारे सारे किये कराये पर पानी फिरा और सारा खेल खत्म हुआ।

विसैंशियो : इधर आओ, ओ फाँसी के तख्ते पर बैठी चिड़िया !

बॉइंडैलो : मैं हो सकता हूँ श्रीमान् ! मुझे आशा है।

विसैंशियो . इधर आ बदमाश, धूर्त्त ! क्या तू मुझे भूल गया ?

बॉइंडैलो . आपको भूल गया, नहीं श्रीमान् ! मैं आपको नहीं भूल सकता क्योंकि मैंने अपने पूरे जीवन भर आपको कभी देखा ही नहीं।

विसैंशियो : तूने ओ बदमाश चालाक कमीने। क्या तूने अपने स्वामी के पिता विसैंशियो को कभी नहीं देखा ?

बॉइडैलो : क्या मेरे वृद्ध सम्माननीय पुराने स्वामी ? हाँ, हाँ अवश्य, देखिये वे खिड़की से बाहर देख रहे हैं।

विसैंशियो . क्या निस्सदेह ऐसा ही है ?

[वह बॉइडैलो को पीटता है।]

बॉइंडैलो . बचाओ, बचाओ, मदद करो। यह देखो, यह पागल मेरी हत्या कर डालेगा।

[प्रस्थान]

ज्ञानी . बचाओ बेटा ! श्रीमान् बैप्टिस्टा ! बचाइये।

[खिड़की में से चला जाता है।]

पैट्रूशियो : केटे ! आओ अलग हटकर खड़े हो जायें और इस झगड़े का अन्त देखें।

[ज्ञानी का सेवको तथा बैप्टिस्टा और ट्रेनियो के साथ प्रवेश]

ट्रेनियो : श्रीमान् ! आप कौन है, जो मेरे सेवक को इस तरह मारते है ?

विसेंशियो . मै क्या हूँ श्रीमान् ! अच्छा तो आप ही क्या है ? ओह अमर देवताओ ! बडा पूरा बदमाश है । रेशमी डब्लैट है, मखमली मौजे है, लाल क्लोक है और एक ऊँचा टोप । ओह ! सच, मै तो लुट गया, मै तो लुट गया । मै तो घर पर एक अच्छा गृहस्थी बनकर रहता हूँ लेकिन मेरा बेटा और मेरा सेवक दोनों ही सबको यूनिवर्सिटी मे खर्च कर डालते है।

ट्रेनियो : क्या हुआ ? बात क्या है ?

बैप्टिस्टा क्या वह आदमी पागल है ?

ट्रेनियो . श्रीमान् ! आपके कपडो को देखकर तो लगता है कि आप कोई बहुत ही गम्भीर और पुरानी तरह के आदमी है लेकिन आपकी बाते सिद्ध करती है कि आप एक पागल आदमी है । क्यो श्रीमान् ! अगर मै मोती और सोना पहनूं तो आपको इससे क्या मतलब । मै अपने अच्छे पिता को धन्यवाद देता हूँ । मैने इसको निबाह लिया ।

विसेंशियो तुम्हारा पिता । ओह बदमाश ! वह तो बर्गेमो में पाल बनाने वाला है ।

बैप्टिस्टा . आप गलत कहते है श्रीमान् ! बिलकुल गलत । अच्छा बताइये, आप इनका नाम क्या जानते है ?

विसेंशियो : इसका नाम, जैसे कि मै जानता ही नही हूँ । जब यह तीन साल का था तभी से मैने इसको स्वय पाला है । ट्रेनियो है इसका नाम ।

ज्ञानी भाग जा, भाग जा पागल गधे ! उसका नाम तो ल्यूसेंशियो

है और वह मरा पुत्र और मेरी सारी सम्पत्ति का उत्तराधिकारी है।

विंसैंशियो : ल्यूसैंशियो। ओह, इसने अपने स्वामी की हत्या कर दी मालूम होती है। मैं ड्यूक के नाम पर तुमसे कहता हूँ, इसको पकड़ लो। हाय मेरे बेटे! मेरे बेटे! बता मुझे बदमाश! मेरा बेटा ल्यूसैंशियो कहाँ है?

ट्रैनियो : एक अधिकारी को बुलाना। इस पागल धूर्त को जेल ले जाओ। पिता बैप्टिस्टा! आप देखिये कि वह यहाँ जल्दी से आ जाये।

विंसैंशियो : मुझे जेल ले जाने को?

ग्रेमियो : ठहरो अधिकारी! ये जेल नही जायेंगे।

बैप्टिस्टा ' बोलिये मत श्रीमान् ग्रेमियो ! मैं कहता हूँ, यह जेल जायेगा।

ग्रेमियो ' श्रीमान् बैप्टिस्टा! सावधानी से काम करिये जिससे आप इस मामले मे धोखा न खा जायें। मै शपथ खाकर कहता हूँ कि यही सच्चे विंसैंशियो है।

ज्ञानी : शपथ खाइये, अगर आप मे साहस है तो।

ग्रेमियो : मै शपथ खाने का साहस नही रखता।

ट्रैनियो : तब तो आप और भी अच्छी तरह यह कहिये कि मै ल्यूसैं-शियो नही हूँ।

ग्रेमियो : नही। मै जानता हूँ कि आप ही ल्यूसैंशियो ह।

[बॉइंडैलो, ल्यूसैंशियो तथा बियांका का प्रवेश]

बैप्टिस्टा : ले जाओ इस बेवकूफ को जेल।

विंसैंशियो : ओह, धूर्त बदमाश कमीने। इस तरह अपरिचित व्यक्तियों के साथ दुर्व्यवहार किया जा सकता है?

बॉइडैलो : ओह, हम तो बरबाद हो गए। उधर वह देखो। वही आ

गया है। उसको झूठा साबित करो, नहीं तो फिर हमारा सभी का पासा पलट जायेगा।

[बॉइंडैलो का प्रस्थान। साथ में ट्रैनियो और ग्रानी भी जितनी शीघ्रता से हो सकता है जाते हैं।]

ल्यूसैशियो : (घुटनो के बल झुककर) क्षमा करिये मेरे अच्छे पिता।

विंसैशियो : क्या मेरा बेटा अभी जीवित है ?

बियांका क्षमा करिये पूज्य पिता !

बैप्टिस्टा तुमने यह नाराज करने का काम क्यो किया है ? ल्यूसैशियो कहाँ है ?

ल्यूसैशियो . वास्तविक विंसैशियो का वास्तविक पुत्र ल्यूसैशियो यही है जिसने आपकी पुत्री से विवाह कर लिया है जबकि बनावटी रूप बनाने वालो ने आपकी आँखो को धोखा दिया।

ग्रेमियो : यह तो हम सभी को धोखा देने के लिए एक षड्यन्त्र रचा गया था जिसका एक गवाह है।

विंसैशियो वह बदमाश ट्रैनियो कहाँ है जिसने इतनी धृष्टता दिखाकर मेरा सामना किया था ?

बैप्टिस्टा : कहिये, क्या यह मेरा केम्बियो नही है ?

बियांका : केम्बियो का ल्यूसैशियो मे रूप परिवर्तन हो गया है।

ल्यूसैशियो . प्रेम ही इन सभी आश्चर्यजनक घटनाओ का निर्माता है। बियाका के प्रेम ने मुझे ट्रैनियो से अपना रूप बदलने के लिए प्रेरित किया और उसने इस शहर मे मेरा रूप धारण किया और अन्त मे मै अपने परम सुख के गतव्य पर जिसकी मुझे कामना थी आ पहुँचा हूँ। जो कुछ भी ट्रैनियो ने किया, उसके लिए मैंने ही उसको बाध्य किया था, इसलिए अच्छे पिता ! मेरे लिए उसको क्षमा कर दीजिये।

विसैंशियो : मै उस बदमाश की नाक तो तोड़ूँगा जो मुझे जेल भेज रहा था।

बैप्टिस्टा : लेकिन सुनिये श्रीमान्! क्या आपने बिना मुझसे पूछे ही मेरी पुत्री से विवाह कर लिया है ?

विसैंशियो : डरिये नही वैप्टिस्टा! हम आपको संतुष्ट कर देंगे। जाइये। लेकिन मै इस धूर्तता का बदला-चुकाने के लिए अन्दर जाऊँगा।

[प्रस्थान]

बैप्टिस्टा : और मै इस धूर्तता की गहराई का पता लगाने।

[प्रस्थान]

ल्यूसैंशियो : बियांका! डरो मत। तुम्हारे पिता तुम्हारे ऊपर क्रुद्ध नही होंगे।

[ल्यूसैंशियो तथा बियांका का प्रस्थान]

ग्रेमियो : मेरी रोटी तो अधपकी है लेकिन मै दूसरों के बीच अन्दर जाऊँगा। सिर्फ दावत के हिस्से के अलावा और किसी बात की आशा नही रखूँगा।

[प्रस्थान]

केटे : प्राणनाथ! इस झगड़े का अन्त देखने के लिए हम भी इनके पीछे चले।

पैट्रूशियो : पहले मुझको प्यार करो केटे, फिर हम जरूर चलेगे।

केटे : क्या गली के बीच में ?

पैट्रूशियो : क्या तुम मुझी से शरमिन्दा हो रही हो ?

केटे : नही तो, परमात्मा न करे, लेकिन आपका चुम्बन लेने में मुझे शरम लगती है।

पैट्रूशियो : अच्छा तो फिर चलो घर चले। आओ चलो लड़के।

केटे : मै आपको जरूर एक चुम्बन दूंगी, प्राणनाथ ! ठहर जाइये ।

पैट्रूशियो : क्या यह ठीक नही है ? आओ मेरी अच्छी प्यारी कैटे । कभी नही से तो अच्छा एक बार है, लेकिन इतनी देर बाद कभी नही ।

[प्रस्थान]

दृश्य २

[बैप्टिस्टा, विसैंशियो, ग्रेमियो, ज्ञानी, ल्यूसेंशियो और बियांका, पैट्रूशियो और कैथरिना, होर्टेंशियो और विधवा, .बॉइडेलो तथा ग्रूमियो का प्रवेश । कुछ सेवक ट्रैनियो के साथ दावत के बाद का हल्का-सा खाने का सामान ला रहे हैं ।]

ल्यूसेंशियो : यद्यपि समय तो बहुत लगा लेकिन आखिरकार बेसुरे तार एक स्वर मे मिल ही गए और जो संघर्ष चल रहा था उसका भी अन्त हो चुका है । अब तो वह समय है जबकि हमे अपनी चालाकियो तथा उन खतरो पर जो अब समाप्त हो चुके है, हँसना चाहिये । मेरी प्रिया बियाका ने मेरे पिता का स्वागत किया है, उसी प्रकार मैं भी उसी सहृदयता के साथ तुम्हारा स्वागत करता हूँ, भाई पैट्रूशियो और बहिन कैथरिना ! तुम्हारा भी तुम्हारी प्यारी विधवा के साथ स्वागत है होर्टेंशियो । आओ, जो सबसे अधिक श्रेष्ठ है, उसके साथ बैठकर दावत खाओ, स्वागत है तुम्हारा । हमारी इतनी बडी खुशी के बाद दावत तैयार है, शायद सभी को इस समय भूख भी खूब लग रही है । आओ अब खाने और बाते करने दोनो कामो के लिए बैठें ।

पैट्रूशियो : नही सिर्फ बैठने और खाने के अलावा और कुछ नही ।

बैप्टिस्टा : पैडुआ की देन है यह सहृदयता बेटा पैट्रूशियो ।

पैट्रूशियो पेडुआ की कुछ देन नही है, सिवाय उसके जो सहृदय है।
हौर्टेंशियो हम दोनों के लिए, काश यह बात ठीक होती।
पैट्रूशियो : ओ सच कहता हूँ, हौर्टेंशियो तो अपनी विधवा से डरता है।[1]
विधवा : मै उससे बिलकुल नही डरती।
पैट्रूशियो तुम तो बहुत अक्लमंद हो लेकिन फिर भी तुम मेरी बात का गलत मतलब लगाती हो। मेरा मतलब था कि हौर्टेंशियो तुमसे डरता है।
विधवा · जिसके सिर मे चक्कर आता है वह सारी दुनिया को ही घूमता हुआ देखने लगता है।
पैट्रूशियो · बड़ा सीधा जवाब दिया।
केटे : श्रीमती ! यह आपने कैसे कह दिया ?
विधवा : यही मै आपसे अर्थ धारण करती हूँ।
पैट्रूशियो : क्या ? गर्भ धारण करती हूँ ? मुझसे ?[2] अरे हौर्टेंशियो कैसे पसन्द करेगा इसको ?
हौर्टेंशियो : मेरी विधवा का तो कहना है कि इसी तरह का अर्थ वह आपसे धारण करती है।
पैट्रूशियो : खूब ठीक किया। चूम लो इसी के लिए उसको, प्यारी विधवा।

---

१. Afeard इस शब्द के दो अर्थ हैं—डराना और डरना। पैट्रूशियो तो इसका प्रयोग दूसरे अर्थ में करता है और विधवा पहले अर्थ को पकड़कर एक साथ आवेश में आकर उत्तर देती है।

२. Conceive · इस शब्द के दो अर्थ है—(१) अर्थ धारण करना (२) गर्भवती करना या होना। विधवा पहले अर्थ में इस शब्द का प्रयाग करती है लेकिन पैट्रूशियो दूसरे अर्थ में लेकर विधवा का मजाक बना देता है। फिर हौर्टेंशियो उसको ठीक करता है।

केटे : जिसके सिर मे चक्कर आता है वह सारी दुनिया को घूमता हुआ देखने लगता है। कृपया बताइये तो, क्या मतलब है इसका ?

विधवा : तुम्हारे पति को एक कर्कशा ने परेशान किया था, अपने उसी दुख से वे मेरे पति के दुख को नापते है। अब मालूम हो गया तुम्हे इसका मतलब ?

केटे बड़ी नीच बात है।

विधवा · ठीक है, मेरा तुम्ही से ही मतलब[1] था।

केटे · मैं तुम्हारा सम्मान करती हुई, निस्सदेह नीच हूँ।

पैट्रूशियो : हाँ केटे ! उसको हरा दो।

हौर्टेशियो : हाँ मेरी विधवा ! हरा देना उसको।

पैट्रूशियो : सौ यार्क की शर्त है। मेरी केटे उसको नीचे पटक देगी।

हौर्टेशियो : वही तो मेरा काम है।

पैट्रूशियो अच्छा बड़े अफसर की तरह बोले। लो पियो।

[हौर्टेशियो को शराब देता है।]

बैप्टिस्टा ग्रेमियो ! तुम्हे ये वाक्चतुर लोग कैसे लगते है ?

ग्रेमियो सच मानिये श्रीमान् ! अच्छे सिर टकराते है ये एक दूसरे से।

बियांका सिर लेकिन वाक्चातुर्य से उतावले लोग तो यही कहते कि तुम्हारा सिर और उससे टकराने का मतलब तो सिर और सीग है।

विसैंशियो क्या इस सबसे दुल्हिन की नीद टूट गई है ?

---

१. Mean इस शब्द के दो अर्थ है—(१) नीच (२) मतलब होना। केटे इसका प्रयोग पहले अर्थ में करती है और विधवा दूसरे अर्थ में समझती है, इस तरह शब्द-चातुर्य का खेल-सा इस दृश्य के भीतर चलता है।

बियांका : लेकिन मुझे डराया नही है इस सबने, इसलिए मै फिर सोऊँगी।

पैट्रूशियो : नही, नही; अब आप नही सोयेगी जब आपने शुरू ही कर दिया है तो। मै आपकी ओर निशाना करके कहता हूँ कि एक दो अच्छे मजाक छिड जाये।

बियांका : क्या मै आपकी चिडिया हूँ ? अच्छा तो मै अपनी साड़ी बदल लेती हूँ और फिर आप अपनी कमान खीचकर मेरा पीछा कर लीजिये। आप सभी का स्वागत है। बस—

[बियांका, कैथरिना और विधवा का प्रस्थान]

पैट्रूशियो श्रीमान् ट्रैनियो ! इसने तो मुझे सामने आने से पहले ही रोक लिया है। यह वही तो चिड़िया थी जिसकी तरफ आपने निशाना लगाया था और उसको पकड़ नहीं पाये थे, इसलिए मै उन सबके स्वास्थ्य और सुख की शुभ कामना करता हूँ जो निशाना चूक गए है।

ट्रैनियो : श्रीमान् ! ल्यूसेंशियो ने तो मुझे अपने कुत्ते की तरह अलग हटा दिया जो भागता तो स्वयं है लेकिन शिकार करता है अपने मालिक के लिए।

पैट्रूशियो . बडी अच्छी उपमा है, लेकिन है बेवकूफी की।

ट्रैनियो : यह अच्छा हुआ श्रीमान् ! कि आपने स्वय के लिए शिकार किया। यह सोचा जाता है कि आपकी हरिणी ने आपको उन शिकारी कुत्तो की आवाज सुनकर ही पकड लिया है।

बैप्टिस्टा . पैट्रूशियो ! देखा, ट्रैनियो ने चोट कर दी है तुम पर अब।

ल्यूसैंशियो . ट्रैनियो ! उस करारे मजाक के लिए मै तुम्हें धन्यवाद देता हूँ।

हौर्टैंशियो : मान लो अब तो। क्या उसने तुम पर चोट नही की है ?

पैट्रूशियो · मै मानता हूँ, इसने थोड़ी चोट कर दी है और जैसे यह मजाक मुझसे दूर गया तो सच आप दोनो को तो इसने घायल कर दिया।

बैप्टिस्टा . अच्छा बेटा पैट्रूशियो ! अब यह सब छोड़कर गम्भीरता से रहो। मेरे विचार से तुम्हारे पास तो सबसे विचित्र कर्कशा स्त्री है।

पैट्रूशियो जी नही। मै इसको नही मानता । इसका पूरा विश्वास दिलाने के लिए मै एक प्रस्ताव रखता हूँ—हममे से प्रत्येक अपनी-अपनी पत्नी को यहाँ बुलाये । जिसकी पत्नी सबसे अधिक आज्ञाकारिणी होगी और बुलाने के साथ ही सबसे पहले आकर उपस्थित हो जायेगी, उसको वही इनाम दिया जायेगा जो कुछ हम निश्चित कर दें।

हौर्टेशियो . सुनिये, वह इनाम क्या होगा ?

ल्यूसैशियो बीस क्राउन्स।

पैट्रूशियो बीस क्राउन्स। मै अपने बाज या कुत्ते पर तो इतने की शर्त लगा भी लेता लेकिन पत्नी के ऊपर तो बीस गुनी रकम की शर्त लगा सकता हूँ।

ल्यूसैशियो : अच्छा तो एक सौ क्राउन्स ।

हौर्टेशियो : ठीक है।

पैट्रूशियो : ठीक है, यह मुकाबिला होगा ।

हौर्टेशियो : शुरू कौन करेगा ?

ल्यूसैशियो · वह तो मै करूँगा। बॉइडैलो ! जाओ, अपनी स्वामिनी से यहाँ आने के लिए कह दो।

बॉइडैलो ! जो आज्ञा।

[प्रस्थान]

बैप्टिस्टा . बेटा ! मै तुम्हारा आधा भागीदार हूँगा। बियाका अवश्य आ रही है।

ल्यूसैंशियो मै कोई आधो का हिसाब नही रखूँगा। अपने आप ही मै इसको बरदाश्त करूँगा।

[बॉइडैलो का प्रवेश]

क्यों, क्या समाचार है ?

बॉइंडैलो · श्रीमान् ! मेरी स्वामिनी ने आपके पास सदेश भिजवाया है कि वे इस समय व्यस्त है, अत नही आ सकेगी।

पैट्रूशियो . क्या ? क्या वह व्यस्त है और नही आ सकेगी ? क्या यह उत्तर है ?

ग्रेमियो हाँ, और अच्छा उत्तर है। परमात्मा को धन्यवाद दीजिये श्रीमान् ! कि आपकी पत्नी ने आपके पास इससे खराब उत्तर नही भिजवाया।

पैट्रूशियो . मै तो इससे अच्छे की ही आशा करता हूँ।

हौर्टेंशियो . बॉइडैलो ! जाओ और मेरी पत्नी से मेरी ओर से यहाँ आने के लिए प्रार्थना करना।

[बॉइडैलो का प्रस्थान]

पैट्रूशियो अच्छा, उससे प्रार्थना की जायेगी तब वह यहाँ आने की आवश्यकता अनुभव करेगी ?

हौर्टेंशियो मुझे डर है श्रीमान् ! खैर आप करिये जो कुछ कर सकते है।

[बॉइंडैलो का प्रवेश]

आपकी पत्नी तो प्रार्थना को भी नही मानेगी। अच्छा, मेरी पत्नी कहाँ है ?

बॉइंडैलो · वे कहती है कि वे इस समय किसी अच्छे मजाक मे लगी

हुई है, इसलिए नही आ सकेगी। आपको ही उन्होने अपने पास बुलाया है।

पैट्रूशियो इससे भी बुरा और क्या हो सकता है ? वह नही आयेगी। ओह, कमीनी ! मै बरदाश्त नही कर सकता इस बात को।

ग्रूमियो ! अपनी स्वामिनी के पास जाकर कहना कि मेरी आज्ञा है कि वह यहाँ मेरे पास आ जाये।

[ग्रूमियो का प्रस्थान]

हौर्टेशियो मै जानता हूँ, वह क्या उत्तर देगी।

पैट्रूशियो क्या ?

हौर्टेशियो वह नही आयेगी।

पैट्रूशियो तो मेरा और भी अधिक दुर्भाग्य होगा। अरे, बस हो गया अन्त इस सबका।

[कैथरिना का प्रवेश]

बैप्टिस्टा पवित्र मेरी की सौगन्ध ! अब तो कैथरिना आई है।

केटे · कहिये श्रीमान् ! क्या आज्ञा है ? आपने मुझे कैसे बुलाया है ?

पैट्रूशिओ तुम्हारी बहिन और हौर्टेशियो की पत्नी वे दोनो कहाँ है ?

केटे वे अपने कमरे मे आग के पास बैठी बाते कर रही है।

पैट्रूशियो जाओ बुलाकर ले आओ उन्हे यहाँ। अगर वे मना करें तो उन्हे पीटते हुए घसीटकर अपने पतियो के पास ले आना। बस अब शीघ्र जाओ यहाँ से और उनको सीधी पकडकर यहाँ ले आओ।

[कैथरिना का प्रस्थान]

ल्यूसैशियो अगर आप किसी आश्चर्य की ही बाते करे तो सच आश्चर्य तो यहाँ है।

हौर्टेशियो हाँ बिलकुल। मुझे तो आश्चर्य होता है कि यह किस

भविष्य की ओर संकेत करता है ।

पैट्रूशियो : यह शान्ति और प्रेम-पूर्ण जीवन की ओर सकेत करता है—ऐसे शासन की ओर जिसमे प्रमुख और आयु मे बड़े व्यक्ति को उचित सम्मान प्राप्त होगा और छोटे को प्यार और सुख मिलेगा ।

बैप्टिस्टा : अच्छा तो श्रेष्ठ पैट्रूशियो ! सफलता तुम्हारी है । तुम ही इनाम के अधिकारी हो और जो उनकी हानि हुई है उसको पूरा करने के लिए मै अपनी दूसरी पुत्री के दहेज के रूप मे बीस हजार काउन्स और देता हूँ क्योकि वह तो पहले से पूरी तरह बदल गई है ।

पैट्रूशियो मैं और भी अच्छी तरह से अपना इनाम जीतूंगा और उसके नये गुणो तथा आज्ञा-पालन के और भी अच्छे प्रमाण दूगा ।

[केटे, बियांका तथा विधवा का प्रवेश]

देखिये, वह आ रही है और आपकी धृष्ट पत्नियों को अपने स्त्रियोचित स्वभाव से बन्दी बना कर ला रही है ।

कैथरिना ! वह तुम्हारी टोपी तुम्हें अच्छी नही लगती है, फैंक दो उसे और पैर से कुचल दो ।

विधवा : ओ परमात्मा ! जब तक मै किसी ऐसी बेवकूफी की जगह पर न आ जाऊँ तब तक तो मुझे कभी भी ऐसा मौका न देना जिसके लिए मेरे दिल से आह निकले ।

बियांका क्या तुम इसको बेवकूफी का फर्ज कहती हो ?

ल्यूसेंशियो : मै चाहता हूँ कि तुम्हारा भी फ़र्ज उतना ही बेवकूफी का होता । सुन्दरी बियांका ! तुम्हारे फर्ज की अक्लमंदी ने खाने के वक्त से अब तक एक सौ काउन्स का नुकसान पहुँचा दिया है ।

बियांका और भी बडे बेवकूफ हो तुम जो मेरा फर्ज तय करते हो।

पैट्रूशियो कैथरिना ! मै तुम्हे आज्ञा देता हूँ कि इन जिद्दी किस्म की औरतो को यह बता दो कि अपने पति और स्वामियो के प्रति उनका क्या फर्ज है ?

विधवा चलो, चलो, आप तो मजाक करते है। हमे इसको सुनने की आवश्यकता नही।

पैट्रूशियो अच्छा, हाँ मै कहता हूँ। पहले उसी से शुरूआत हो।

विधवा वह शुरूआत नही करेगी।

पैट्रूशियो मै कहता हूँ वह करेगी और पहले उसी से शुरूआत करो।

केटे सबसे पहले तो उस क्रोध और कठोरता को निकाल दो जिससे तुम्हारी भौहे बल खाया करती है और अपने स्वामी, शासक, और सम्राट् रूप पति के हृदय को आघात पहुँचाने के लिए कभी भी अपनी आंखो मे क्रोधावेश या उपहास लेकर उनकी ओर मत देखा करो। जैसे पाला गिरकर चरागाहो को नष्ट कर देता है, उसी प्रकार यह क्रोधावेश और कठोरता तुम्हारे सौन्दर्य को नष्ट कर देती है। जिस प्रकार चक्करदार हवाएँ चलकर सुन्दर कलियों को गिरा देती है उसी प्रकार इससे तुम्हारा अच्छा नाम मिट जाता है। किसी भी दृष्टि मे ऐसा करना अच्छा नही है। उत्तेजित स्त्री तो एक ऐसे सोते के समान होती है जिसका पानी शान्ति से नही बहता और जिसमे कीचड़ हो जाती है, उसका सारा सौन्दर्य नष्ट हो जाता है, बल्कि वह बहुत भद्दा और गन्दा लगने लगता है। उस पर अगर कोई प्यासा आदमी भी आता है तो वह भी उसकी एक भी बूद छूना या उसका पानी पीना पसन्द नही करता।

तुम्हारे पति तुम्हारे स्वामी है, तुम्हारे जीवन है और तुम्हारे

पालनकर्ता है, सभी प्रकार से तुम्हारे एकमात्र स्वामी है। वही तो तुम्हारे भरणपोषण की चिन्ता करते हैं। धरती और समुद्र दोनों जगहों पर तुम्हारे लिए कठोर परिश्रम करते है। रात तूफानो के बीच निकल जाते है तो दिनभर ठंड मे रहते है जबकि तुम घर पर अच्छी तरह आराम से रहती हो। फिर इतना सब करते हुए भी तुम्हारे पति माँगते क्या है तुमसे ? यही तो, कि तुम उनसे प्रेम करो; उनको आज्ञा का पालन करो और सदा मधुर दृष्टि से उनकी तरफ देखो। इतने बडे ऋण के लिए यह तो बहुत ही कम है जो वे तुमसे माँगते है। जो फर्ज एक प्रजा-जन का अपने राजा के प्रति होता है, वही एक स्त्री का अपने पति के प्रति होता है। जब वह कर्कशा, धृष्ट, कठोर और कुलटा हो जाती है और अपने पति की आज्ञा का पालन नही करती तो वह अपने प्रिय स्वामी के प्रति विश्वासघात और घृणित विद्रोह करती है। मुझे कहते हुए लज्जा आती है कि स्त्रियाँ इतनी भोली और सीधी होती है कि जहाँ शान्ति के लिए उन्हे झुकना चाहिये वहाँ वे झगड़ा खडा कर देगी। सदा सेवा करना, आज्ञा पालन करना और पति को प्रेम करना ही उनका फर्ज है, लेकिन वे इसे छोड़कर स्वय शासन करने की लालसा करती है। हमारे शरीर कोमल और नाजुक होते है, इसी कारण हम आपत्ति झेलकर कठिन परिश्रम नही कर सकती, लेकिन यह क्यो है ? जिससे कि हमारे हृदय की भावनाओ का हमारी बाह्य शारीरिक स्थिति से तादात्म्य स्थापित हो सके। सुनो ओ उत्तेजित स्वभाव की उत्पाती स्त्रियो ! मेरा भी दिमाग किसी वक्त इतना ही चढा हुआ था जितना अब तुम्हारा है। दिल भी इतना ही मजबूत था और बात बनाना भी मुझे ज्यादा आता था, बात पर बात

कहती थी मै। कोई मेरी तरफ गुर्राता था तो उल्टे उसकी तरफ गुर्राती थी मै, लेकिन अब मै देखती हूँ कि हमारे ये बर्छे तो केवल तिनके थे। हम तो अबला है, हमारी निस्सहाय अवस्था की तुलना तो किसी से भी नही की जा सकती। हम बनती बहुत है लेकिन वास्तव मे कुछ नही है। इसीलिए मै कहती हूँ कि अपना घमड कम कर दो क्योकि इससे कोई लाभ नही है और अब अपने पति के चरणो पर अपने हाथो को रख दो और कहो —हे स्वामी! आज्ञा दीजिये, इन हाथो से हम जितनी सेवा आपकी कर सकती है, करेगी।

पैट्रूशियो वाह! क्या खूब औरत है। आओ केटे! आकर मुझे चूम लो।

ल्यूसैशियो अपने रास्ते चलो अब तो पैट्रूशियो! अब तो वह तुम्हारे वश मे है।

विंसैशियो यह तो उस समय अच्छा उपदेश है जब बच्चे इसको सीखने के लिए उत्सुक हो।

ल्यूसैशियो लेकिन जब स्त्रियाँ कर्कशा हो तो उनके लिए बडा बुरा और कटु उपदेश है।

पैट्रूशियो आओ केटे! चलो सोने चले। हम तीनो की तो शादी हो चुकी है लेकिन तुम दोनो इस दौड़ में पिछड़ गए। यद्यपि तुमने सफेद[1] की तरफ निशाना लगाया था लेकिन मैने ही शर्त जीती और विजयी होने के नाते मै भगवान् से तुम्हारे लिए

---

१. White इसके दो अर्थ है। पहला तो है वह केन्द्र बिन्दु जिसकी ओर निशाना लगाया जाता है, दूसरे अर्थ में यह बियांका के लिए प्रयुक्त हुआ है। पैट्रूशियो सफेद कहकर बियांका की ओर संकेत करता है।

प्रार्थना करता हूँ कि वह तुम्हें सुखपूर्ण रात्रि प्रदान करे।

[पैट्रूशियो तथा केटे का प्रस्थान]

हौर्टेंशियो : अब तो अपने रास्ते चलो, तुमने एक कर्कशा और कुटिला तक को तो अपने वश मे कर लिया है।

ल्यूसेंशियो : बड़ा आश्चर्य है कि उसको इस तरह वश में कर लिया गया।

[प्रस्थान]